नई दिल्ली
शनिवार, 2 नवंबर 2024
कार्तिक मास शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा वर्ष : 28, अंक : 203
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 34.0
न्यून. 14.0

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

शेयर बाजार ने बढ़त के साथ की संवत 2081 की शुरुआत

मुंबई (भाषा)। प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स शुक्रवार को विशेष मुहूर्त कारोबारी सत्र में 335.06 अंक यानी 0.42 प्रतिशत बढ़कर 79,724.12 पर बंद हुआ, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला सूचकांक निफ्टी 99 अंक यानी 0.41 प्रतिशत बढ़कर 24,304.35 पर बंद हुआ। इसके साथ ही नए संवत 2081 की शुरुआत तेजी के साथ हुई। शेयर बाजार बीएसई और एनएसई ने नए संवत वर्ष की शुरुआत के अवसर पर शुक्रवार को शाम छह बजे से सात बजे तक विशेष मुहुर्त कारोबारी सत्र का आयोजन किया।

2080 में सेंसेक्स 22.31% उछला

- पिछले संवत 2080 में बीएसई सेंसेक्स कुल 14,484.38 अंक यानी 22.31 प्रतिशत उछला। इस दौरान निफ्टी में भी 4,780 अंक यानी 24.60 प्रतिशत की तेज बढ़त दर्ज की गई।
- बीते संवत वर्ष के दौरान निवेशकों की संपत्ति 124.42 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 4,44,71,429.92 करोड़ रुपये (5,290 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गई।
- मुहूर्त कारोबार दिवाली पर शेयर बाजारों द्वारा आयोजित एक घंटे का प्रतीकात्मक कारोबारी सत्र है, जो नए संवत वर्ष की शुरुआत दर्शाता है।

सभी सेक्टर में तेजी

- सेंसेक्स मुहूर्त कारोबार में तेजी के साथ खुला और बैंकिंग, वाहन और तेल एवं गैस शेयरों में खरीदारी के चलते पूरे सत्र में बढ़त में रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा में सर्वाधिक 3.29 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। अदाणी पोर्ट्स में 1.26 प्रतिशत उछाल आया।

अभी डेमचोक पर निगरानी शुरू

जल्द देपसांग पर भी गश्त शुरू की जाएगी

पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर सेना की गश्त शुरू
केंद्रीय मंत्री रिजिजू चीनी सैनिकों से मिले

एक दिन पहले भारत चीन के अधिकारियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और बधाई दी

श्रीनगर/नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर जवानों की वापसी के बाद शुक्रवार को भारतीय सेना ने गश्त शुरू कर दी है। सैन्य सूत्रों के अनुसार अभी डेमचोक पर निगरानी की जा रही है। देपसांग पर जल्द पेट्रोलिंग शुरू हो जाएगी। हालांकि चीनी सैनिकों के पेट्रोलिंग की बात अभी सामने नहीं आई। दोनों देशों की सेनाओं के बीच इन दोनों इलाकों से पीछे हटने पर सहमति बनी थी। डिएस्केलेशन की प्रक्रिया 30 अक्टूबर को पूरी हो गई थी। बता दें कि गुरुवार को दिवाली के मौके पर पूर्वी लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स, काराकोरम पास, दौल बेग ओल्डी, कोंग्कला और चुशुल-मोल्डो से लगे लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर दोनों देशों के अफसरों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और दीपावली की बधाई दी थी। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने अरुणाचल प्रदेश के बुमला पास पर चीनी सैनिकों से बात की।

समझौते में लद्दाख के देपसांग के तहत आने वाले 4 पॉइंट्स को लेकर सहमति बन चुकी है। दो बिंदुओं से सेना वापस लौट चुकी हैं, लेकिन गलवान घाटी और गोगरा हॉट स्प्रिंग्स में गश्त को लेकर अभी कुछ फैसला नहीं हुआ है।

रिजिजू ने एक्स पर शेयर किया वीडियो

रिजिजू ने सोशल मीडिया एक्स पर इसका एक वीडियो भी पोस्ट किया। रिजिजू ने एलएसी पर मौसम और वहां के हालात के बारे में पूछा-क्या हाई एल्टीट्यूड में प्रॉब्लम नहीं होती है? इस पर चीनी सैनिकों ने बताया कि उन्हें प्रॉब्लम नहीं होती है। इस पर रिजिजू कहते हैं कि अगर प्रॉब्लम हो तो ऑक्सीजन सिलेंडर तो होता होगा? चीनी सैनिकों ने बताया कि वो मौसम में ढल गए हैं। रिजिजू की ये बातचीत भारतीय सैनिकों के माध्यम से हुई।

दोनों के बीच तनाव कम होगा

भारत-चीन के बीच एलएसी पर पेट्रोलिंग को लेकर हुए समझौते पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 27 अक्टूबर को कहा था कि सैनिकों की वापसी पहला कदम है। अगला कदम तनाव कम करना है। ये तनाव तभी कम होगा, जब भारत को यकीन हो जाए कि चीन भी ऐसा ही चाह रहा है। तनाव कम करने के बाद, बॉर्डर को कैसे मैनेज किया जाए, इस पर चर्चा की जाएगी।

खबर संक्षेप

राजेश कुमार सिंह ने रक्षा सचिव का पदभार संभाला

नई दिल्ली। वरिष्ठ नौकरशाह राजेश कुमार सिंह ने शुक्रवार को रक्षा सचिव का पदभार संभाल लिया। केरल काडर के 1989 बैच के आईएएस अधिकारी ने साउथ ब्लॉक में कार्यभार संभाला। कार्यभार संभालने से पहले सिंह ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने 20 अगस्त को विशेष कार्य अधिकारी (रक्षा सचिव मनोनीत) के रूप में कार्यभार संभाला था। एजेंसी

'ब्रैट' कोलिन्स डिक्शनरी का वर्ष का शब्द बना

लंदन। कोलिन्स डिक्शनरी ने एल्बम शीर्षक 'ब्रैट' को वर्ष 2024 का शब्द घोषित किया है। गायिका चार्ली एक्ससीएक्स द्वारा अपने छठे स्टूडियो एल्बम के शीर्षक के रूप में इस्तेमाल किए गए इस शब्द को 'एक आत्मविश्वासपूर्ण, स्वतंत्र और सुखवादी दृष्टिकोण की विशेषता' के रूप में परिभाषित किया गया है। कोलिन्स कोशकारों ने शुक्रवार को कहा कि "ब्रैट समर" वाक्यांश "2024 के सबसे चर्चित शब्दों में से एक" बन गया है। एजेंसी

पंजाब एंड सिंध बैंक ने शुरू की ई-बैंक गारंटी सुविधा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब एंड सिंध बैंक ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सर्विसेज लिमिटेड (एनईएसएल) के साथ मिलकर ई-बैंक गारंटी (ई-बीजी) सुविधा शुरू की है। बैंक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि यह सुविधा दस्तावेजों के आधार पर बैंक गारंटी जारी करने की प्रक्रिया को ई-स्टाम्पिंग और ई-हस्ताक्षर से बदल देगी। बैंक ने कहा कि सुरक्षित लेनदेन और बढ़ी हुई पारदर्शिता के साथ लाभार्थी भौतिक बैंक गारंटी के सत्यापन में लगने वाले प्रयास और समय को बचा पाएंगे। एजेंसी

धुएं व शोर से पर्यावरण को बचाने में विफल रहा प्रशासन

पटाखों पर बैन के बावजूद जमकर आतिशबाजी, प्रदूषण ने दम घोंटा

हरिभूमि टीम ▸▸| हरियाणा/नई दिल्ली

दीपावली के मौके पर पटाखों पर प्रतिबंध (बैन)के बावजूद लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। देर रात तक आसमान बम-पटाखों कीआवाज से गूंजता रहा। एनजीटी और सरकार के आदेशों को धता बताते हुए इस बार खुलेआम भारी संख्या में पटाखों की बिक्री हुई। पूरी प्रशासनिक व्यवस्था की निष्क्रियता मानव, समाज और पर्यावरण पर भारी पड़ी। दीपावली के अगले दिन यानी शुक्रवार को हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर(एक्यूआई) 350 के स्तर को पार कर गया कई स्थानों पर तो एक्यूआई 400 से अधिक दर्ज किया गया। लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई। हालांकि तेज हवा चलने से कुछ राहत जरूर मिली। 1 नवबंर को सुबह करीब 6 बजे दिल्ली में एक्यूआई 391 दर्ज किया गया। देश के 10 सबसे प्रदूषित शहरों की बात करें तो इनमें हरियाणा, दिल्ली और यूपी के कई शहर रहे। सबसे ज्यादा प्रदूषण फतेहाबाद में 402 एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली में दीपावली के दिन शाम 5 बजे रियल टाइम एक्यूआई 186 रिकॉर्ड किया गया था। यानी 10-12 घंटों में ही हवा सामान्य से बेहद खराब कैटेगिरी में चली गई।

पटाखों के शोर से रातभर गूंजता रहा आसमान
●
दिवाली के बाद हरियाणा-दिल्ली-एनसीआर के कई क्षेत्रों में धुंध
●
हवा में घुला बारूद, प्रदूषण का स्तर 350 के पार पहुंचा
●
देश के सबसे प्रदूषित शहरों में दो हरियाणा के

फतेहाबाद सबसे प्रदूषित शहर

शहर	प्रदूषण	शहर	प्रदूषण
फतेहाबाद	402	बदायूं	293
संभल	388	बहादुरगढ़	290
अंबाला	367	भिवानी	288
दिल्ली	354	यमुनानगर	283
गुरुग्राम	344	सोनीपत	282
जींद	340	रोहतक	271
अमृतसर	314		
गाजियाबाद	308		
कुरुक्षेत्र	305		
चंडीगढ़	302		
मेरठ	302		
हापुड़	302		

नोट : आंकड़े केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की समीर एप के अनुसार

दिल्ली के प्रदूषण के स्तर के मिलेजुले परिणाम

नई दिल्ली। दिवाली पर दिल्ली में पिछले साल की तुलना में शहर में ध्वनि प्रदूषण स्तर में मिलीजुली प्रवृत्ति देखने को मिली। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने इसकी जानकारी दी। डीपीसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार दिवाली के दिन दिल्ली के ध्वनि स्तर में पिछले साल की तुलना में वृद्धि देखी गई। शाम छह बजे से आधी रात तक डेसीबल (डीबी) में मापी गई रीडिंग से पता चला कि करोल बाग में ध्वनि स्तर शहर में सर्वाधिक दर्ज किया गया और औसत स्तर 88.7 डीबी रहा, जबकि 2023 में ध्वनि का स्तर 84.5 डीबी दर्ज किया गया था। अलीपुर और नजफगढ़ में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जहां ध्वनि का स्तर क्रमशः 58.0 डीबी और 58.3 डीबी तक पहुंच गया, जो 2023 की तुलना में पांच प्रतिशत और आठ प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। प्रदूषण से निपटने के प्रयास में, दिल्ली सरकार ने लगातार पांचवें वर्ष पटाखों के विनिर्माण, भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

बीमारियों का खतरा

पर्यावरणप्रेमी डॉ. अजय जैन के अुनसार आतिशबाजी का शौक प्रकृति के लिए काफी नुकसानदायक है। वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने की वजह से प्रदेश में अस्थमा के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। हवा में कार्बनडाई ऑक्साइड का स्तर खतरनाक रूप से बढ़ जाने की वजह से सांस लेने और सीने में दर्द की शिकायत भी देखने को मिल रही है।

पीएम मोदी का कांग्रेस पर तीखा हमला

कांग्रेस को अब समझ आया झूठे वादे आसान नहीं : पीएम

हिमाचल, कर्नाटक और तेलंगाना विकास से अभी कोसों दूर

कांग्रेस को वोट देना मतलब भ्रष्टाचार को बढ़ाना देना

खरगे ने कहा था, वादे वे करो जो पूरा कर सको नहीं तो बदनामी होगी

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के चुनावी वादों पर दिए बयान पर पीएम नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पलटवार किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा-कांग्रेस को यह बात अब समझ में आ रही है कि झूठे वादे करना तो आसान है, लेकिन उन्हें सही तरीके से लागू करना मुश्किल या नामुमकिन है। दरअसल 31 अक्टूबर को बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि, हमें वो वादे करने चाहिए, जो पूरे किए जा सके। नहीं तो आने वाली पीढ़ी के पास बदनामी के अलावा कुछ नहीं बचेगा।

कांग्रेस शासित राज्यों में स्थिति बदतर

पीएम ने लिखा-कांग्रेस लगातार प्रचार अभियान चलाकर लोगों से वादे करती रहती है, जिन्हें वे कभी पूरा नहीं कर पाएंगे। अब वे लोगों के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुके हैं। आज कांग्रेस की सरकार वाले किसी भी राज्य को देख लीजिए हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना विकास की गति और वित्तीय सेहत बद से बदतर होती जा रही है। उनकी तथाकथित गारंटी अधूरी पड़ी है, जो इन राज्यों के लोगों के साथ एक भयानक धोखा है। ऐसी राजनीति का शिकार गरीब, युवा, किसान और महिलाएं हैं, जिन्हें न केवल इन वादों का लाभ नहीं मिल रहा है, बल्कि उनकी मौजूदा योजनाएं भी कमजोर होती जा रही हैं।

कांग्रेसशासित राज्यों में उनकी तथाकथित गारंटियां आधी अधूरी पड़ी हैं। यह उन राज्यों की जनता के साथ एक बहुत बड़ा धोखा है। पूरा भारत जानता है कि कांग्रेस को वोट देना खराब अर्थव्यवस्था और बेसुमार लूट का बढ़ावा देना है, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना है।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अंदरूनी राजनीति और लूट में व्यस्त कांग्रेस

पीएम ने आगे लिखा कि कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी विकास करने की बजाय पार्टी की अंदरूनी राजनीति और लूट में व्यस्त है। इतना ही नहीं, वे मौजूदा योजनाओं को भी वापस लेने जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया जाता। तेलंगाना में किसान अपने वादे के मुताबिक कर्जमाफी का इंतजार कर रहे हैं। इससे पहले छत्तीसगढ़ और राजस्थान में उन्होंने कुछ ऐसे भत्ते देने का वादा किया था जो पांच साल तक लागू नहीं किए गए। कांग्रेस किस तरह काम करती है, इसके कई उदाहरण हैं।

अरोड़ा ने संभाला 'एयर ऑफिसर इन-चार्ज रखरखाव' का पदभार

नई दिल्ली (भाषा)। एयर मार्शल अजय कुमार अरोड़ा ने शुक्रवार को वायुसेना के 'एयर ऑफिसर-इन-चार्ज रखरखाव' का पदभार संभाल लिया। अरोड़ा ने 35 साल से अधिक के अपने करियर में प्रमुख कमान और स्टाफ नियुक्तियों पर काम किया है। यहां वायुसेना मुख्यालय (वायु भवन) में कार्यभार संभालने के बाद एयर मार्शल ने राष्ट्र के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सशस्त्र बलों के कर्मियों के सम्मान में राष्ट्रीय समर स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयर मार्शल अरोड़ा अगस्त 1986 में वायुसेना की वैमानिकी अभियांत्रिकी शाखा से जुड़े थे।

नई सरकार बनने के बाद घाटी में पांचवां हमला, सीएम उमर अब्दुल्ला ने हमले की कड़ी निंदा की

बडगाम में आतंकवादियों ने उत्तर प्रदेश के दो लोगों को गोली मारी

एजेंसी ▸▸| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में शुक्रवार शाम आतंकवादियों ने उत्तर प्रदेश के दो लोगों को गोली मार दी। अधिकारियों ने बताया कि मध्य कश्मीर जिले के मागम के मजहामा इलाके में गोली लगने से सूफियान और उस्मान घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत स्थिर बताई गई है। पिछले महीने केंद्र शासित प्रदेश में नई सरकार बनने के बाद से कश्मीर घाटी में यह 5वां आतंकवादी हमला है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला समेत विभिन्न दलों के नेताओं ने इस हमले की निंदा की।

गहरा दुःख

नेकां ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल से जारी एक पोस्ट में कहा, 'नेकां अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला और उपाध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मजहामा, बडगाम में आम लोगों पर आतंकवादी हमले पर गहरा दुख व्यक्त किया है और हिंसा के इस कृत्य की कड़ी निंदा की है।'

24 को दो जवान शहीद हुए थे

गुलमर्ग से 6 किलोमीटर दूर सेना के वाहन पर 24 अक्टूबर को हुए हमले में दो सैनिक और दो पोर्टर मारे गए थे, इससे पहले दिन में आतंकवादियों ने त्राल इलाके में उत्तर प्रदेश के एक मजदूर शुभम कुमार को गोली मारकर घायल कर दिया था। -आतंकवादियों ने 20 अक्टूबर को गंदेरबल के गगनगीर इलाके में एक सुरंग निर्माण स्थल पर एक स्थानीय चिकित्सक और छह प्रवासी मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

भाजपा विधायक देवेंद्र राणा का निधन, सबने शोक जताया

जम्मू (भाषा)। विभिन्न दलों के राजनीतिक नेता और सैकड़ों लोग शुक्रवार को भाजपा विधायक देवेंद्र सिंह राणा को विदाई देने के लिए यहां एकत्र हुए जिनका दीपावली की रात निधन हो गया था। भाजपा विधायक राणा प्रमुख उद्यमी और प्रभावशाली राजनीतिक नेता थे जिन्हें अकसर 'जम्मू की आवाज' कहा जाता था। वे केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के भाई भी थे। राणा का फरीदाबाद स्थित एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 59 वर्ष के थे और कुछ दिन से बीमार थे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला अपने एक समय के सहयोगी रहे राणा को अंतिम विदाई देने श्रीनगर से यहां पहुंचे।

दु:खद आंतों से जुड़ी बीमारी से जूझ रहे थे, दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस

पद्मश्री अर्थशास्त्री डॉ. बिबेक देबरॉय ने सभी पुराणों का अंग्रेजी में किया था अनुवाद

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष देबरॉय नहीं रहे

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वह 69 वर्ष के थे। ईएसी-पीएम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। देबरॉय यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती थे। एम्स दिल्ली की ओर से जारी बयान में कहा गया उन्हें आंत में परेशानी के कारण भर्ती कराया गया था। वह उच्च रक्तचाप और मधुमेह से भी पीड़ित थे। सुबह करीब 7 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित देबरॉय नीति आयोग के सदस्य रह चुके हैं। उन्होंने नई पीढ़ी के लिए सभी पुराणों का अंग्रेजी में आसान अनुवाद लिखा था।

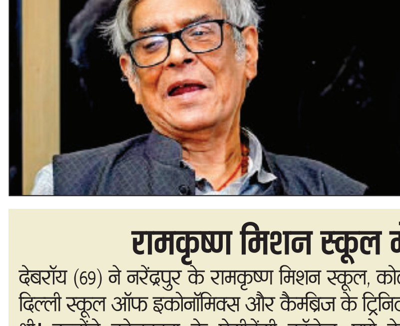

बिबेक देबरॉय
-: जन्म :-
25 जनवरी 1955
-: निधन :-
01 नवंबर 2024

रामकृष्ण मिशन स्कूल में शिक्षा

देबरॉय (69) ने नरेंद्रपुर के रामकृष्ण मिशन स्कूल, कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज से शिक्षा ग्रहण की थी। उन्होंने कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज, पुणे के गोखले इंस्टीट्यूट ऑफ पॉलिटिक्स एंड इकोनॉमिक्स, दिल्ली के भारतीय विदेश व्यापार संस्थान में सेवाएं दी थीं और वह कानूनी सुधारों पर वित्त मंत्रालय/यूएनडीपी परियोजना के निदेशक भी रहे। वह पांच जून 2019 तक नीति आयोग के सदस्य भी थे। (पेज 4 भी देखें)

पीएम मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अर्थशास्त्री देबरॉय के निधन पर शोक जताया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'डॉ. बिबेक देबरॉय एक उच्च कोटि के विद्वान थे, जो अर्थशास्त्र, इतिहास, संस्कृति, राजनीति, आध्यात्मिकता जैसे अन्य विषयों पर महारत रखते थे। अपने कार्यों के माध्यम से, उन्होंने भारत के बौद्धिक परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी।'

हरियाणा पुलिस को मिली सफलता, सात आरोपित गिरफ्तार

700 करोड़ का कालाधन विदेश भेजा 5 आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दायर

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸| चंडीगढ़

हरियाणा पुलिस की राज्य अपराध शाखा ने एक बड़े मामले को सुलझाने का दावा किया है। ये लोग फर्जी कंपनियां बनाकर, बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों से मिलीभगत करके 700 करोड़ रुपये से अधिक का काला धन विदेश भेज चुके हैं। पुलिस ने इस मामले में सात आरोपितों को गिरफ्तार किया हैए जबकि पांच के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दायर की है। आरोपित अवैध तरीके से विदेशी कंपनियों के खातों में पैसे भेजते थे। भेजे जा चुके थे। इस मामले में अब तक सात आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

क्या था मामला

पुलिस को 18 मार्च 2024 को एक शिकायत प्राप्त हुई थी। इसका संज्ञान लेते हुए डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य अपराध शाखा तथा पुलिस उपायुक्त गुरुग्राम नीतीश अग्रवाल की अध्यक्षता में विशेष अनुसंधान टीम (एसआईटी) गठित की गई। तब से यह जांच च्ल रही थी। शिकायत के अनुसार आरोपित संगठित होकर डमी डायरेक्टर्स के नाम कंपनियां रजिस्टर्ड करवाते थे। इन कंपनियों के डायरेक्टर के बैंक अकाउंट बैंक कर्मियों से साठ-गांठ करके व्यक्तिगत तथा ईकेवाईसी के माध्यम से खुलवाए जाते थे और उन अकाउंट के एटीएम कार्ड, नेट बैंकिंग पासवर्ड, रजिस्टर्ड मोबाइल सिम अपने पास रखकर उन अकाउंट्स को खुद ऑपरेट करते थे। डमी डायरेक्टर्स के नाम से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बनाई गई कंपनियों का विदेशी कंपनियों के साथ बिजनेस दिखाकर गुजरात तथा मुंबई के बंदरगाहो (पोर्ट) पर विदेश से माल मंगवा कर इसे आयात तथा निर्यात करते थे। इस दौरान इनवॉइस बिल में सामान की कीमत को बाजार की कीमत से कई गुना ज्यादा दर्शाकर भारतीय मुद्रा को विदेशों में भेजते थे और अवैध तौर पर प्रति डॉलर मोटा कमीशन वसूल करते थे। आरोपियों द्वारा कंपनियों के बिजनेस परिसर, बैंक रिकॉर्ड, आरओसी एंड सीजीएसटी रिकॉर्ड व आयात-निर्यात संबंधित दस्तावेजों में अलग-अलग दर्शाए जाते थे ताकि राजस्व आसूचना के निदेशक, कस्टम विभाग, प्रवर्तन निदेशालय तथा केंद्रीय जीएसटी आदि विभागों की पकड़ में ना आ सके।

ऐसे करते थे फर्जीवाड़ा

आरोपित कंपनियों के खातों में रुपये अन्य कंपनियों के खातों से फर्जी सेल/परचेज दिखाकर मंगवाए जाते थे और इन कम्पनियों के मेजर एकाउंटस से रुपया आरोपितों द्वारा डॉलर में विदेशी कंपनी के खाते में ट्रांसफर करवा दिया जाता था। आरोपित विदेशी कंपनियों से सामान किराए पर लेकर दस्तावेजों में उनसे खरीदा हुआ दिखाते थे और माल का आयात व कुछ समय बाद वापस उसी माल को निर्यात दिखाते थे। आयात दिखाए गए सामान की पेमैन्ट को विदेशी कम्पनी के खातों में भेज दिया जाता था परन्तु निर्यात किए गए माल की पेमैन्ट वापस स्वदेशी कम्पनी के खाते में नहीं आती।

हरियाणा के तीन आरोपित

आरोपितों में 3 दिल्ली, 3 हरियाणा के झज्जर, सोनीपत व फरीदाबाद से और एक आरोपित देहरादून से है। आरोपितों से बड़े स्तर पर कम्पनियों के फर्जी दस्तावेज, 26 मोबाल, लेपटॉप, कम्पनियों की मोहरें बरामद की गई है।

70 हजार रुपये का था आर्थिक विवाद

दिवाली पर हुए दोहरे हत्याकांड में नाबालिग आरोपी पकड़ा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

शाहदरा के फर्श बाजार इलाके में दिवाली की शाम गोलीबारी में एक व्यक्ति और उसके नाबालिग भतीजे की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में कथित भूमिका के लिए शुक्रवार को एक नाबालिग को पकड़ा गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मृतक आकाश शर्मा के दूर के रिश्तेदार नाबालिग आरोपी ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि शर्मा के साथ उसका 70 हजार रुपये का आर्थिक विवाद था, जिसके चलते उसने उसकी हत्या की साजिश रची। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि लगभग 17 वर्षीय आरोपी ने अपराध को अंजाम देने के लिए एक शूटर को पैसे दिए थे। गोलीबारी की घटना का कथित वीडियो शुक्रवार को सोशल मीडिया पर सामने आया, जिसमें दो में से एक आरोपी आकाश शर्मा के पैर छूता दिख रहा है जबकि दूसरा आरोपी पिस्तौल निकालकर एकदम से गोलीबारी शुरू कर देता है। वीडियो क्लिप में रात करीब आठ बजे आकाश बिहारी कॉलोनी में घर के बाहर भतीजे ऋषभ शर्मा (16) और बेटे कृष के साथ दीपावली का जश्न मनाते दिख रहे हैं, तभी दो आरोपी स्कूटी पर वहां पहुंचते हैं। वीडियो में दिख रहा है कि बाइक पर सवार एक व्यक्ति आकाश के पैर छूता है जबकि मास्क पहने और हाथ में बोतल लिए दूसरा आरोपी उसके पास खड़ा हो जाता है। मास्क पहने दूसरा आरोपी अचानक गोली चलाना शुरू कर देता है। इसके बाद हमलावर पीछा कर रहे ऋषभ और कृष पर गोली चलाते हुए भागने लगता है। पुलिस ने कहा कि तीनों पीड़ितों को अस्पताल ले जाया गया, जहां आकाश और ऋषभ को मृत घोषित कर दिया गया जबकि कृष का इलाज किया जा रहा है। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने कहा कि पीड़ित के दूर के रिश्तेदार नाबालिग आरोपी को पकड़ लिया गया है। डीसीपी ने कहा कि पूछताछ के दौरान उसने कहा कि उसका आकाश के साथ 70 हजार रुपये का वित्तीय विवाद था। जांच जारी है और शूटर को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। अधिकारी ने कहा कि आकाश को आरोपी को पैसे लौटाने थे, लेकिन वह उसकी फोन कॉल और संदेशों का जवाब नहीं दे रहा था। मृतक के परिवार के अनुसार उनका आरोपी और उसके भाई के साथ संपत्ति और पैसों को लेकर विवाद था। आकाश की मां शशि ने पत्रकारों को बताया कि उन्हें पिछले कई दिन से धमकियां मिल रही थीं। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले वह मिठाई का पैकेट लेकर हमारे घर आया था। चूंकि उसके परिवार की हमसे दुश्मनी है, इसलिए हमने उससे दूरी बनाए रखी। शशि ने कहा कि उस परिवार की वजह से मैंने अपने पति को खो दिया था। अब मेरे बेटे और पोते की भी हत्या कर दी गई है। पुलिस के एक और अधिकारी ने कहा कि आकाश की घर के पास कॉस्मेटिक सामान की एक दुकान है और उस पर जुए के आरोप में कई बार मामला दर्ज किया गया था। आकाश के भाई के खिलाफ भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, लेकिन वह घटना के दौरान घटनास्थल पर मौजूद नहीं था। पुलिस ने कहा कि परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और शूटर को पकड़ने के लिए टीमें गठित की गई हैं।

दिल्ली पुलिस का मनोबल तोड़ने में लगे रहते हैं आम आदमी पार्टी के नेता : भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस सामान्यता किसी भी क्राइम की घटना के दोषियों को 24 घंटे से 96 घंटे के बीच पकड़ कर मामला हल कर लेती है पर यह दुखद है कि निहित राजनीतिक स्वार्थवश सौरभ भारद्वाज आदि आम आदमी पार्टी के नेता दिल्ली पुलिस का मनोबल तोड़ने में लगे रहते हैं। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शुक्रवार को यह बयान जारी किया। सचदेवा ने कहा है कि यह खेदपूर्ण है कि आम आदमी पार्टी नेता सौरभ भारद्वाज ने केवल खबरों में बने रहने के लिए गुरूवार को शाहदरा में हुए मामले को शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता कर उठाया और यह दिखाता है कि वह मंत्री होते हुए भी संवेदनहीन तर्कहीन बयानबाजी करते हैं जिसकी जांच आवश्यक है। उन्होंने सौरभ भारद्वाज से कहा है कि वह बेतुकी बयानबाजी छोड़कर दिल्ली के विकास पर ध्यान दें।

दिल्ली की बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए एलजी जिम्मेदार : सौरभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था दिन प्रतिदिन बिगड़ती जा रही है। इसके लिए सीधे तौर पर दिल्ली के उपराज्यपाल जिम्मेदार हैं। भारद्वाज ने शुक्रवार को प्रैसवार्ता में कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था की इतनी खराब हालत हो चुकी है, परंतु भाजपा शासित केंद्र सरकार इस पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा चाहे आप भाजपा के सांसदों से पूछ लो, चाहे आप भाजपा के मंत्रियों से पूछ लो कोई कुछ बोलने को या मिलने को तैयार ही नहीं है। उपराज्यपाल पर प्रश्न उठाते हुए मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि उनको अपना जो काम है, उसके अलावा सब कुछ आता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के सतबड़ी इलाके में उपराज्यपाल की अनुमति से गैर कानूनी तरीके से 1100 पेड़ काट दिए गए। उपराज्यपाल को पेड़ को काटने की परमिशन कहां से लेनी है यह नहीं पता, परंतु जो काम उनके नहीं है, उन सभी कामों के बारे में उनको सब कुछ पता होता है।

मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में लॉरेंस बिश्नोई और भाऊ गैंग पहले से ही एक्टिव थे, एक तीसरा गैंग और दिल्ली में एक्टिव हो गया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से दिल्ली में एक के बाद एक गैंग एक्टिव हो रहे हैं, इस प्रकार की परिस्थितियां आज से पहले केवल मुंबई जैसे शहरों में देखी गई थी।

पिछले कुछ महीनों से दिल्ली में कानून व्यवस्था के बदतर हालात

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से दिल्ली में कानून व्यवस्था की जो बदतर हालात है, जिस प्रकार से खुले आम गैंगस्टरों द्वारा कार शोरूम पर गोलियां चलाई गई, मिठाई की दुकान में घुसकर गोलियां चलाई गई, होटल के मालिक पर गोलियां चलाई गई, सरे आम लोगों पर गोलियां चलाई जा रही है, फिरौती की रकम मांगी जा रही है, लोगों की हत्याएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि गुरुवार को जब पूरी दिल्ली धूमधाम से दीपावली मना रही थी, दिल्ली के शाहदरा इलाके में कुछ बदमाशों ने एक परिवार पर हमला किया और उस परिवार के दो व्यक्तियों की हत्या कर दी और एक लगभग 10 वर्ष के छोटे बच्चे को भी गोली मार दी, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

दिवाली पर दिल्ली में आग लगने की 318 सूचनाएं मिलीं 13 साल में सबसे अधिक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को इस साल दिवाली पर आग लगने की 300 से अधिक सूचनाएं मिलीं जो पिछले 13 साल में सबसे अधिक है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, बहुत ज्यादा पटाखों का उपयोग करने के कारण आग संबंधी घटनाओं के आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई है। डीएफएस के प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि यह आंकड़ा पिछले 13 वर्षों में दिवाली पर आग और आपातकालीन घटनाओं की सबसे अधिक संख्या को दर्शाता है। डीएफएस ने बताया कि आग लगने की अधिकांश कॉल 31 अक्टूबर को शाम पांच बजे से एक नवंबर को सुबह पांच बजे के बीच प्राप्त हुईं। डीएफएस द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, उन्हें 2011 में 206, 2012 में 184, 2013 में 177, 2014 में 211, 2015 में 290, 2016 में 243, 2017 में 204, 2018 में 271, 2019 में 245, 2020 में 205, 2021 में 152, 2022 में 201 और 2023 में आग लगने की 208 कॉल मिली थीं। गर्ग ने बताया कि इस साल हमें आग से संबंधित 318 कॉल प्राप्त हुईं। यह संख्या पिछले 13 वर्षों में सबसे अधिक है। हम सभी अग्निशमन इकाइयों और अधिकारियों की तैनाती के साथ किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार थे। हमने सभी कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी थीं और पूरे शहर में सभी की मदद के लिए तैयार थे। उन्होंने बताया कि शाम चार बजे से नौ बजे के बीच आग लगने की घटनाओं के संबंध में कम से कम 78 कॉल आई थीं। गर्ग ने बताया कि इस साल शाम छह बजे से रात 11.59 बजे के बीच आग लगने संबंधी 176 कॉल प्राप्त हुईं तथा रात 12 बजे से सुबह छह बजे तक 144 कॉल आईं। उन्होंने बताया कि पिछले साल इसी समय हमें आग संबंधी 195 घटनाओं की सूचना मिली थी। दिल्लीवासियों ने पटाखों पर लगे प्रतिबंध का उल्लंघन करते हुए दिवाली मनाई।

तीन मामले गंभीर प्रकृति के थे

इसी बीच, डीएफएस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि तीन मामले गंभीर प्रकृति के थे। उन्होंने बताया कि दो कॉल सागरपुर इलाके से मिलीं और एक दरियागंज इलाके से मिली। दक्षिण-पश्चिम जिला पुलिस के अनुसार, सागरपुर थाने को आत्महत्या के संबंध में दो अलग-अलग सूचनाएं मिलीं। पहली घटना में, मदनलाल नामक 44 वर्षीय व्यक्ति ने एयर इंडिया कॉलोनी के पास आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उसका शव एक ऑटोरिक्शा में मिला। वह शराब का आदी था और मजदूरी करता था। इस मामले के पीछे किसी गड़बड़ी का संदेह नहीं है। उन्होंने बताया कि 22 वर्षीय एक व्यक्ति द्वारा आत्महत्या किए जाने की भी सूचना मिली थी। अधिकारी ने कहा कि शाम सात बजकर 16 मिनट पर एक और सूचना मिली की कि एक व्यक्ति ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतक की पहचान तुषार के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें उन्होंने अपने इस कदम के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। मध्य जिले के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें दरियागंज इलाके में एक घर में 52 वर्षीय व्यक्ति की मौत के संबंध में सूचना मिली। उन्होंने बताया कि वह किसी बीमारी से पीड़ित थे। उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था और इसलिए उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने कहा कि उनकी मौत के पीछे किसी साजिश का संदेह नहीं है।

हत्या का प्रयास मामले की जांच पर संदेह जताते हुए अदालत ने तीन व्यक्तियों को बरी किया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने हत्या की कोशिश के करीब सात साल पुराने एक मामले की जांच पर गंभीर संदेह जताते हुए तीन व्यक्तियों को बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अतुल अहलावत ने कहा कि मंशा अपराध का एक आवश्यक तत्व होती है तथा घायल प्रत्यक्षदर्शी के बयान के आधार पर इसे तय करना एक दोधारी तलवार है। अदालत ने कहा कि इसका इस्तेमाल आरोपी को फंसाने में भी किया जा सकता था। अदालत फहीम कुरैशी, नईम कुरैशी और हनीफ खान के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रही थी, जो 18 अक्टूबर 2017 को शिकायतकर्ता असलम के घर में कथित तौर पर घुसने और उन्हें पीटने के आरोपी हैं। अभियोजन पक्ष ने कहा कि घटना के दौरान, फईम ने असलम पर गोली भी चलाई थी।

अदालत ने 9 अक्टूबर को सुनाये गए 72 पृष्ठों के फैसले में असलम के बयान पर गौर किया, जिसके अनुसार, उस पर गोली चलाए जाने के बाद उसका भाई शकील घटनास्थल पर पहुंचा था। लेकिन शकील की गवाही में कुछ सुधार को रेखांकित किया गया, जिसमें उसने दावा किया था कि उसने पूरी घटना देखी थी, जिसमें हाथापाई और फईम द्वारा असलम पर कथित तौर पर गोली चलाना भी शामिल था। इसे अभियोजन पक्ष के मामले के लिए झटका करार देते हुए अदालत ने कहा कि गोली लगने से असलम की पतलून में छेद होने के निशान नहीं थे और उसके इस परिधान को कभी फॉरेंसिक जांच के लिए नहीं भेजा गया। अदालत ने पाया कि न तो कथित हथियार बरामद किया गया और न ही अपराध स्थल पर खोखे पाये गए और यहां तक कि घटनास्थल से एकत्र किये गए रक्त के नमूनों का भी विश्लेषण नहीं किया गया। न्यायाधीश ने अपने फैसले में कहा कि इसलिए यह साबित नहीं किया जा सका कि अपराध स्थल से एकत्र किया गया रक्त का नमूना घायल व्यक्ति का था, या नहीं। वर्तमान मामले में यह भी साबित नहीं किया जा सका कि रक्त किसी मानव या पशु का था। अदालत ने असलम का इलाज करने वाले चिकित्सक के बयान पर भी गौर किया, जिसने खुद ही चोट पहुंचाने की संभावना से इनकार नहीं किया। अदालत ने कहा कि मौजूदा मामले में, जांच पर गंभीर संदेह पैदा होता है, जिसे खारिज नहीं किया जा सकता। शिकायतकर्ता और आरोपियों के बीच पुरानी रंजिश के संबंध में अदालत ने कहा कि केवल मकसद ही पर्याप्त नहीं है। अदालत ने कहा कि मंशा अपने आप में एक दोधारी तलवार है। परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित मामलों में, मंशा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि, प्रत्यक्षदर्शी साक्ष्य पर आधारित मामलों में इसका उतना महत्व नहीं होता है। अदालत ने कहा कि इसलिए, यह (अभियोजन पक्ष का दावा) कोई भरोसा पैदा नहीं करता है और आरोपी व्यक्तियों को इस मामले में फंसाये जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

केजरीवाल ने हनुमान मंदिर में देश की सुख समृद्धि के लिए की पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर देश की सुख समृद्धि के लिए आशीर्वाद लिया। उन्होंने शुक्रवार को मंदिर में अपनी धर्मपत्नी के साथ विधिवत यज्ञ और पूजा की। पूजा के बाद उन्होंने कहा कि मैंने और मेरी पत्नी ने भगवान रामचंद्र से देश के सभी लोगों के भले और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की है, वो सभी की मनोकामनाएं पूरी करें। केजरीवाल ने कहा कि सबका भला हो, देश का भला हो और सबको दिवाली मुबारक हो। भगवान राम सबका भला करें, सबकी मनोकामना पूरी करें। अभी मैं और मेरी पत्नी कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर आए। यहां पर हम लोगों ने यज्ञ किया और हमने सबके भले के लिए और सबके स्वास्थ्य के लिए कामना की। आम आदमी पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से केजरीवाल और उनकी धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल की हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना करते हुए तस्वीरें साझा की।

आईपीयू में लाइब्रेरी की सभी पुस्तकों की जानकारी एक क्लिक के माध्यम से मिल जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

माई एलओएफटी ऐप के माध्यम से अब छात्र-छात्राओं को कॉलेज में मौजूद लाइब्रेरी की सभी पुस्तकों की जानकारी एक क्लिक के माध्यम से मिल जाएगी। इससे छात्र देश के किसी कोने से भी इसका लाभ उठा सकेगा। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यहां जनसंपर्क अधिकारी नलिनी रंजन ने बताया कि आईपीयू में अब छात्र, शोधार्थी और फैकल्टी सदस्य फिंगर टिप्स पर लाइब्रेरी की सुविधा ले सकेंगे। आईपीयू का विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र (यूआईआरसी) माई लॉफ्ट प्लेटफॉर्म (माई लाइब्रेरी ऑन फिंगर टिप्स) के माध्यम से संसाधनों की पहुंच उपलब्ध कराएगा। इससे विश्वविद्यालय के सभी उपयोगकर्ता कहीं से भी पुस्तकालय संसाधनों तक पहुंच सकेंगे। इसके लिए उन्हें माई एलओएफटी ऐप को डाउनलोड करना होगा। इससे एक साथ पांच हजार से अधिक छात्र लाइब्रेरी डिजिटली इस्तेमाल कर सकेंगे। इसे ना केवल छात्रों की पुस्तक तक पहुंच आसान बनेगी बल्कि शोधार्थी भी जरूरी जानकारी एकत्र कर सकेंगे। ऐप के इस्तेमाल को लेकर गत दिनों एक प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया। जिसमें छात्रों को इस ऐप से पुस्तकें लेने व अन्य जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस प्रशिक्षण सत्र का मुख्य उद्देश्य संकाय सदस्यों और छात्रों को खाता बनाने, ब्राउजर एक्सटेंशन स्थापित करने, ऑनलाइन लाइब्रेरी संसाधनों और सेवाओं तक पहुँचने के तरीके से परिचित कराना था।

कार की टक्कर से ऑटोरिक्शा चालक की मौत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में पुलिस के एक कांस्टेबल द्वारा चलाई जा रही कार की टक्कर से ऑटोरिक्शा के चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना बृहस्पतिवार रात त्रिलोकपुरी रोड के पास दोनों वाहनों के आमने-सामने की टक्कर से हुयी।

पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, संहेह है कि ऑटोरिक्शा के सड़क की गलत दिशा से आ जाने के कारण यह दुर्घटना हुई, हालांकि इसकी पुष्टि की जा रही है। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और दुर्घटना में वाहनों को क्षतिग्रस्त पाया। अधिकारी ने बताया कि ऑटोरिक्शा चालक हर्ष (24) को अस्पताल ले जाया गया, जबकि कार चालक कांस्टेबल वरुण यादव घटनास्थल पर मौजूद था। उन्होंने बताया कि यादव मयूर विहार पुलिस थाने में तैनात हैं और अपने थाने के अधिकार क्षेत्र में घटित एक मामले की सुनवाई के लिए जा रहे थे। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कांस्टेबल को पुलिस हिरासत में लेकर मेडिकल जांच के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि वह शराब के नशे में नहीं पाया गया। पुलिस ने बताया कि यादव के खिलाफ संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि ऑटोरिक्शा चालक का शव शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद उसके परिजन को सौंप दिया गया।

सतर्क रहें और मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें

किसी निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक बार मतदाता सूची में नाम न रखें मतदाता : सीईओ

दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने अपनी चुनावी तैयारी प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसे लेकर मतदाताओं को एक सलाह भी जारी की है कि कभी भी मतदाता एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्र में या किसी निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक बार मतदाता सूची में नाम न रखें। यह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 17 और 18 के तहत एक दंडनीय अपराध है। फॉर्म-7 में एकाधिक प्रविष्टियों को हटाने के लिए आवेदन करें।दिल्ली के सीईओ पी. कृष्णमूर्ति ने हाल ही में बताया कि मतदाता सूची का विशेष सारांश पुनरीक्षण (अर्हता तिथि 1 जनवरी 2025), मंगलवार को मतदाता सूची के ड्राफ्ट प्रकाशन के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में शुरू हो गया है। सीईओ पी. कृष्णमूर्ति ने बताया कि विशेष सारांश संशोधन-2025 चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में किया जाएगा। सीईओ ने बताया कि मतदाता पहचान पत्र होने मात्र से ही मतदाता को चुनाव के दौरान अपना वोट डालने का अधिकार नहीं मिल जाता। मतदाता का नाम मतदाता सूची में होना चाहिए। सतर्क रहें और मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें।

नए आवेदक कृपया फॉर्म- 6 में आवेदन करें

सीईओ ने कई बिंदुओं पर जोर देते हुए बताया कि 1 जववरी 2025 तक 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाले सभी नए आवेदक कृपया फॉर्म- 6 में आवेदन करें। सभी भावी मतदाता जो 18 वर्ष की आयु (योग्यता तिथियां 1 अप्रैल 2025, 1 जुलाई 2025 और 1 अक्टूबर 2025 को पूरी कर रहे हैं, कृपया फॉर्म -6 में आवेदन करें। मतदाता सूची में सुधार, प्रतिस्थापन, दिव्यांगजन की शिफ्टिंग, मार्किंग के लिए फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन करें।

नाम आदि जांचने के लिए वोटर हेल्पलाइन 1950 पर कॉल करें

आवेदन ईसीआई के मतदाता पोर्टल **https://voters.eci.gov.in** या मतदाता हेल्पलाइन ऐप या सक्षम ऐप (दिव्यांग) पर ऑनलाइन किया जा सकता है। इन वेबसाइटों से निर्धारित फॉर्म डाउनलोड करें या मतदाता केंद्र से प्राप्त करें और अपने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता केंद्र या अपने मतदान केंद्र स्थान पर जमा करें, जिसकी सूची **www.ceodelhi.gov.in** पर उपलब्ध है। बताया गया कि मतदाता सूची में नाम खोजने और अन्य चुनावी सेवाओं के लिए "वोटर हेल्पलाइन" 1950 पर कॉल करें और दिव्यांगजनों के लिए "सक्षम ऐप (ईसीआई का पूरी तरह से सुलभ मोबाइल ऐप) है।

राजधानी में वायु गुणवत्ता की खराब श्रेणी के बीच सड़क पर चलते वाहन...

प्रतिबंध के बाद भी खूब फोड़े गए पटाखे...

लाल किला मैदान पर फैला कूड़ा...

खबर संक्षेप

पटाखे जलाने की सनातनी परम्परा को बदनाम कर रही दिल्ली सरकार : सचदेवा

नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इशारे पर साल दर साल दिल्ली सरकार द्वारा प्रदूषण के नाम पर दिवाली पर पटाखे चलाने की सनातनी परम्परा को बदनाम करने की साजिश एक बार फिर से विफल हुई। दिल्ली भाजपा क प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शुक्रवार को जारी बयान में यह बातें कही। उन्होंने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि रात भर पटाखे जलने के बाद भी दिल्ली का शुक्रवार का एक्यूआई (वायु गुणवत्ता सूचकांक) गुरूवार से कम और साफ है। उन्होंने कहा कि विगत दो वर्षों 2022 एवं 2023 में भी दिवाली की रात के पटाखे चलने के बाद की सुबह का एक्यूआई ठीक दिवाली के दिन के एक्यूआई से कम रिकार्ड हुआ था जिसके बाद भी अरविंद केजरीवाल के इशारे पर वर्तमान आतिशी सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने गत एक महीने से जम कर पटाखा विरोधी अभियान चलाया, पटाखों पर प्रतिबंध लगाया जिसे हर वर्ष की भांति दिल्ली वालों ने नकार दिया।

आप सरकार का विंटर एक्शन प्लान पूरी तरह हुआ फेल : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने प्रदूषण को लेकर आतिशी सरकार पर फिर निशाना साधा है। शुक्रवार को बयान जारी कर उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार का विंटर एक्शन प्लान पूरी तरह फेल साबित हो चुका है। क्योंकि आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल व सीएम आतिशी के तमाम दावों व कवायद के बाद भी जहरीली हवा लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर रही है। जबकि केजरीवाल, आतिशी और इनकी टीम ने दिल्ली वालों को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। यादव ने कहा कि केजरीवाल सहित मुख्यमंत्री आतिशी, पर्यावरण मंत्री गोपाल राय द्वारा लगातार प्रदूषण रोकथाम की घोषणाएं पूरी तरह खोखली साबित हुई है। सरकार द्वारा पटाखों पर बेन का आदेश पूरी तरह से विफल साबित हुआ। आम आदमी पार्टी की प्रदूषण नियंत्रण पर विफलताओं के कारण राजधानी गैस चैंबर बन गई है। आज राजधानी का औसत एक्यूआई 361 गंभीर स्तर पर रहा।

दिवाली पर जमकर जले पटाखे

प्रदूषण : तेज हवाओं ने दी राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के बैन के बावजूद दिल्ली वालों ने दिवाली पर गुरुवार की रात जमकर आतिशबाजी हुई। बावजूद इसके शुक्रवार को दिल्ली के एक्यूआई में महज दिवाली के प्रदूषण के बाद भी 24 घंटे के एक्यूआई में सिर्फ 11 की ही बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर (एक्यूआई) औसत 400 से नीचे दर्ज हुआ जिसकी उम्मीद नहीं की जा रही थी।

माना जा रहा था कि खूब हुई आतिशबाजी के बाद शुक्रवार को दिल्ली का एक्यूआई 500 यानी अति गंभीर श्रेणी के आंकड़े को पार कर जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और खुद दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि हम मान रहे थे कि दिवाली के अगले दिन शुक्रवार को दिल्ली का एक्यूआई बढ़ेगा, लेकिन हम देख रहे है कि एक्यूआई नियंत्रण में हैं। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (डीपीसीसी) के आंकड़ों के अनुसार 1 नवंबर शुक्रवार को को सुबह 11 बजे दिल्ली के आनंद विहार में वायु गुणवत्ता 385 के एक्यूआई के साथ बहुत खराब श्रेणी में थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार शाम 4 बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई सुबह की तुलना में घटकर 339 रह गया। जबकि गुरुवार दिवाली के दिन शाम 4 बजे यह आंकड़ा 328 एक्यूआई था, मतलब दोनों ही बहुत खराब श्रेणी है।

इस प्रकार अगर देखा जाए तो जमकर पटाखे चलने के बाद दिवाली के प्रदूषण में 24 घंटे के एक्यूआई में सिर्फ 11 का ही अंतर रहा है। सरकारी आंकड़ों में देखे तो वर्ष 2023 गत वर्ष दिवाली के अगले दिन दिल्ली का एक्यूआई जहां 301 था, जबकि दिवाली वाले दिन 218 था। जबकि वर्ष 2022 में दिवाली के दिन जहां औसत एक्यूआई 302 था, वहीं अगले दिन कमी के साथ औसत एक्यूआई 302 था। जमकर पटाखे जलने के बावजूद 24 घंटे के बाद भी दिल्ली के वायु प्रदूषण में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी नहीं होने को लेकर पर्यावरण जानकारों का कहना है कि मौसम में आए बदलाव के चलते दिल्ली को बड़ी राहत मिली है।

पानी का छिड़काव करने के लिए लगाए गए 200 मोबाइल एंटी स्मॉग गन

प्रदूषण को कम करने के लिए शुरू किया सड़कों पर पानी छिड़काव अभियान: राय

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने शुक्रवार से दिल्ली की सड़कों पर पानी के छिड़काव के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को अभियान की शुरुआत करते हुए सड़कों पर पानी के छिड़काव के लिए एंटी स्मोग गन से लैस गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली वालों को बधाई देना चाहता हूं कि उनके प्रयासों के कारण दिपावली के दूसरे दिन शुक्रवार को एक्यूआई 360 के आस-पास बना हुआ है और प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेणी में जाने से रूक गया।

लेकिन अभी भी लापरवाही बरतने की जरूरत नहीं है। इसीलिए शुक्रवार से दिल्ली सरकार प्रदूषण के स्तर को गंभीर श्रेणी में जाने से रोकने के लिए पानी छिड़काव का विशेष अभियान शुरू की है। दिल्ली में पानी का छिड़काव करने के लिए 200 मोबाइल एंटी स्मॉग गन लगाए गए हैं। सभी 70 विधानसभा में दो-दो मोबाइल एंटी स्मोग गन से छिड़काव कराया जाएगा। मंत्री राय ने कहा कि दिल्ली सरकार ने लोगों के सहयोग से प्रदूषण को कम करने में सफलता पायी है। सरकार प्रदूषण को कम करने के लिए कई अभियान चला रही है जैसे एंटी डस्ट अभियान, बायो डीकम्पोज़र का छिड़काव, वृक्षारोपण अभियान, पटाखों को लेकर जागरूकता अभियान आदि। दिल्ली के सभी 70 विधानसभा में दो-दो मोबाइल एंटी स्मोग गन से छिड़काव कराया जाएगा। साथ ही साथ हॉटस्पॉट पर एक्स्ट्रा मोबाइल एंटी स्मोग गन लगाया गया है। मोबाइल एंटी स्मोग गन द्वारा 3 शिफ्ट में लगातार पानी का छिड़काव किया जाएगा। गोपाल राय ने दिल्ली के लोगों से कहा कि

- सभी 70 विधानसभा में दो-दो मोबाइल एंटी स्मोग गन से छिड़काव कराया जाएगा

प्रदूषण को नियंत्रित करने में आपके सहयोग की जरूरत है। दिल्ली के लोगों से अपील करना चाहता हूं कि अगर आपको दिल्ली में कहीं भी धूल उड़ती दिखे, या किसी कंस्ट्रक्शन साईट पर धूल उड़ती दिखे तो उसका फोटो खींचकर ग्रीन दिल्ली ऐप पर डाल दें। अगर आप के आस-पास कहीं आग लग रही है या कहीं धुंआ निकल रहा है तो उसका भी फोटो खींचकर ग्रीन दिल्ली ऐप पर हमें भेंज दें, सम्बंधित विभाग उसपर तुरंत कार्रवाई करेगा। रेडल होने पर अपनी गाड़ी को आफ कर दें। आप सभी के सहयोग से दिल्ली सरकार 24 घंटे दिल्ली के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए काम कर रही है।

मुझे पूरा भरोसा है कि जिस प्रकार हम सबने मिलकर दिल्ली में दीपावली के बाद प्रदूषण के स्तर को कम करने में सफल रहे हैं आगे भी सफल होंगे। गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली सरकार प्रदूषण के स्तर को गंभीर श्रेणी में जाने से रोकने के लिए दिल्ली के सभी 70 विधानसभाओं में दो-दो मोबाइल एंटी स्मोग गन द्वारा तीन शिफ्ट में लगातार पानी का छिड़काव किया जाएगा। हमने 200 से ज्यादा मोबाइल एंटी स्मॉग गन की तैनाती की है। यह अभियान 70 विधानसभा के अलावा, जो हॉटस्पॉट हैं वहां पर विशेष रूप में से छिड़काव का काम किया जाएगा। हॉटस्पॉट पर विशेष ध्यान रखने के लिए कोआर्डिनेशन टीम बनाई गयी है। साथ ही एमसीडी के डीसी को सभी सम्बंधित अधिकारी के साथ हॉटस्पॉट का लगातार दौरा करने का निर्देश दिया गया है।

अब 1984 सिख दंगा पीड़ितों को सरकारी भर्तियों में मिलेगी छूट, एलजी ने दी मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए शुक्रवार को, 1984 सिख दंगा पीड़ितों को सरकारी भर्तियों में शैक्षणिक योग्यता में खास छूट दिए जाने को मंजूरी प्रदान कर दी है। राजनिवास सचिवालय द्वारा दी गई जानकारी अनुसार एलजी सक्सेना ने शुक्रवार को इस महत्वपूर्ण विषय पर निर्णय लिया और 1984 के दंगा पीड़ितों को सरकारी नौकरियों में भर्ती के लिए योग्यता में छूट को मंजरी दे दी। जिसके बाद एमटीएस पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 10वीं कक्षा से घटाकर 8वीं कक्षा कर दी गई है, जिससे इस वर्ग के अधिक संख्या में उम्मीदवार पात्र हो सकेंगे। एलजी का यह निर्णय 1984 के दंगा पीड़ितों के लिए सहायता और न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

राज निवास के अनुसार इस बारे में उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि 1984 के सिख दंगे भारतीय लोकतांत्रिक परंपराओं पर एक धब्बा थे। एक विशेष अल्पसंख्यक समुदाय पर भयानक अत्याचार किए गए, जिसमें मानवाधिकारों के सभी मानकों का उल्लंघन किया गया। एलजी ने कहा कि इस दिशा में निर्णय दशकों की प्रक्रियागत देरी और असंवेदनशील लालफीताशाही के बाद आया है।

एलजी सक्सेना ने समर्थन की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार किया और संबंधित विभागों को मानवीय आधार पर मृतक या बुजुर्ग आवेदकों के बच्चों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान करने की व्यवहार्यता का पता लगाने का निर्देश दिया।

दिल्ली की टूटी सड़कों को 31 अक्टूबर तक बनवाने का केजरीवाल का दावा निकला खोखला : विजेंद्र

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को शास्त्री पार्क के आसपास के क्षेत्र और दिल्ली की अन्य की सड़कों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल से बाहर आने के बाद दिल्ली की जनता से वादा किया था कि वह 31 अक्टूबर तक दिल्ली की सभी सड़कों को बनवा देंगे, लेकिन केजरीवाल का यह वादा भी दूसरे वादों की तरह खोखला निकला और उन्होंने सारी सड़कें तो दूर, एक भी सड़क नहीं बनवाई। दिल्ली की सड़कों को अक्टूबर तक गड्ढा मुक्त करने का वादा करके अरविंद केजरीवाल ने जनता को एक और झूठा सपना दिखाया। सड़कों के निरीक्षण में गांधीनगर भाजपा विधायक अनिल वाजपेयी भी नेता विपक्ष के साथ निरीक्षण में शामिल थे। नेता प्रतिपक्ष में कहा कि आम आदमी पार्टी हर मुद्दे का राजनीतिकरण करके अपनी सभी विफलताओं का दोष दूसरों पर मढ़ना चाहती है। कभी पटाखों पर राजनीति और कभी किसी अन्य मुद्दों पर राजनीति कर लोगों को गुमराह करती रहती है। लेकिन प्रदूषण के जो असली मुद्दे हैं उन पर सरकार कुछ नहीं बोलती।

सीएम आतिशी ने की छठ पूजा पर सार्वजनिक अवकाश की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- एलजी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की थी छठ पूजा के दिन सार्वजनिक अवकाश करने की सिफारिश

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की सिफारिश पर दिल्ली सरकार ने आगामी छठ पूजा पर 7 नवंबर 2024 को राजधानी में सार्वजनिक अवकाश की घोषणा कर दी है। राजनिवास सचिवालय के अनुसार एलजी सक्सेना ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर छठ पूजा के दिन सार्वजनिक अवकाश करने की सिफारिश की थी। पत्र में एलजी ने लिखा था कि छठ पूजा एक महत्वपूर्ण हिंदू त्योहार है जो लगातार चार दिनों तक मनाया जाता है।

इस दिन अस्ताचल सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित किया जाता है। ऐसे में छठ पूजा के अवसर पर 7 नवंबर 2024 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए और इससे संबंधित फाइल का राजनिवास भेजी जाए। उन्होंने सीएम को लिखा कि इस वर्ष 7 नवंबर 2024 को पड़ने वाला यह दिन पहले से ही रिसट्रिक्टेड अवकाश के रूप में घोषित है। इसलिए मेरा आग्रह है कि सरकार 7 नवंबर 2024 गुरुवार को पूर्णकालिक अवकाश के रूप में घोषित करे और इससे संबंधित फाइल शीघ्रातिशीघ्र प्रेषित की जाए। जानकारी अनुसार एलजी के इस पत्र के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव दिल्ली को छठ पर्व के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश करने के लिए कहा। जबकि खुद सीएम आतिशी ने सोशल मंच एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि दिल्ली में छठ पूजा के मौके पर 7 नवंबर 2024 गुरुवार को पूर्णकालिक अवकाश रहेगा।

गेहूं की बुवाई के लिए तैयार खेतों में उन्नत बीज व खाद की व्यवस्था करें किसान : पूसा

नई दिल्ली। मौसम को ध्यान में रखते हुए, गेहूं की बुवाई हेतू तैयारखेतों में पलेवा तथा उन्नत बीज व खाद की व्यवस्था करें। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) में कृषि भौतिकी संभाग में नोड़ल अधिकारी डॉ. अनन्ता वशिष्ठ ने यह सलाह दिल्ली और इसके आस-पास के गांवों के किसानों को जारी की है। उन्होंने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, लोदी रोड़, नई दिल्ली से प्राप्त मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान साप्ताहिक मौसम पर आधारित कृषि सम्बंधी सलाह 6 नवम्बर, 2024 तक के लिए है। उन्होंने बताया कि कृषि भौतिकी संभाग के कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार किसानों को निम्न कृषि कार्य करने की सलाह दी जाती है। गेंहू को लेकर संभाग में नोड़ल अधिकारी डॉ. अनन्ता वशिष्ठ ने सलाह दी है कि पलेवे के बाद यदि खेत में ओट आ गई हो तो उसमें गेहूं की बुवाई कर सकते हैं। इसके लिए उन्नत प्रजातियां- सिंचित परिस्थिति-(एच.डी. 3385), (एच.डी. 3386), (एच.डी. 3298), (एच.डी. 2967), (एच.डी. 3086), (एच.डी.सी.एस.डब्लू. 18), (ड़ी.बी.डब्लू. 370), (ड़ी.बी.डब्लू. 371), (ड़ी.बी.डब्लू. 372), (ड़ी.बी.डब्लू. 327)। बीज की मात्रा 100 कि.ग्रा. प्रति हैक्टर है। जिन खेतों में दीमक का प्रकोप हो तो क्लोरपाईरिफांस 20 ईसी प्रति 5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पलेवा के साथ दें।

फ्लैटों की कीमत 11.5 लाख से होगी शुरू

14 नवंबर से शुरू होगी डीडीए की नई आवासीय चरण-2 योजना 2024, 2500 फ्लैट शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने लोगों के अपनी छत का सपना पूरा करने के लिए नई आवासीय चरण-2 योजना 2024 की घोषणा कर दी है। जिसके तहत आगामी 14 नवंबर 2024 से आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इस योजना में डीडीए कुल 2500 फ्लैटों को शामिल कर रही है उन्हें बेचा जाएगा। डीडीए के एक अधिकारी के अनुसार लोगों की बढ़ती मांग के बाद एवं अपनी अत्यंत लोकप्रिय एवं सफल डीडीए सस्ता घर आवासीय योजना 2024 के दूसरे चरण में 2500 से अधिक अतिरिक्त फ्लैटों को लेकर नई

योजना शुरू की है। इस नई योजना में सस्ता घर खरीदने के लिए कई विकल्प उपलब्ध कराने के लिए डीडीए बिल्कुल तैयार है। अधिकारी के अनुसार नई योजना में शामिल फ्लैटों की कीमत 11.5 लाख से शुरू होगी। योजना में रोहिणी के सेक्टर 34 एवं 35 में लगभग 250 से अधिक एलआईजी फ्लैट शामिल किए है। इनकी आकर्षक कीमत 12 लाख से 14.5 लाख के बीच रखी गई है। जबकि द्वारका अंतर्गत मंगलापुरी में 180 ईडब्ल्यूएस फ्लैट शामिल किए है लेकिन हां इनकी कीमत 32-35 लाख तक रखी गई है। जबकि नरेला, सेक्टर ए1-ए4 (पॉकेट 1 ए. 1 बी एवं 1 सी) में करीब 1,800 से अधिक ईडब्ल्यूएस फ्लैट शामिल किए है। नरेला के इन ईडब्ल्यूएस फ्लैटों की कीमत 18-20 लाख की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध होंगे। वहीं इसके अलावा नरेला, सिरसपुर, लोकनायक पुरम और रामगढ़ कॉलोनी जीटीके डिपो के नजदीक कई फ्लैट योजना का हिस्सा होंगे। अधिकारी ने बताया कि डीडीए की इस योजना में शामिल सभी 2500 फ्लैट पूरी तरह से बनकर तैयार है, यानी इनको रेडी टू मूव फ्री होल्ड प्रॉपर्टी के तहत रखा गया है।

महापौर ने सभी संवेदनशील जगहों की तत्काल सफाई के दिए आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में आम आदमी पार्टी की सरकार त्योहारों के बाद दिल्ली को साफ करने के लिए एक्शन मोड में है और इसे लेकर शुक्रवार को निगम की महापौर डॉ. शेली ओबेरॉय ने दिल्ली भर में सफाई अभियान का जायजा लिया और महापौर ने चिंता व्यक्त करते हुए सभी संवेदनशील जगहों की तत्काल सफाई के आदेश दिए है। निगम महापौर कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार महापौर डॉ. शेली ओबरॉय ने दिवाली के बाद शहर की सफाई की समीक्षा के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के सभी 12 जोन के अतिरिक्त आयुक्त, उपायुक्तों और सफाई अधीक्षकों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। महापौर ने शहर के सभी संवेदनशील जगहों की तत्काल सफाई के आदेश दिए। डॉ. शेली ओबरॉय ने भी विशेष रूप से त्योहारी सीजन के दौरान जमीनी स्तर पर सफाई कर्मियों की अपर्याप्त संख्या पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों से प्रतिदिन कचरा उठाने को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महापौर ने अधिकारियों को नियमित आधार पर सभी कचरा संवेदनशील बिंदुओं को साफ करने का निर्देश दिया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी सड़कों, विशेष रूप से रिंग रोड क्षेत्रों के सेंट्रल वर्ज को साफ करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने शकूरबस्ती, त्रि नगर, राजा पार्क और पूर्वी दिल्ली क्षेत्रों सहित विशिष्ट क्षेत्रों में सफाई की स्थिति पर भी निराशा व्यक्त की।

नहीं दिखा उच्चतम न्यायालय के प्रतिबंध का असर

दीवाली पर रातभर चले पटाखे, गाजियाबाद और नोएडा में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

पूरे देश के साथ-साथ एनसीआर के दो प्रमुख शहर गाजियाबाद व नोएडा में दीवाली का जश्न परम्परगत और हर्सोल्लास से साथ मनाया गया। भले ही उच्चतम न्यायालय ने पटाखों व आतिश बाजी चलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन लोगों ने दीवाली पर जमकर पटाखे व आतिशबाजी छोड़ी। जिसका नतीजा यह हुआ है कि इन दोनों ही जिलों में प्रदूषण सभी को प्रभावित करने यानि खतरनाक स्थिति तक पहुँच गया। गाजियाबाद व नोएडा का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 300को पार कर गया। नतीजन दोनों ही शहर एक तरह से गैस चैम्बर बन कर रह गए है।

दीवाली की पूरी रात पटाखों का शोर और प्रदूषण पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए घातक बन गया है। शुक्रवार को दिन निकलते निकलते यह प्रदूषण परेशानी का सबब बन गया है। खासतौर पर पहले से सांस व दमे के मरीजों की हालत खराब हो चली है। प्रदूषण के कारण उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है। उसके साथ ही प्रदूषण के कारण आंखों में जलन भी महसूस हो रही है। सुबह के वक्त आसमान में प्रदूषण साफ तौर पर दिखाई दिया।

पुलिस की भूमिका पर उठ रहे सवाल

जिस तरह तरह से उच्चतम न्यायालय ने समय रहते आतिशबाजी व पटाखों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था, उसके बाद पुलिस-प्रशासन की जिम्मेदारी बनती थी कि इनकी बिक्री न हो। लेकिन धरातल पर इस कुछ दिखाई नहीं दिया। पुलिस ने अवैध आतिशबाजी व पटाखों की खेप जब्त करने और अनेक लोगों को गिरफ्तार करने का दावा लगभग रोजाना ही किया,इसके बावजूद दोनों ही शहरों में दीवाली की रात में जमकर आतिशबाजी और पटाखे छोड़े गये। लोगों का सवाल है कि जब पुलिस इसको लेकर इतनी गम्भीर थी, तो फिर लोगों के पास आतिशबाजी व पटाखे इतनी अधिक मात्रा में कहां से आये। दरअसल इस बार देखने में आया कि आतिशबाजी व पटाखे चोरी छिपे खूब बिके और पुलिस उनपर अंकुश नहीं लगा सकी।

50 से अधिक जगहों पर लगी आग, फायर ब्रिगेड ने मशक्कत के बाद बुझाया

गाजियाबाद। गाजियाबाद और नोएडा में जहां दीपावली के पर्व पर लोगों ने जमकर पटाखे फोड़े,वही इन पटाखों के कारण 50 से ज्यादा स्थान पर आग लगने की घटना हुई। फायर ब्रिगेड रात भर आग बुझाने के लिए इधर से उधर भागती रही। फायर ब्रिगेड ने आग में फंसे कई लोगों को सकुशल निकला और वही आगपर काबू भी पाया। इस दौरान कई लोगों दिवाली काली हो गई और आग लगने के कारण लाखों -करोड़ों रुपए का नुकसान भी हुआ। गाजियाबाद के मुख्य अग्निशमन अधिकारी सुनील पाल ने शुक्रवार को बताया कि गाजियाबाद में रात भर में 50 से ज्यादा जगह आग लगने की सूचनाओं प्राप्त हुई। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने भाग दौड़कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया । सुनील पाल ने बताया कि शहर के बीचो-बीच तुराबनगर मार्केट में एक गारमेंट शोरूम में आग लग गई। जिसमें लाखों रुपए का नुकसान हो गया। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां कर्मवीर नामक शख्स के शोरूम पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आज पर काबू पाया। इस दौरान मार्केट में अफरा-तफरी का माहौल रहा और काफी संख्या में दुकानदार भी एकत्र हो गए। इसके अलावा चौपला मंदिर बाजार स्थित दुर्गा ज्वेलर्स की दुकान में दिया गिरने से आग लग गई। फायर ब्रिगेड के गाड़ियों में जाकर मौके पर आज पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। इंदिरापुरम के ज्ञान खंड में एक फुटवियर की दुकान व शोरूम पर भीषण आग लग गई। जिसे फायर ब्रिगेड के छह गाड़ियों ने पहुंच कर आग पर काबू पाया । यहां पर पांच लोग आग में फंस गए थे जिन्हें सकुशल निकाला गया। शास्त्री नगर में कृष्ण विस्टा अपार्टमेंट में पटाखे चलाने के दौरान एक कार में आग लग गई। सूचना मिलने पर जाकर मौके पर आग पर काबू पाया गया। राजेंद्र नगर औद्योगिक क्षेत्र में भी एक प्लॉट में आग लग गई और आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया जा सकता है। सुनील पाल ने बताया कि क्रोसिंग रिपब्लिक प स्थित जीएस-7 बिल्डिंग में आग लग गई जिसे समय रहते बुझाया गया। यदि आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता तो स्थिति बहुत खराब हो सकती थी। उन्होंने बताया कि अकेले वैशाली से ही दीवाल की रात में 21,कोतवाली से 17 मोदीनगर से एक लोनी से साथ स्थान से आग लगने की सूचनाओं प्राप्त हुई। उधर ग्रेटर नोएडा की सुपरटेक विलेज सोसायटी में एक फ्लैट में आग लग गई जिस पर काबू पाने में फायर ब्रिगेड को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में भी कई दर्जन स्थानों पर फायर ब्रिगेड को आगजनी की सूचनाओं मिली जिन्हें समय रहते काबू पा लिया गया ।

57 जगह लगी आग, आठ झुलसे, तीन सफदरजंग रेफर

गुरुग्राम। दीपावली के अवसर पर वीरवार की रात को साइबर सिटी गुरुग्राम में आतिशबाजी व अन्य कारणों से जिला में 57 स्थानों पर आग लगी। इस आगजनी की घटनाओं में आठ लोग झुलस गए, जिनमें से तीन लोगों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जबकि पांच का ईलाज नागरिक अस्पताल में चल रहा है। वहीं आग पर काबू पाने के लिए गुरुग्राम के दमकल केंद्रों की गाडियां व दमकल कर्मी रातभर इधर से उधर दौड़ते रहे। आगजनी की घटनाएं वीरवार शाम 4 बजे से लेकर रात 2.05 बजे तक लगी। अधिकतर आगजनी कूड़े, ईंधन व कड़वी में हुई। जिला में दीपावली की रात को शाम चार बजे से ही आग लगने की सूचनाएं दमकल केंद्रों में मिलनी शुरू हो गई, जो देर रात 2 बजे तक यह सिलसिला जारी रहा। जिला में 32 स्थानों पर कूड़े-कबाड़ में आग लगी। जबकि शहर की मदनपुरी कालोनी में बिजली के ट्रांसफार्मर में आग लगी। इसके अलावा आईएमटी मानेसर में एक खड़े ट्रक में जबकि सुशांत लोक फेस-1 में एक कार में आग लगी। इसी तरह सेक्टर-51 में समसपुर गांव के नजदीक एक टैंपो में आग लगी। इसके अलावा सेक्टर-28 में एक बाइक व एक गाड़ी में भी आग लग गई। दिल्ली रोड स्थित रेडिशन होटल की चिमनी में भी देर रात 11.15 बजे आग लग गई, जिसे दमकल कर्मियों ने एक गाड़ी से काबू पा लिया। वहीं कांकरौला गांव में एक गोदाम के अलावा सेक्टर-43 में एक मदर डेयरी बूथ में भी आग लगने काफी नुकसान हो गया। इसके अलावा कई लोग पटाखों से भी झुलस गए और कुल आठ लोग नागरिक अस्पताल जली हुई हालत में पहुंचे। जहां से 30 फीसदी से अधिक जलने वाले तीन मरीजों को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल के लिए रेफर कर दिए। जबकि पांच का ईलाज नागरिक अस्पताल में चल रहा है।

पार्किंग में खड़ी दो बसों में लगी भयंकर आग

फरीदाबाद। एनएचपीसी पावर हाउस के पास पार्किंग में खड़ी दो बसों में देर रात करीब 11 बजे अचानक आग लग गई। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन जब तक दोनों बसें जलकर खाक हो चुकी थी। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। जानकारी के मुताबिक एनएचपीसी पावर हाउस के पास पार्किंग में प्राइवेट ट्रैवल की चार बसें खड़ी थी। जिसमें दो बसों में किसी कारणवश अचानक भयंकर आग लग गई। आग की लपटों को देखकर आसपास के लोगों ने आग को बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग धीरे-धीरे बढ़ती चली गई। लोगों ने इसकी सूचना फायर ब्रिगेड को दी। फायर ब्रिगेड जब तक पहुंची, बस करीब 70 प्रतिशत आग की लपटों में घिर चुकी थी। करीब 25 मिनट बाद फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची फिर जलती हुई बसों के आग पर काबू पाया। सराय थाना प्रभारी रामनिवास ने जानकारी में बताया कि देर रात करीब 12 बजे थाने में सूचना प्राप्त हुई कि एनएचपीसी पावर हाउस के पास पार्किंग में खड़ी दो बसों में आग लगी है। उससे पहले स्थानीय लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना देकर आग बुझाने में जुट गए थे।थाने से मौके पर पीसीआर को भेजा गया था। सभी लोगों ने मिलकर आग बुझाया। दोनों बसों में आग कैसे लगी अभी यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। हालांकि ऐसा आशंका जताया गया है कि दीपावली की आतिशबाजी से कोई चिंगारी बस के ऊपर गिरी है, जिसकी वजह से आग लगी है। आग लगने के इस एंगल को भी देखा जा रहा है।

मुशर्रफ हत्याकांड का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

लोनी बॉर्डर थाना इलाके में 20 अक्टूबर को मुशर्रफ नामक युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने अजय उर्फ बबलू नामक युवक को गिरफ्तार किया है।

एसीपी ने बताया कि गजेन्द्र उर्फ गज्जू व उसके साथियों ने मुशर्रफ पुत्र एहसान को गोली मारकर घायल कर दिया गया था। उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी थी । मामले प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना लोनी बॉर्डर पर तत्काल सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन किया गया ।रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी गजेन्द्र उर्फ गज्जू निवासी नाई पूरा को गिरफ्तार कर लिया था।

उन्होंने बताया कि थाना लोनी बॉर्डर टीम ने मुखबिर की सुचना पर अन्य वांछित अभियुक्त लालचन्द निवासी निवासी आर्यनगर नाईपुरा थाना लोनी बॉर्डर को चौकी इन्द्रापुरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया ।

- **ब्याज का रुपया न देने पर की गयी थी हत्या**

अभियुक्त ने पूछने पर बताया कि मैं और मेरा भाई मिलकर ब्याज पर रुपये देने का काम करते हैं । हमने अपने मोहल्ले में रहने वाले एक व्यक्ति मुशर्रफ को करीब एक साल पहले 40हजार रुपये 05 प्रतिशत की ब्याज पर दिये थे। जिसका महीने का ब्याज हम उससे वसूलते थे । पिछले महीने का ब्याज हम कई दिनों से मांग रहे थे तो वह दे नहीं रहा था इसी बात को लेकर मेरे भाई गजेन्द्र उर्फ गज्जू की उससे कहासुनी हो गई और उसके बाद वह गुस्से में घर गया और वहा से तमंचा लेकर आया तथा हमने मुर्शरफ को गोली मार दी ।

बैंक कर्मी बनकर युवक को लगाई 91 हजार रुपए की चपत

गुरुग्राम। साइबर क्राइम साउथ एरिया में जालसाज ने बैंक कर्मी बनकर एक युवक को 91 हजार 233 रुपए की चपत लगा दी। आरोपी ने पीड़ित को क्रेडिट कार्ड में इंश्योरेंस बंद करने के लिए एप्लीकेशन डाउनलोड करने के लिए कहा था। शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। बीती 5 अक्तूबर को उसके पास एक कॉल आई और कॉल करने वाले ने खुद को इंडसइंड बैंक से बताया। ओम प्रकाश को बताया गया कि उसके क्रेरडिट कार्ड पर इंश्योरेंस चल रहा है। इसको बंद कराने के लिए उन्होंने ओम प्रकाश को एक एप्लीकेशन डाउनलोड करने के लिए कहा। इसके बाद उसे एक लिंक भेजा गया। जिसको क्लिक करने पर एप्लीकेशन डाउनलोड करने के बाद ओम प्रकाश ने अपने कार्ड की डिटेल भरी तो पांच बार में उसके क्रेरडिट कार्ड से कुल 91 हजार 233 रुपए कट गए। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है।

पटाखा जलाने को लेकर दो पक्षों में विवाद, बुजुर्ग की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

ओल्ड फरीदाबाद के गढ़ी मोहल्ला में पटाखे जलाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देर रात हुए विवाद में एक पक्ष के लोगों पर दूसरे पक्ष के पूरे परिवार से मारपीट का आरोप लगा है। आरोप है कि मारपीट के दौरान ही दिल की बीमारी से पीड़ित 65 साल के बब्बन राय की मौत हो गई। मामले में शुक्रवार को ओल्ड थाना पुलिस ने मारपीट की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। मृतक व्यक्ति की मौत को लेकर डॉक्टरों से राय ली जा रही है। डॉक्टरों की राय से ही स्पष्ट होगा कि उनकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई या फिर मारपीट कर हत्या की गई है।किसी ने भी उसके ससुर को जल्द हॉस्पिटल पहुंचाने में मदद नहीं की। लगभग 1 घंटे बाद एंबुलेंस आई तो उन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया लेकिन तब तक मौत हो चुकी थी। वहीं मामले में ओल्ड फरीदाबाद थाना पुलिस ने मारपीट की धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। आगे की कार्यवाही जारी है।

ऑनलाईन पार्ट टाईम वर्क देकर युवक से 4.77 लाख ठगे

गुरुग्राम। साइबर क्राइम वेस्ट थाना एरिया में ऑनलाईन पार्ट टाईम वर्क देकर युवक से 4 लाख 77 हजार 100 रुपए ठगने का मामला सामने आया है। युवक की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी।

पुलिस को दी शिकायत में सूरतनगर फेज-1 के सागर एंक्लेव में रहने वाले अजय सिंह ने कहा कि उससे एक युवक ने फोन पर ऑनलाईन पार्ट टाईम वर्क के लिए संपर्क किया। अजय की सहमति पर उसे बीती छह मार्च को एक और व्यक्ति के साथ टेलीग्राम ग्रुप के साथ जोड़ दिया गया। जहां उस व्यक्ति ने अजय को ऑनलाइन टॉस्क दिया। जिसको पूरा करने पर अजय को उसके द्वारा लगाई राशि के अलावा भी लाभांश के साथ भुगतान भी किया गया। इसके बाद अजय को बेहतरीन प्रॉफिट का प्रलोभन दिया गया और उससे कई बार में करीब 4 लाख 77 हजार 100 रुपए ले लिए गए। जब भी अजय अपनी रकम वापसी की बात करता उससे और रुपए जमा कराने की बात कही जाती। अजय के समझ में आ गया कि उसके साथ ठगी हो गई है। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी।

श्री लक्ष्मी नारायण दिव्यधाम में जगमगाए 11000 दीये

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सूरजकुंड रोड स्थित श्री लक्ष्मी नारायण दिव्यधाम श्री सिद्धदाता आश्रम में दीपावली के अवसर पर 11000 मिट्टी के दीपक जलाए गए, वहीं पीठाधीश्वर स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने मां महालक्ष्मी का विशेष पूजन किया।

उन्होंने दिव्यधाम, पुराने दरबार, श्री गुरु महाराज की समाधि और प्राचीन धूने पर भी भोग लगाया। स्वामी जी ने बताया कि भगवान के अयोध्या लौटने के उपलक्ष्य में दिवाली का पर्व हर वर्ष धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस बार की दीवाली इस मायने में ज्यादा महत्वपूर्ण है कि श्री धाम अयोध्या जी में भगवान के जन्मस्थल पर निर्मित मंदिर में 500 वर्षों बाद दीवाली मनाई जा रही है। जिससे सनातन धर्म को और मजबूती प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि इस उपलक्ष्य में दिव्य धाम में भी 11000 मिट्टी के दीए जलाए गए हैं जिसमें गाय का देसी घी और तिल का तेल प्रयोग किया गया है। यह दिए लगाने में सैकड़ों भक्तों ने घंटों का श्रम दिया है। जिसके बाद दिव्य धाम परिसर बहुत ही अलौकिक नजर आता है। उन्होंने बताया कि दिवाली का पर्व हमारे जीवन में दिव्यता, संपूर्णता, संपन्नता, समृद्धि प्रदान करता है।

संपूर्ण दिव्यधाम एवं आश्रम परिसर को रंग बिरंगी इलेक्ट्रॉनिक लडिय़ों एवं बल्बों के साथ भी सजाया गया जिसकी सजावट देखते ही बनती थी। यह सजावट का काम यहां पिछले 10 दिनों से जारी था। रंग-बिरंगी रोशनी में दिव्यधाम बहुत ही अलौकिक नजर आ रहा था। यहां सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ जुटने लगी थी जो रात होते-होते भारी भीड़ में तब्दील हो गई। भक्तों ने यहां पहुंचकर अपनी मनोकामनाएं मांगीं। इस समस्त आयोजन का लाइव प्रसारण देश-विदेश में बैठे हजारों भक्तों ने देखा।

आश्रम के बाहर भी भक्तों के लिए दीये जलाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। ऐसा माना जाता है कि यहां पर मांगी गई मनोकामना जल्द ही पूर्ण होती है।

रंजिश के चलते मारपीट व लूटपाट करने वाले चार आरोपी पहुंचे जेल

गुरुग्राम। पुलिस ने बादशाहपुर एरिया में रंजिश के चलते दुकानदार से मारपीट व लूटपाट करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से वारदात में प्रयोग की गई गाड़ी व लूटे गए बर्तन बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपियों को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बादशाहपुर थाना पुलिस को एक दुकानदार ने शिकायत दी कि वह अपने साथियों के साथ फेरी लगाकर बर्तन बेचने का काम करता है। वह हर साल दीवाली के त्यौहार पर अपने साथियों के साथ गांव टीकली की चौपाल में बर्तनों की दुकान लगाता है। बीती 27 अक्तूबर से उसने अपने साथियों के साथ चौपाल में दुकान लगाई हुई थी। वह और उसके साथी बुधवार की रात दुकान में सो रहे थे। करीब 12.30 बजे चार युवक आए और उन्हें जगाकर बर्तन मांगने लगे। इसके चारों ने उनके साथ मारपीट की और बर्तन व रुपए लूटकर ले गए। पीड़ित घबराकर अपनी मारुति वैन से बादशाहपुर की तरफ जाने लगे तो उन चारों युवकों ने उनका रास्ता रोक लिया और गाड़ी के शीशे तोड़ दिए। वहीं मारपीट करने के बाद जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी। मामले में सेक्टर-39 क्राइम ब्रांच ने वारदात को अंजाम देने वाले सभी चार आरोपियों को सेक्टर-70, गुरुग्राम से काबू कर लिया। जिनकी पहचान टीकली के हर्ष उर्फ बोलर (24 वर्ष), योगेश कुमार उर्फ गोलू (30 वर्ष), आकाश उर्फ लीलू (23 वर्ष), राहुल उर्फ भर्ड (25 वर्ष) के रूप में हुई। आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि वे धनतेरस पर बर्तन खरीदने गए थे। हर्ष ने बर्तनों के दाम कम करने के लिए कहा, तो उन्होंने बर्तनों के दाम कम नही किए। हर्ष ने यह बात अपने साथियों को बताई। जिसके बाद वे योजना बनाकर योगेश की ब्रेजा कार में सवार होकर वहां गए और वारदात को अंजाम दिया।

बोटिंग के दौरान सेल्फी लेने के चक्कर में दमदमा झील में डूबा युवक

गुरुग्राम। दीपावली के दिन दमदमा झील में बोटिंग करने के दौरान सेल्फी लेने के चक्कर में 26 वर्षीय युवक पानी में डूब गया। युवक को उसके दोस्त ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सोहना पुलिस ने गोताखोर की मदद ली। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद युवक के शव को झील से बाहर निकाला गया। पुलिस ने दोस्तों के बयान और परिजनों की तहरीर के आधार पर 194 बीएनएस के तहत कार्रवाई की है। सोहना एरिया के गांव अभयपुर का 26 वर्षीय अविनाश दमदमा गांव के निकट बूटा नेक्स कंपनी में काम करता था। वह दीपावली के दिन वीरवार को अपने तीन दोस्त दीपक, रोहित व मनीष के साथ दमदमा झील पर गया था। वह दोस्तों के साथ झील में बोटिंग कर रहा था। इसी दौरान सेल्फी अविनाश सेल्फी लेने लगा तो उसका बैलेंस बिगड़ गया और वह झील में गिर गया। दोस्तों ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया। लेकिन वह उसे नहीं बचा सके। दोस्तों के शोर मचाने पर वहां दमदमा लेक के कर्मी एकत्रित हो गए और पुलिस को बुलाया गया। सोहना पुलिस ने गोताखोर की मदद से करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद अविनाश को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी जगजीत सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता लगा है कि सेल्फी लेने के दौरान अविनाश पानी में डूब गया था। अविनाश के परिजनों को हादसे की सूचना देकर उसका शव सोहना अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। दोस्तों के बयान और परिजनों की तहरीर के आधार पर 194 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है।

ट्रैक्टर चोरी करने का आरोपी पहुंचा जेल

गुरुग्राम। ट्रैक्टर चोरी करने के मामले में पुलिस ने शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने ट्रैक्टर चोरी की आधा दर्जन वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस द्वारा अदालत में पेश करने पर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पटौदी थाना पुलिस को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि बीती 26/27 अक्तूबर की रात को गांव नानू कलां में घर के सामने खड़े उसके ट्रैक्टर को किसी ने चोरी कर लिया। पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी। मामले में पटौदी थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सज्जन सिंह की टीम ने ट्रैक्टर चोरी करने में शामिल रहे एक आरोपी को गांव लौकरी, गुरुग्राम से काबू कर लिया। जिसकी पहचान यूपी के मथुरा निवासी 30 वर्षीय इब्राहिम उर्फ कणवा के रूप में हुई। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ ट्रैक्टर चोरी करने की वारदातों को अंजाम देता है। इब्राहिम और उसके साथी पहले एकांत में खड़े ट्रैक्टर की रैकी करते हैं और मौका पाकर ट्रैक्टर को चोरी कर लेते है। चोरी किए हुए ट्रैक्टर को इब्राहिम मेवात तक लेकर जाता था। जिसके लिए इसके साथी उन्हें 5 हजार रुपए देते थे। आरोपी ने पटौदी के एरिया से कुल 6 ट्रैक्टर चोरी करने की वारदातों को अंजाम देने का खुलासा किया है। पुलिस ने चोरी किए गए ट्रैक्टर को आरोपी की निशानदेही पर बरामद किया है। आरोपी को अदालत के सम्मुख पेश किया गया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सतनाम सिंह पुत्र** बलवंत सिंह रंधावा, **निवासी** एफ–240, विकासपुरी, नई दिल्ली, ने **FIR No. 464/2019, U/S 420/34 IPC, पुलिस स्टेशन जनकपुरी, पश्चिम जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सतनाम सिंह** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सतनाम सिंह** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 464/2019, U/S 420/34 IPC, पुलिस स्टेशन जनकपुरी, पश्चिम जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सतनाम सिंह** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.12.2024** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री हरजोत सिंह औजला
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–11,
दक्षिण–पश्चिम जिला, कोर्ट नं0–05,
द्वारका कोर्ट, दिल्ली

DP/14488/WD/2024
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P. C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अक्षय पुत्र धर्मबीर,** निवासी ग्राम कुलशी जिला झज्जर थाना बहादुरगढ, हरियाणा ने **FIR No.656/2016 U/S 506/ 34 IPC., 25,27 Arms Act.,** के अंतर्गत थानाः **जनकपुरी,** दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **अक्षय** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **अक्षय** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No.656/2016 U/S 506/ 34 IPC., 25,27 Arms Act.,** थानाः जनकपुरी, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **अक्षय** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **02.12.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
हरजोत सिंह औजला, MM,
कमरा नंबर 5 द्वारका कोर्ट, दिल्ली

DP/14518/WD/2024

व्हॉट्सअप पर अरेस्ट वारंट भी भेजा

ड्रग्स तस्करी व मनी लॉड्रिंग में संलिप्तता दिखाकर युवक से ठगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गरुग्राम

साइबर क्राइम वेस्ट एरिया में ड्रग्स तस्करी व मनी लॉड्रिंग में संलिप्तता दिखाकर युवक से ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित को व्हॉट्सअप पर अरेस्ट वारंट भी भेजा गया और उसे घंटों डिजिटल अरेस्ट रखा गया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी।

- **शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु की**

पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-9 में रहने वाले सज्जन सिंह यादव ने कहा कि उनके पास बीती 28 अगस्त को एक कॉल आई। जिसमें बताया गया कि वह फेडेक्टर कूरियर से बोल रहा है और सज्जन सिंह के नाम से मुंबई से रूस जा रहे कूरियर को कस्टम विभाग ने पकड़ लिया है। कूरियर में एच.डी.एम.ए. होने के चलते उस पर व कूरियर कंपनी के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज है। इसाके बाद सज्जन सिंह की कॉल को साइबर क्राइम ब्रांच मुंबई से जोड़ दिया। फिर कॉल कट गई और सज्जन सिंह के फोन पर व्हाट्सएप कॉल कनेक्ट हुई। फोन करने वाले ने बताया कि वह क्राइम ब्रांच का वरिष्ठ इंस्पेक्टर विजय है। इसके बाद वह वीडियो कॉल पर आया और आवश्यक बयान के लिए सज्जन सिंह को अलग कमरे में आइसोलेट करने के लिए कहा। जिसके बाद उसे क्राइम ब्रांच मुंबई हेड ऑफिस के पुलिस कमिश्नर से मिलवाया गया। सज्जन सिंह को इस बीच बताया गया कि उसके आधार नंबर का इस्तेमाल ड्रग्स तस्करी (एच.डी.एम.ए.) मनी लॉनड्रिंग मामले में किया गया है। उसके आधार नंबर का उपयोग 25 बैंक खाते खोलने के लिए किया गया है और व्यवसाय के मुनाफे से इन खातों में पैसा स्थानांतरित किया गया है। इसके बाद उन्होंने वित्त विभाग से एक पत्र और गिरफ्तारी वारंट व्हाट्सएप नंबर पर भेजा। उन्होंने बताया कि मेरे सभी खातों को सी.बी.आई. द्वारा सत्यापित किया जाएगा। इसके लिए उन्होंने सज्जन सिंह को एक अकाउंट नंबर भेजा और उसके अकाउंट में जमा पैसा उसमें ट्रांस्फर करने के लिए कहा। वहीं आश्वासन दिया गया कि जांच के बाद यह राशि वापिस सज्जन सिंह के अकाउंट में ट्रांस्फर कर दी जाएगी। घबराए हुए सज्जन सिंह ने अपना तमाम पैसा उनके द्वारा भेजे अकाउंट में ट्रांस्फर कर दिया। उन्होंने कहा कि अब वित्त विभाग से कॉल आएगी। लेकिन उसे कोई कॉल नहीं आई तो सज्जन सिंह को अहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हो गई है।

मुख्यमंत्री सैनी ने गोहाना में समारोह में बोले

संकल्प पत्र के हर वादों को पूरा करेगी सरकार

गोहाना। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गोहाना में हरियाणा दिवस और विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर एक समारोह को संबोधित किया। इसमें सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली समेत पार्टी कार्यकर्ता और पदाधिकारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने प्रदेशवासियों को भगवान विश्वकर्मा जयंती, हरियाणा दिवस, दीपावली, भैया दूज व गोपाष्टमी की शुभकामनाएं दी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश के 2.80 करोड़ हरियाणवी को बिना भेदभाव विकास की राह पर आगे बढ़ाने के लिए विधानसभा चुनाव से पहले जारी किए गए संकल्प पत्र को राज्य सरकार द्वारा हूबहू धरातल पर उतारा जाएगा।

सैनी ने कहा कि क्रांतिकारी वीरों के सपनों का भारत बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए हम सब मिलकर हरियाणा का नव-निर्माण करेंगे। विशिष्ट अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली रहे। कार्यक्रम के संयोजक भाजपा सुशासन प्रकोष्ट के जिला संयोजक एवं जिला प्रवक्ता आनंद हुड्डा थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को संकल्प पत्र के अनुरूप योजनाओं को गति देने के निर्देश दिए जा चुके हैं। केंद्रीय मंत्री व पूर्व में साढ़े नौ साल रहे मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा बनाई गई मजबूत व्यवस्था पर आगे बढ़ते हुए हमारी डबल इंजन की सरकार तीव्र गति से अपना काम करेगी।

सैनी ने कहा कि कांग्रेस द्वारा बेरोजगारी को लेकर जो भ्रामक प्रचार चुनाव के दौरान किया गया था और उनके नेताओं द्वारा हजारों युवाओं के भर्ती परिणाम रोकने का जो प्रयास किया गया, उससे उनकी युवा विरोधी मानसिकता जनता-जनार्दन के सामने आ गई।

जलेबी बनाई, खाई

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गोहाना में जलेबियों का आनंद भी लिया। उन्होंने पहले जलेबी बनाई और उसके बाद सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के साथ दुकान में ही बैठकर जलेबी खाई। मुख्यमंत्री के इस स्टाइल और सादगी के सभी दीवाने हो गए।

कचरे से चारकोल बनाएंगे तेजी से काम होगा: मनोहर

केंद्रीय मंत्री ने बंधवाड़ी कचरा प्रबंधन प्लांट का दौरा किया

चंडीगढ़। केन्द्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित बंधवाड़ी कचरा प्रबंधन प्लांट का दौरा करने के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएनएल) के साथ बंधवाड़ी में कचरे से चारकॉल बनाने का प्लांट स्थापित करने के लिए एमओयू किया जा चुका है तथा अगले 6 माह में नगर निगम गुरुग्राम कंपनी को प्लांट स्थापित करने के लिए 15 एकड़ जमीन हस्तांतरित करेगा। उन्होंने मौके पर उपस्थित एनवीवीएनएल के प्रतिनिधियों से कहा कि वे निगम अधिकारियों को यह बता दें कि साईट के किस हिस्से में प्लांट के लिए जमीन खाली की जानी है, ताकि उनके बताए अनुसार जल्द से जल्द जमीन को खाली किया जा सके।

इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जितनी जमीन खाली होती जाए, वहां पर मशीनरी लगाना शुरू करें। उनके साथ हरियाणा के उद्योग, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह, शहरी स्थानीय निकाय, नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे।

विवेक जोशी नहीं आते तब तक अनुराग रस्तोगी के पास रहेगी कमान

चंडीगढ़। सूबे को नए मुख्य सचिव तो मिल गए हैं, दिल्ली से आकर जब तक जोशी ज्वाइन करेंगे, उस वक्त तक कमान अनुराग रस्तोगी के पास रहेगी। कुल मिलाकर टीवीएसएन प्रसाद की रिटायरमेंट के साथ ही दीपावली पर हरियाणा को नए मुख्य सचिव मिल गए हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 1989 बैच के अधिकारी विवेक जोशी को गुरुवार को हरियाणा का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया। बीती रात को सरकार के आधिकारिक आदेश के अनुसार, जोशी के हरियाणा कैडर में शामिल होने पर उन्हें राज्य सरकार के मुख्य सचिव के रूप में नियुक्त किया है। जोशी वर्तमान मुख्य सचिव टीवीएसएन प्रसाद की जगह लेंगे। बता दें कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के सचिव विवेक जोशी को हाल ही में केंद्र से उनके कैडर राज्य हरियाणा वापस भेजने के आदेश दिए गए थे।

कांग्रेस हाईकमान ने सैलजा और सुरजेवाला को दी तरजीह

महाराष्ट्र में 40 स्टार प्रचारकों की सूची में हुड्डा का नाम नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चडीगढ़

हरियाणा कांग्रेस हाईकमान की ओर से राज्य के सियासी दिग्गजों में चल रही रार के बीच पार्टी महासचिव सैलजा और रणदीप सुरजेवाला को ताकतवर बना दिया है। माना जा रहा है कि सैलजा द्वारा चुनाव के दौरान दिखाई गई नाराजगी का कांग्रेस हाईकमान पर लगातार असर हो रहा है। इसके अलावा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए जिन 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, उसमें रणदीप सुरजेवाला का नाम शामिल है। खास बात यह है कि कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची में सैलजा के हस्ताक्षर से जारी की है। सूचियों पर अक्सर कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के हस्ताक्षर होते हैं। सैलजा सिरसा से कांग्रेस सांसद और सुरजेवाला राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं। विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद यह पहला मौका है, जब पार्टी ने संगठनात्मक फैसले संबंधी किसी पत्र को सैलजा के हस्ताक्षर से जारी किया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए स्टार प्रचारकों की सूची में हुड्डा और सांसद बेटे दीपेंद्र सिंह हुड्डा का नाम शामिल नहीं है। हुड्डा परिवार गुटबाजी की बजाय ईवीएम में खराबी को हार का कारण मान रहा है। कांग्रेस हाईकमान ने राज्य की 26 सीटों पर ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत चुनाव आयोग से की थी, 1642 पेज के जवाब में केंद्रीय चुनाव आयोग ने कांग्रेस की समस्त दलीलों को खारिज करते हुए ईवीएम में गड़बड़ी से साफ इनकार किया है।

चुनाव से पहले शुरू हुई खींचतान

बता दें कि विधानसभा चुनाव से पहले हुड्डा और सैलजा में जबरदस्त खींचतान चली। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला खुलकर किसी के पक्ष में नहीं खड़े हुए। हालांकि उन्हें सैलजा खेमे का प्रमुख रणनीतिकार माना जाता है, लेकिन जब बात हुड्डा खेमे की आती है तो वे कभी उसके विरुद्ध एक भी शब्द नहीं बोलते। सुरजेवाला के बेटे आदित्य सुरजेवाला कैथल से विधायक चुने गए हैं। विधानसभा चुनाव में सुरजेवाला का पूरा ध्यान अपने बेटे को चुनाव जिताने पर रहा है। औपचारिक बातचीत के दौरान भी जब सुरजेवाला को चुनाव में हुड्डा खेमे को मिले 72 टिकटों पर पूछा गया था, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया और इस बहस को विराम देना उचित समझा।

पूर्व दिशा की ओर जाने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ–2024

छठ पूजा त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु उत्तर रेलवे द्वारा अन्य क्षेत्रीय रेलों के सहयोग से दिनांक 02.11.2024 से 04.11.2024 तक पूर्व दिशा की ओर निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	स्थान	ठहराव
दिनांक 02.11.2024 (शनिवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
04032	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, दरभंगा जं., सकरी जं., झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी
04044	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:15	गोरखपुर जं.	14:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, चन्दौसी जं., बरेली कैंट, सीतापुर, गोंडा जं. एवं बस्ती
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
02398	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:20	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
03576	आनन्द विहार (टर्मि.)	10:15	आसनसोल जं.	10:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गया जं., कोडरमा जं. और धनबाद जं.
04040	आनन्द विहार (टर्मि.)	11:30	भागलपुर	11:40	3 टियर वाता. इकोनॉमी	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., बख्तियारपुर जं., मोकामा, लक्खीसराय जं., किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
02248	नई दिल्ली	08:25	पटना जं.	20:30	वाता. कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04070	नई दिल्ली	00:20	राजगीर	21:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., बख्तियारपुर जं. और बिहार शरीफ
04036	नई दिल्ली	12:00	भागलपुर	10:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पटना जं., किऊल जं., अभयपुर, जमालपुर जं. एवं सुलतानगंज
04054	नई दिल्ली	14:20	बरौनी जं.	11:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना जं. एवं मोकामा
04046	नई दिल्ली	23:55	पटना जं.	17:15	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04080	दिल्ली जं.	19:30	वाराणसी जं.	09:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, लखनऊ और माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़
02418	दिल्ली जं.	09:30	प्रयागराज जं.	19:45	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	अलीगढ़ जंक्शन, टूंडला जंक्शन, इटावा जंक्शन, कानपुर सेंट्रल और फतेहपुर
04034	दिल्ली जं.	23:45	जयनगर	23:00	3 टियर वाता.	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., मोकामा जं., बरौनी जं., समस्तीपुर जं., दरभंगा जं. और मधुबनी
दिनांक 03.11.2024 (रविवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
04498	आनन्द विहार (टर्मि.)	19:30	बलिया	13:30	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, रायबरेली जं., माँ बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., वाराणसी जं., औड़िहार जं. और गाजीपुर सिटी
04032	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, दरभंगा जं., सकरी जं., झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी
04062	आनन्द विहार (टर्मि.)	09:00	बरौनी जं.	06:30	3 टियर वाता.	अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुलतानपुर, जौनपुर जं., गाजीपुर सिटी, बलिया, सुरेमनपुर, छपरा और हाजीपुर जं.
02392	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:20	पटना जं.	17:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
02526	आनन्द विहार (टर्मि.)	17:20	कामाख्या	03:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, द्वितीय श्रेणी एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टूंडला जं., गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा जं., दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं., नवगछिया, कटिहार जं., बारसोई जं., किशनगंज, न्यु जलपाईगुड़ी, न्यू कोचबिहार, तूफानगंज, गोलकगंज, गौरीपुर, अभयापुरी असम एवं गोवालपाड़ा टाउन
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
02878	आनन्द विहार (टर्मि.)	04:00	राँची	05:00	3 टियर वाता. इकोनॉमी	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, नबी नगर रोड, जपला, गढ़वा रोड, डालटनगंज, लातेहार, टोरी, बरकाकाना एवं मूरी
02262	नई दिल्ली	00:20	दरभंगा	21:15	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02252	नई दिल्ली	08:25	पटना जं.	20:00	वाता. कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर एवं आरा
03484	नई दिल्ली	10:30	भागलपुर	04:10	शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहिब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़, मोकामा, हाथीदा जं. बड़हिया, लक्खीसराय जं., किऊल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर और सुलतानगंज
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा और दानापुर
04038	दिल्ली जं.	19:10	आज़मगढ़	11:30	3 टियर वाता.	मुरादाबाद, बरेली, हरदोई, लखनऊ, सुलतानपुर, जौनपुर सिटी, जौनपुर जं. एवं शाहगंज जं.
04236	दिल्ली जं.	10:00	हाजीपुर जं.	07:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	साहिबाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, छपरा एवं सोनपुर
दिनांक 04.11.2024 (सोमवार) को पूर्व दिशा की ओर प्रस्थान करने वाली रेलगाड़ियों की सूची						
04032	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:15	सहरसा जं.	10:30	3 टियर वाता.	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहाँपुर, सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज जं., बगहा, नरकटियागंज जं., रक्सौल जं., बैरगनिया, सीतामढी, जनकपुर रोड, दरभंगा जं., सकरी जं., झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, सुपौल और गढ़ बरुआरी
04096	आनन्द विहार (टर्मि.)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., एवं शयनयान	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली और लखनऊ
04078	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:55	पटना जं.	16:25	प्रथम वाता., 2 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता.	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर
04058	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:15	मुजफ्फरपुर	21:15	3 टियर वाता.	मुरादाबाद, चंदौसी जंक्शन, हरदोई, लखनऊ, गोरखपुर जंक्शन, छपरा और हाजीपुर जंक्शन
03256	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:20	पटना जं.	17:20	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जंक्शन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर
03258	आनन्द विहार (टर्मि.)	05:00	दानापुर	20:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
05220	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	मुजफ्फरपुर	00:45	शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र सोनपुर जं. एवं हाजीपुर जं.
05024	आनन्द विहार (टर्मि.)	15:15	गोरखपुर जं.	04:45	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा, बस्ती और खलीलाबाद
02398	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:20	गया	00:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन और अनुग्रह नारायण रोड
05284	आनन्द विहार (टर्मि.)	07:00	मुजफ्फरपुर	04:50	2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मुरादाबाद, शाहजहाँपुर, हरदोई, लखनऊ, गोंडा जं., बस्ती, गोरखपुर जं., बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जंक्शन, बेतिया, सगौली जंक्शन, बापूधाम मोतिहारी, पिपरा, चकिया, मेहसी और मोतीपुर
04052	नई दिल्ली	14:20	जयनगर	15:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज जं., पं.दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., मोकामा, बरौनी जं., समस्तीपुर जं. एवं दरभंगा जं.
03414	नई दिल्ली	10:30	मालदा टाउन	07:55	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, पटना जं., पटना साहेब, फतुहा, खुसरोपुर, बख्तियारपुर जं., बाढ़., मोकामा, हाथीदह जं., बरहिया, लक्खीसराय जं., किऊल जं., कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जं., बरियारपुर, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहिबगंज जं., बरहरवा जं. एवं न्यू फरक्का जं.
02276	नई दिल्ली	09:30	प्रयागराज जं.	19:20	3 टियर वाता. एवं 3 टियर वाता. इकोनॉमी,	अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल और फतेहपुर
02564	नई दिल्ली	17:55	बरौनी जं.	15:10	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा एवं मुजफ्फरपुर जं.
02570	नई दिल्ली	12:15	दरभंगा	10:00	3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी एवं शयनयान	कानपुर सेंट्रल, ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सिवान जं., छपरा, मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं.
02394	नई दिल्ली	13:20	पटना जं.	07:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान, सामान्य	गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर
04494	नई दिल्ली	05:00	पटना जं.	22:30	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	साहिबाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा एवं दानापुर
04232	नई दिल्ली	10:00	सहरसा जं.	12:30	वाता. कुर्सीयान, एग्जीक्यूटिव कुर्सीयान	साहिबाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र जं., हाजीपुर, मुज़फ़्फ़रपुर जं., समस्तीपुर जं., दलसिंह सराय, बरौनी जं., बेगूसराय, खगड़िया जं. एवं मानसी जं.
04080	दिल्ली जं.	19:30	वाराणसी जं.	09:45	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, लखनऊ और माबेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़
02422	दिल्ली जं.	09:30	सूबेदारगंज	19:40	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	अलीगढ़ जं., टूंडला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल और फतेहपुर
05002	दिल्ली जं.	15:15	गोरखपुर जं.	09:55	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा, बलरामपुर, तुलसीपुर, बढ़नी, सिद्धार्थनगर और आनंद नगर
04238	दिल्ली जं.	10:00	बरौनी जं.	11:10	2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	साहिबाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं. एवं शाहपुर पटोरी
04240	दिल्ली जं.	12:30	दानापुर	08:00	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	साहिबाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., प्रयाग जं., जंघई जं., भदोही, वाराणसी जं., पं० दीन दयाल उपाध्याय जं., बक्सर एवं आरा
02246	हज़रत निज़ामुद्दीन	23:55	पटना जं.	16:40	प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता.	गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर
04124	हज़रत निज़ामुद्दीन	15:50	प्रयागराज जं.	09:00	3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य	मथुरा जं., आगरा कैंट., धौलपुर, ग्वालियर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, मऊ रानीपुर, हरपालपुर, कुलपहाड़, महोबा, बांदा जंक्शन, अतर्रा, चित्रकूट धाम, मानिकपुर जंक्शन, डभौरा और शंकरगढ़

रेल यात्रा के दौरान ज्वलनशील वस्तुएं जैसे पटाखे, पेट्रोल, मिट्टी का तेल, गैस सिलेंडर आदि लेकर कभी यात्रा न करें।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

'आजाद' का पहला पोस्टर जारी

नई दिल्ली। अभिनेता अजय देवगन और उनके भतीजे अमान देवगन की फिल्म के पोस्टर का पहला लुक जारी हो चुका है। फिल्म के पोस्टर को देखकर अभिनेता के प्रशंसक काफी उत्साहित हैं। दिवाली पर 'आजाद' का पोस्टर जारी हो गया है। फिल्म का पोस्टर अजय देवगन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया है। फिल्म में अजय देवगन के भतीजे अमान देवगन के साथ रवीना टंडन की बेटी राशा थदानी भी इस फिल्म में नजर आने वाली हैं। अजय देवगन के भतीजे और रवीना की बेटी की डेब्यू फिल्म 'आजाद' का टीजर 'सिंघम अगेन' के साथ सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रहा है। फिल्म अगले साल जनवरी में आएगी। फिल्म के फर्स्ट लुक में अभी तक किसी का चेहरा नजर नहीं आ रहा है। इस फिल्म में दोस्ती और दिल को छू जाने वाली कहानी को दिखाया जाएगा।

लाइफ Style

प्रियंका
धनतेरस पर बेटी को पहनाईं चूड़ियां

एजेंसी ▶▶ मुंबई

प्रियंका हर साल पति निक जोनस और ससुरालवालों के साथ धूमधाम से दिवाली सेलिब्रेट करती हैं। इस बार भी उनका ऐसा ही इरादा है। पर प्रियंका ने हाल ही बेटी मालती और पति निक के साथ धनतेरस का त्योहार मनाया।

प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ धूमधाम से धनतेरस मनाया। प्रियंका ने बेटी मालती के लिए चूड़ियां खरीदीं। उन्होंने मालती और निक के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की है, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है। प्रियंका चोपड़ा काफी समय पहले ही लॉस एंजेलिस में जाकर बस गईं और वहीं की जिंदगी में रम गईं। प्रियंका ने बॉलीवुड छोड़ हॉलीवुड में ही काम करना शुरू कर दिया। पर विदेशी सरजमीं पर भी वह अपने संस्कार और भारतीय त्योहारों को नहीं भूलीं।

प्रियंका हर साल पति निक जोनस और ससुरालवालों के साथ धूमधाम से दिवाली सेलिब्रेट करती हैं। इस बार भी उनका ऐसा ही इरादा है। पर प्रियंका ने हाल ही बेटी मालती और पति निक के साथ धनतेरस का त्योहार मनाया। प्रियंका ने धनतेरस पर बेटी को मां लक्ष्मी का स्वरूप मानते हुए उसे खूबसूरत चूड़ियां दिलवाईं। मालती ने इन चूड़ियों को पहना और झूम उठीं। प्रियंका ने मालती, अपने और निक जोनस के हाथ की एक प्यारी तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की है। साथ में प्रियंका ने लिखा है, 'सभी को धनतेरस की शुभकामनाएं।'

हॉलीवुड मसाला

29 को भारत में होगी रिलीज

लॉस एंजिल्स। वॉल्ट डिजनी एनिमेशन स्टूडियो की फिल्म 'मोआना 2' इस साल 29 नवंबर को भारत में रिलीज होने वाली है। फिल्म को लेकर निर्देशक, सह निर्देशक और लेखक ने अपनी राय साझा की हैं। वॉल्ट डिजनी एनिमेशन स्टूडियो की फिल्म 'मोआना 2' इस साल की बहुप्रतीक्षित एनिमेटेड फिल्म है। फिल्म की रिलीज के एक महीने पहले कैलिफोर्निया में वॉल्ट डिज्नी एनिमेशन स्टूडियो में एक प्रेस कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ब्रूस स्प्रिंगस्टीन की बायोपिक है 'डिलीवर मी फ्रॉम नोव्हेयर'

नई दिल्ली। हॉलीवुड स्टार जेरेमी एलन व्हाइट अपने आगामी प्रोजेक्ट के लिए तैयार हैं। ब्रूस स्प्रिंगस्टीन के बायोपिक 'डिलीवर मी फ्रॉम नोव्हेयर' से उनका पहला लुक सामने आ चुका है। 'वैराइटी' की रिपोर्ट के अनुसार स्कॉट कूपर द्वारा निर्देशित और लिखित, 'डिलीवर मी फ्रॉम नोव्हेयर' स्प्रिंगस्टीन के 1982 के एल्बम 'नेब्रास्का' के निर्माण के बारे में इसी नाम की वॉरेन ज़ेन्स की किताब पर आधारित है। फिल्म की शूटिंग मुख्य रूप से न्यूयॉर्क और लॉस एंजिल्स में चल रही है। फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। स्प्रिंगस्टीन के 'नेब्रास्का' की रिकॉर्डिंग उनके संगीतमय सफर में एक मील का पत्थर मानी जाती है और उसे कलाकारों और संगीतकारों की एक पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत माना जाता है।

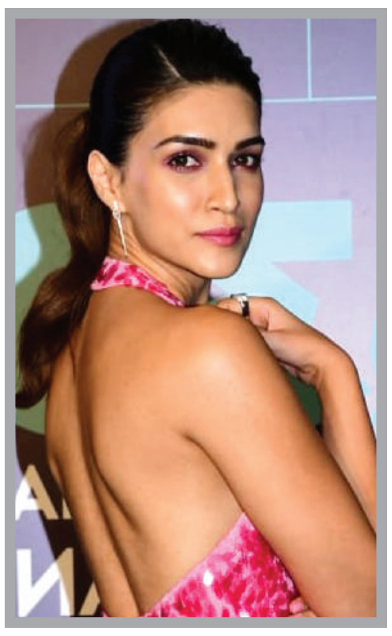

उनके फैंस की दीवानगी पागलपन है...

नई दिल्ली। हाल ही रिलीज हुई फिल्म 'दो पत्ती' में काजोल, कृति सेनन, शहीर शेख और तन्वी आजमी नजर आ रहे हैं। शहीर के फैंस ने अपने चहीते एक्टर पर दिल खोलकर प्यार लुटाया है। खुद कृति सेनन ने भी इस बात का खुलासा किया है कि शहीर की फैंस फॉलोइंग देख वह खुद भी हैरान थीं। शहीर शेख ने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी। अपने करियर में उन्होंने 'संजा', 'नव्या', 'बेस्ट ऑफ लक निक्की' और 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी' जैसे कई हिट टीवी सीरियल्स में काम किया है। हाल ही में एक इंटरव्यू में कृति सेनन ने शहीर शेख की 'पागलपन वाली फैन बेस' के बारे में बात की और बताया कि उनके फैंस उन्हें कितना प्यार करते हैं। कृति सेनन ने बताया कि उन्हें पता था कि शहीर शेख की बड़ी फैन फॉलोइंग है।

मां-बेटे-बेटी के साथ साझा की क्यूट तस्वीरें

मुंबई। बॉलीवुड निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी मां, बेटी रूही और बेटे यश के साथ बेहद ही प्यारी और क्यूट तस्वीरें साझा की हैं। करण ने प्रशंसकों को दिवाली की शुभकामनाएं भी दीं, जिस पर अब प्रशंसक लगातार उन्हें कमेंट कर रहे हैं। दिवाली के त्योहार के मौके पर बॉलीवुड सितारे सोशल मीडिया पर अपने परिवार के साथ अक्सर खुशियों भरे पलों को साझा करते हैं। दिवाली के शुभ अवसर पर करण जौहर ने भी सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अपनी मां हीरू जौहर और अपने बच्चों यश और रूही के साथ दिल को छू लेने वाली तस्वीरें पोस्ट कीं। करण ने लिखा, 'हमारी ओर से आपको त्योहारों की हार्दिक शुभकामनाएं तथा प्यार, खुशी, आपसी सम्मान और प्यार करने तथा जीवन को पूरी तरह से जीने की क्षमता की कामना करते हैं।' द

टीवी मसाला

केबीसी के मंच पर वरुण ने अमिताभ से पूछे पेरेंटिंग टिप्स

नई दिल्ली। कौन बनेगा करोड़पति 16 सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे सोनी टीवी पर प्रसारित हो रहा है। आने वाले एपिसोड में वरुण धवन, निर्देशक राज और डीके के साथ केबीसी 16 के मंच पर दिवाली के अवसर पर नजर आएंगे। इस दौरान वरुण ने अमिताभ से पेरेंटिंग टिप्स लिए। वरुण धवन इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित एक्शन-थ्रिलर वेब सीरीज सिटाडेल: हनी बनी को लेकर लगातार चर्चा में बनु हुए हैं। इस वेब सीरीज के प्रमोशन के लिए वरुण इस सीरीज के निर्माता राज और डीके के साथ कौन बनेगा करोड़पति 16 के मंच पर धमात मचाने आ रहे हैं। इस दिवाली एपिसोड में जमकर धमाल होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमिताभ बच्चन वरुण धवन से उनकी बेटी के बारे में पूछते हैं। वे पूछते हैं, 'यह दिवाली आपके लिए बेहद खास है क्योंकि देवी लक्ष्मी स्वयं आपके घर आई हैं। क्या आपने उसका नाम सोचा है?' वरुण मुस्कुराते हुए जवाब देते हैं, 'हां, हमने सोचा है, हालांकि हमने अभी तक इसे साझा नहीं किया है। मैं अभी भी उससे जुड़ना सीख रहा हूं- यह वैसा ही है जैसा आपने कहा कि जब एक बच्चा घर आता है, तो सब कुछ बदल जाता है।' सिटाडेल अभिनेता बिग बी से यह भी पूछते हैं कि जब वे पिता बने तो उनकी भावनाएं क्या थीं और क्या वे उस समय पूरी नींद लेने में कामयाब रहे। बिग बी ने कहा, 'हम सोने में कामयाब रहे, लेकिन हमेशा थोड़ी चिंता बनी रहती थी। क्या सब कुछ ठीक है? उस समय, एक नया गैजेट आया था। आप इसे बिस्तर के पास रखते थे, और अगर बच्चा थोड़ी सी भी आवाज करता, तो यह हमें सचेत कर देता। यह काम आया!' आगे बिग बी ने कहा, 'यहां एक सुनहरा नियम है- अपनी पत्नी को खुश रखें। अगर वह खुश है, तो बाकी सब ठीक हो जाएगा, और जब वह खुश होगी, तो आपकी बेटी भी खुश रहेगी। याद रखें 'पत्नी सर्वोच्च है।'

दिलीप को ऑफर हुआ था चंपक चाचा का रोल

नई दिल्ली। लोगों 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' बहुत पसंद है। उन्होंने सिर्फ इस शो को ही नहीं, इस शो के हर किरदार को अपने दिल में जगह दी है। लेकिन जेठालाल और चंपक चाचा के किरदार से उनका लगाव थोड़ा ज्यादा है। बता दें, जब से ये शो शुरू हुआ है तब से जेठालाल का किरदार दिलीप जोशी और चंपक चाचा का रोल अमित भट्ट निभा रहे हैं। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के मेकर्स ने दिलीप जोशी को पहले चंपक चाचा के रोल के लिए अप्रोच किया था। हालांकि, दिलीप को लगा कि वह जेठालाल का रोल बेहतर तरीके से निभा पाएंगे। दिलीप जोशी ने जेठालाल के लिए ऑडिशन दिया और चंपक चाचा के किरदार के लिए अमित भट्ट का नाम दिया। इस तरह, अमित भट्ट को बिना ऑडिशन दिए चंपक चाचा का रोल मिल गया। वहीं, दिलीप जोशी को जेठालाल के किरदार के लिए सिलेक्ट कर लिया गया।

अगली फिल्म की लोकेशन के लिए जंगलों में भटक रहे हैं राजामौली

नई दिल्ली। एसएस राजामौली अपनी आने वाली फिल्म की तैयारियों में बिजी हैं। वो महेश बाबू के साथ फिल्म लेकर आ रहे हैं। फिलहाल इस फिल्म का नाम SSMB29 कहा जा रहा है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म का ऑफिशियल टाइटल अनाउंस नहीं किया है। फिल्म की शूटिंग 2025 में शुरू होने जा रही है और राजामौली फिल्म के लिए लोकेशन की तलाश में निकल पड़े हैं। वो लोकेशन की तलाक में केन्या तक पहुंच गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोकेशन ढूंढने की फोटोज और वीडियो शेयर की हैं। इसी बीच फिल्म का बजट भी सामने आ गया है। रिपोर्ट्स की माने तो फिल्म का बजट 1000 करोड़ है। बजट सुनकर ही फैंस चौंक गए हैं। एक यूजर ने लिखा- हॉलीवुड रेंज की फिल्म आ रही है। एक ने लिखा- ग्लोबल बॉक्स ऑफिस.

वर्कफ्रंट की बात करें तो एसएस राजामौली की आखिरी फिल्म आरआरआर आई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था।

इस फिल्म ने एक ऑस्कर अवॉर्ड भी अपने नाम किया है। आरआरआर से पहले राजामौली बाहुबली के दो पार्ट लेकर आए थे और दोनों ही हिट साबित हुए थे। इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर छप्पर फाड़ कमाई की थी।

बेगम अख्तर की गायकी से प्रभावित हो गईं थीं सरोजनी नायडू, उपहार में दी थी खूबसूरत साड़ी

नई दिल्ली। गायिका बेगम अख्तर को उनकी बेमिसाल गायिकी के लिए जाना जाता है। उनकी गायिकी से प्रभावित होकर सरोजनी नायडू ने उन्हें भेंट में साड़ी दी थी। प्रसिद्ध गायिका बेगम अख्तर को उनकी गजल, ठुमरी, दादरा के कारण जाना जाता है। बेगम अख्तर का असली नाम अख्तरी बाई फैजाबादी है। उन्हें उनके गानों के लिए पद्मश्री और पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उन्हें गायन के इतिहास में 'मल्लिका-ए-गजल' कहा जाता है।

बचपन से बनना चाहती थीं गायिका : प्रसिद्ध गायिका बेगम अख्तर बचपन से ही गायिका बनना चाहती थीं, उनके परिवार वाले उनकी इस इच्छा के खिलाफ थे। उनके चाचा ने उनके इस शौक को पूरा करने में मदद की। वह एक कुलीन परिवार से ताल्लुक रखती थीं। अख्तरी बाई को संगीत से पहला प्यार सात साल की उम्र में थिएटर में अभिनेत्री चंदा का गाना सुनकर हुआ।

उस्ताद मोहम्मद खान से ली संगीत की शिक्षा : बेगम अख्तर ने बचपन से ही काफी मशहूर गायिका रही हैं। वे संगीत सीखने के लिए उस्ताद मोहम्मद खान के पास जाती थीं। शुरुआत में सही सुर न लगाने के कारण उनको डांट पड़ती थी, जिसके बाद उन्होंने संगीत छोड़ने की ठान ली। वह रोने लगी तो उस्ताद ने उन्हें समझाया कि ऐसे हिम्मत नहीं हारते हैं।

भूकंप पीड़ितों की मदद के लिए हुआ था आयोजन

15 साल की उम्र में बेगम अख्तर ने अपनी पहली स्टेज परफॉर्मेंस दी थी, इस कार्यक्रम में 1930 में बिहार भूकंप पीड़ितों के लिए आर्थिक मदद जुटाने का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंची सरोजिनी नायडू ने बेगम अक्खर से प्रभावित होकर उन्हें साड़ी तोहफे में दी थी।

मंच पर बिगड़ गई थी तबीयत

बेगम अख्तर अहमदाबाद के मंच पर जब गाना गा रही थीं। इस दौरान उन्होंने 'वो तेग मिल गई, जिससे हुआ था कत्ल मेरा, किसी के हाथ का लेकिन वहां निशां नहीं मिलता' गाना गाया। इस बीच ही अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा, जहां हार्ट अटैक के कारण उनका निधन हो गया।

दिवाली पार्टी में लगा सितारों का मेला

मुंबई। *त्योहार कोई भी हो, सिनेमा की दुनिया में अलग ही अंदाज में जश्न मनाया जाता है। अब दिवाली के मौके पर बॉलीवुड में एक के बाद एक पार्टी आयोजित हो रही हैं और सितारे उनकी शोभा बढ़ाने पहुंच रहे हैं। धनतेरस के दिन इंडस्ट्री में दिवाली पार्टी का आयोजन हुआ। इसमें अभिनेता वरुण धवन के साथ कई और नामी सितारे शामिल हुए। वहीं, बिग बॉस 17 के विजेता मुनव्वर फारुकी भी कड़ी सुरक्षा के साथ पहुंचे।*

रूमर्ड बॉयफ्रेंड के साथ दिखीं नताशा

हार्दिक पांड्या की एक्स वाइफ नताशा स्टेनकोविक भी पार्टी में नजर आईं। वे अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड अलेक्जेंडर एलेक्स के साथ नजर आईं। इससे पहले दोनों अबू जानी की दिवाली पार्टी में साथ शिरकत करते नजर आए।

टाइट सिक्योरिटी के साथ दिखे मुनव्वर

मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस 18 के विनर मुनव्वर फारुकी भी दिवाली पार्टी में नजर आए। वे कड़ी सुरक्षा के बीच वहां पहुंचे और पैपराजी को पोज दिए। ब्लैक कलर के आउटफिट्स में मुनव्वर हंसते-मुस्कुराते नजर आए। दिवाली पार्टी का आयोजन प्ले डीएमएफ और विकिर फिल्म्स की तरफ से किया गया।

मुनव्वर की जान को खतरा : मशहूर यूट्यूबर और बिग बॉस 18 के विनर मुनव्वर फारुकी को कथित रूप से जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। हाल ही में पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता बाबा सिद्दिकी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली। गैंगस्टर लॉरेन्स बिश्नोई की तरफ से अभिनेता सलमान खान को कथित रूप से जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। इसके अलावा मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि बिश्नोई की तरफ से मुनव्वर फारुकी को भी जान से मारने की धमकी दी गई है, जिसके बाद वे अपनी सुरक्षा को लेकर सतर्क हो गए हैं।

टीवी की बहुओं ने जमाया रंग

नई दिल्ली। जाने-माने टीवी प्रोड्यूसर संदीप सिकंद ने हाल ही दिवाली की एक धमाकेदार पार्टी रखी, जिसमें टीवी इंडस्ट्री के स्टार्स पहुंचे। जहां एक तरफ सुनील ग्रोवर से लेकर अली गोनी, विवेक दहिया और धीरज धूपर जैसे नामी टीवी एक्टर्स पहुंचे, तो वहीं टीवी की हसीनाओं ने भी अपने ग्लैमर से दिवाली पार्टी में चार चांद लगा दिए। दिव्यांका त्रिपाठी ने तो महफिल ही लूट ली। वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। मनीषा रानी भी खूब बन-ठनकर पहुंची थीं। दिव्यांका त्रिपाठी पति विवेक दहिया के साथ दिवाली की पार्टी में खूब बन-ठनकर पहुंचीं। वह वाकई खूबसूरत लग रही थीं और बाकी हीरोइनों पर भारी पड़ गईं। पॉपुलर एक्ट्रेस पूजा गौर साड़ी पहनकर दिवाली पार्टी में पहुंची थीं। यहां उन्होंने दिव्यांका के साथ खूब पोज दिए। टीवी की 'नागिन' बनकर मशहूर हुईं अदा खान भी दिवाली पार्टी का हिस्सा बनीं। पूजा गौर का ये अंदाज देख 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा की याद आ गई। पार्टी में एकता कपूर , अली गोनी, जैस्मिन भसीन , अंजिल आनंद, मनीषा रानी, मोहित मलिक , धीरज धूपर नजर आए।

इंद्रधनुष के बीच का रंग हमेशा हरा ही होता है।

हाथी अपनी सूंड में 5 लीटर तक पानी रख सकता है।

इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स कर बनाएं अच्छा करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स करना व इवेंट मैनेजमेंट के पोस्ट पर चयनित होना हर विद्यार्थी के लिए खुशी का पल माना जाता है। हर विद्यार्थी का करियर में सफल होने का सपना होता है। हर विद्यार्थी जाता है। कि वह आगे बढ़कर एक सफल करियर में प्रवेश करें। विद्यार्थी अपने करियर को सफल बनाने के लिए कई प्रकार की डिग्री व डिप्लोमा का सहारा लेता है। 12वीं कक्षा पास करने के बाद अलग-अलग प्रकार के डिग्री व डिप्लोमा विद्यार्थी के सामने उपलब्ध होते हैं। डिग्री और डिप्लोमा बहुत सारे होते हैं। जिसमें इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। आज के आर्टिकल में हम इस कोर्स की जानकारी देंगे।

इवेंट मैनेजमेंट कोर्स क्या है

किसी भी शादी व पार्टी के लिए इवेंट को मैनेजमेंट करने वाला व्यक्ति इवेंट मैनेजर कहलाता है। इवेंट मैनेजमेंट करने से पहले विद्यार्थी के पास इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। इवेंट मैनेजमेंट कोर्स एक प्रकार का डिप्लोमा कोर्स है। जिसे विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात हासिल कर सकता है। सनातन की डिग्री के साथ साथ भी विद्यार्थी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को कर सकता है और अपने कैरियर को बना सकता है। आज के समय में सबसे लोकप्रिय डिप्लोमा में इवेंट मैनेजमेंट कोर्स भी शामिल है। हर विद्यार्थी इस कोर्स में अधिक रुचि रखता है। इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा कोर्स 2 वर्षीय डिप्लोमा कोर्स है। जिसको पूरा करने के पश्चात विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट का सर्टिफिकेट मिल जाता है।

ऐसे बना सकते हैं करियर

इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा करने के बाद विद्यार्थी अपना करियर आसानी से बना सकता है। अगर विद्यार्थी को समारोह या किसी भी फंक्शन की प्लानिंग करने में बेहतरीन रुचि है। तो विद्यार्थी को यह डिप्लोमा करके अपने करियर को यहीं पर सफल बना देना है। किसी भी कार्यक्रम का आयोजन होने से पहले कार्यक्रम के आयोजन कर्ता इवेंट मैनेजर से मिलते हैं और इवेंट के बारे में पूरी प्लानिंग करते हैं। ऐसे में यदि आप भी इवेंट मैनेजर बन जाते हैं। तो आप भी अपना कैरियर इस क्षेत्र में सफल कर सकता है। यदि आप भी इवेंट मैनेजर बनने का सपना देख रहे हैं तो आप इवेंट मैनेजमेंट की डिग्री व डिप्लोमा को सबसे पहले कंप्लीट करना होगा। और उसके पश्चात ही आपको इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। हालांकि यहां डिग्री व डिप्लोमा के साथ-साथ आपके माइंड की स्किल बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं।

इन चरणों को फॉलो करना होगा

- सर्वप्रथम विद्यार्थी को 12वीं पास करना होगा।
- 12वीं कक्षा पास करने के पश्चात विद्यार्थी अपने नजदीकी किसी भी इवेंट मैनेजमेंट कोर्स उपलब्ध करवाने वाली कॉलेज में जाकर अपने एडमिशन के लिए एप्लीकेशन जमा कर सकता है।
- जब आप एडमिशन के लिए जाते हैं। तो कई ऐसे कॉलेज मौजूद है, जहां पर आपको एडमिशन से पहले एक एंट्रेंस एग्जाम में शामिल होना होगा।
- एंट्रेंस एग्जाम पास करने के पश्चात ही आप को एडमिशन दिया जाएगा।
- कई ऐसे कॉलेज है, जो आपको 12वीं के अंकों के आधार पर भी एडमिशन उपलब्ध करवा देते हैं।
- अलग-अलग चरणों के माध्यम से एडमिशन मिलने के पश्चात आपको अपने आवेदन फीस के साथ एडमिशन को कंफर्म कर लेना है।
- अब विद्यार्थी को 2 वर्ष के इस डिप्लोमा को पूरा करना है और इवेंट मैनेजमेंट कोर्स का सर्टिफिकेट हासिल करना है।

आगे बढ़ने के ढेर सारे मौके

करियर स्कोप

जब कोई भी विद्यार्थी किसी भी डिग्री व डिप्लोमा कोर्स को पूरा करता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी के दिमाग में एक ही सवाल उत्पन्न होता है कि इस कोर्स को करने के पश्चात मेरे लिए भविष्य में कौन-कौन से करियर के स्कोर पर मौजूद होंगे। इवेंट मैनेजमेंट का कोर्स करने वाले विद्यार्थी को नाम से ही पता चल जाता है, कि करियर के स्कोप के तौर पर उसे इवेंट मैनेजर का काम करना होगा। लेकिन इवेंट मैनेजमेंट डिप्लोमा के पश्चात कौन-कौन से अन्य करियर स्कोप मौजूद होते हैं।

कोर्स फीस : विद्यार्थी किसी भी डिप्लोमा कोर्स या डिग्री लेने से पहले उस कोर्स को करने में कितनी फीस लगेगी इसके बारे में आकलन लगाना पसंद करता है। क्योंकि हर विद्यार्थी अमीर परिवार से नहीं होता है। हर विद्यार्थी अपने अपने स्टैंडर्ड के हिसाब से ही डिग्री और डिप्लोमा लेने के बारे में सोचता है। इस कोर्स को करने के लिए सरकारी कॉलेज में 20000 रुपये तक का प्रतिवर्ष खर्चा आता है तो प्राइवेट कॉलेज में इस डिप्लोमा को करने का 100000 रुपये प्रति वर्ष तक खर्चा आता है और कई ऐसे प्राइवेट कॉलेज है। जहां इससे भी अधिक फीस आपको देनी पड़ती है।

यहां मिलता रोजगार

- शादी
- समारोह
- अवॉर्ड समारोह
- टीवी शो
- म्यूजिक लॉन्च
- म्यूजिक समारोह
- फिल्म अवॉर्ड
- फैशन शो
- थीम पार्टी
- प्रदर्शनी
- कोरपोरेट सेमिनार
- बर्थडे पार्टी समारोह

मिलते बहुत सारे विकल्प

जब विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास करके इवेंट मैनेजमेंट कोर्स के लिए आगे बढ़ता है। तो विद्यार्थी के सामने बहुत सारे विकल्प खड़े हो जाते हैं। जिसमें से किसी भी एक कोर्स का चयन करके विद्यार्थी को इवेंट मैनेजमेंट कोर्स को पूरा करना होता है। इवेंट मैनेजमेंट के कौन कौन से कोर्स है।

सर्टिफिकेट कोर्स इन इवेंट मैनेजमेंट
डिप्लोमा इन इवेंट मैनेजमेंट
पीजी डिप्लोमा इन मीडिया एंड इवेंट मैनेजमेंट
बेचलर इन इवेंट मैनेजमेंट, बीएससी इन इवेंट मैनेजमेंट, बीबीए इन इवेंट मैनेजमेंट, बीए इन इवेंट मैनेजमेंट, मास्टर इन इवेंट मैनेजमेंट, एमबीए इन इवेंट मैनेजमेंट

लाखों और करोड़ों की संख्या में युवाओं का सपना है ऐसी जॉब पाना

हर भारतीय के लिए सम्मान और गर्व की बात है आर्मी में लेफ्टीनेंट कर्नल बनना

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

वर्तमान समय का हर एक युवा जीवन में कुछ करना चाहता है, आगे बढ़ना चाहता है, सफल होना चाहता है। सबसे अधिक युवा भारतीय सेना के लिए आवेदन करते हैं। सैन्य भर्ती परीक्षाओं में लाखों और करोड़ों की संख्या में युवाओं द्वारा आवेदन किया जाता है। कड़ी मेहनत करने वाले युवा सफल हो पाते हैं और आर्मी ऑफिसर बन पाते हैं। अगर आप देश की सेवा करने के लिए जीवन में आगे बढ़ने के लिए कुछ बड़ा करने के लिए सफलता प्राप्त करने के लिए और सरकारी नौकरी के लिए आगे बढ़ना चाहते हैं और भारतीय सेना में ही रहना चाहते हैं। बड़े पद के लिए आपको अधिक मेहनत करनी होगी। परंतु आप वहां पर सम्मान और गर्व प्राप्त करेंगे। हम बात कर रहे हैं भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बनने की। अगर आप भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल बनते हैं, तो आपको अच्छा वेतन, मान सम्मान और सफलता देखने को मिलेगी। भारतीय सेना में नौकरी करना हर भारतीय के लिए गर्व और सम्मान की बात होती है।

कौन होता है लेफ्टीनेंट कर्नल

भारतीय सेना दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी सेना है जो काफी ताकतवर और लोकप्रिय भी है। दुनिया के कई देश भारतीय सेना की तारीफ कर चुके हैं और आज के समय में भारतीय सेना के पास हर तरह के उपकरण और हथियार मौजूद है। हर दिन भारतीय सेना द्वारा विभिन्न प्रकार के युद्ध अभ्यास किए जाते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि इंडियन आर्मी में ललेफ्टिनेंट कर्नल की 6वीं रैंक होती है।

बटालियन में द्वितीय कमांडिंग ऑफिसर

लेफ्टिनेंट कर्नल बटालियन में द्वितिय कमांडिंग ऑफिसर होता है। भारतीय सेना में प्रमानेंट कमीशन में लेफ्टिनेंट कर्नल की पोस्ट ग्रुप ए के तहत आती हैं। अगर आप सीधा लेफ्टिनेंट कर्नल बनने के बारे में सोच रहे हैं तो हम आपको बता देते हैं कि आप गलत सोच रहे हैं, क्योंकि भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल डायरेक्ट नहीं बन सकते। यह प्रमोशन के बाद मिलने वाला एक पद है। इसके लिए सबसे पहले आपको इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट बनना होता है। उसके बाद जब आपका प्रमोशन होता है, तो इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल बना दिया जाता है।

सैलरी

भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की सैलरी कितनी होती है? आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल को हर महीने सैलरी के रूप में ₹56000 मिलते हैं। यह शुरुआती सैलरी है। समय के साथ सैलरी में वृद्धि होती हैं और हर महीने अन्य भत्ते भी दिए जाते हैं। तो इस प्रकार एक लेफ्टिनेंट कर्नल को हर महीने कुल 70,000/- से 75,000/- सैलरी के रूप में मिल जाते हैं।

योग्यता

भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल का पद कितना महत्वपूर्ण होता है, यह तो अब तक आप जान चुके हैं। तो अब आप यह भी जान लीजिए कि इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल बनने के लिए कौन-कौन सी योग्यता का होना जरूरी है? किन योग्यता के आधार पर लेफ्टिनेंट कर्नल बनाया जाता है? तो आइए जानते हैं

- *लेफ्टिनेंट कर्नल बनने के लिए सबसे पहले 12वीं कक्षा पास होना जरूरी है।*
- *12वीं कक्षा पास करने के बाद इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल बनाने के लिए एनडीए की परीक्षा देनी होती है।*
- *लेफ्टिनेंट कर्नल बनाने के लिए उम्मीदवार की आयु कम से कम 16 वर्ष निर्धारित की गई है।*
- *इंडियन आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल बनने के लिए उम्मीदवार की अधिकतम आयु सीमा 19 वर्ष निर्धारित की गई है।*
- *लेफ्टिनेंट कर्नल बनने के लिए आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को आयु सीमा में अतिरिक्त छूट दी गई है।*
- *आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल बनने के लिए टीईएस का एग्जाम देने वाले कैंडिडेट्स का साइंस स्ट्रीम से 12th पास होना जरूरी होता है।*
- *टीईएस परीक्षा वाले लेफ्टिनेंट कर्नल उम्मीदवार को 12th क्लास में 70% अंक प्राप्त करने अनिवार्य है।*
- *लेफ्टिनेंट कर्नल के उम्मीदवार जो टीईएस परीक्षा देने वाले हैं, उनके लिए 16 वर्ष से 19 वर्ष के बीच आयु सीमा निर्धारित की गई है।*
- *टीईएस परीक्षा वाले लेफ्टिनेंट कर्नल उम्मीदवार जो आरक्षित वर्ग से संबंध रखते हैं, उनके लिए आयु सीमा में अतिरिक्त छूट का प्रावधान किया गया है।*
- *यदि आप लेफ्टिनेंट कर्नल के लिए सीडीएस का एग्जाम देते हैं, तो इसके लिए आपके पास ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए।*
- *सीडीएस की परीक्षा देने वाले लेफ्टिनेंट कर्नल कैंडिडेट्स की आयु सीमा 19 वर्ष से 24 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है।*
- *सीडीएस परीक्षा देने वाले लेफ्टिनेंट कर्नल कैंडिडेट जो आरक्षित वर्ग से संबंध रखते हैं उन्हें आयु सीमा में अतिरिक्त छूट प्रदान की गई है।*

(विभिन्न वेबसाइटों और अन्य स्त्रोतों से प्राप्त की गई जानकारी)

सिलेक्शन प्रोसेस

एनडीए से लेफ्टिनेंट कर्नल कैसे बनें

एनडीए का फुल फॉर्म नेशनल डिफेंस एकेडमी होता है, जिसे हिंदी में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी कहते हैं। यह एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में 2 बार आयोजित करवाया जाता है। अगर आप एनडीए एग्जाम पास कर लेते हैं तो आपको 3 साल के लिए ट्रेनिंग पर भेजा जाता है। इसकी ट्रेनिंग खड़कवासरा पुणे में होती है। एक साल की ट्रेनिंग इंडियन मिलिट्री अकादमी में होती है। उसके बाद आप परमानेंट कमीशन में लेफ्टीनेंट बन जाते हैं।

सिलेक्शन प्रोसेस

एनडीए के तहत सबसे पहले आपका रिटेन एग्जाम होता है और उसके बाद इंटरव्यू लिया जाता है। अगर आप इन दोनों ही परीक्षा में पास हो जाते हैं, तो आपको आर्मी में मेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया जाता है और ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाता है।

लिखित परीक्षा

एनडीए रिटन एग्जाम में 2 पेपर होते हैं। पहला पेपर गणित विषय का और दूसरा पेपर जनरल एबिलिटी का होता है। गणित विषय के पहले पेपर में 300 अंक निर्धारित किया गया है जबकि दूसरा जनरल एबिलिटी वाला पेपर 600 अंकों के साथ आता है। इस परीक्षा के लिए आपको 2:30 घंटे का समय दिया जाता है।

इंटरव्यू

लिखित परीक्षा पास करने वाले उम्मीदवारों को इंटरव्यू एसएसबी के द्वारा लिया जाता है। इस इंटरव्यू में साइकोलॉजिक एवं सब्जेक्ट तथा इंटेलिजेंस से संबंधित प्रश्न पूछे जाते हैं। इंटरव्यू पास करने के बाद आपको आर्मी में मेजर की पोस्ट पर नियुक्त करके ट्रेनिंग के लिए भेज दिया जाएगा।

टीईएस एग्जाम से प्रोसेस

टीईएस का फुल फॉर्म टेक्निकल एंट्री स्कीम होता है। यह एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में 2 बार कराया जाता है। अगर आप टीईएस एग्जाम पास कर लेते हैं तो आपको इसकी ट्रेनिंग के लिए ओटीए यानी ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी भेज दिया जाता है। आपकी जानकारी के लिए बता देते हैं कि इसकी ट्रेनिंग 4 साल की होती है। अगर आप 4 साल की ट्रेनिंग पूरी कर लेते हैं तो आपको लेफ्टीनेंट कर्नल बना दिया जाता है।

टीईएस एग्जाम

टीईएस एग्जाम के तहत आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल बनने के लिए आपको रिटन टेस्ट नहीं देना होता है। टीईएस एग्जाम के तहत आपका सिलेक्शन 12वीं क्लास के नंबरों के आधार पर किया जाता है और इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। इस इंटरव्यू में आपको इंटेलिजेंस एवं साइकोलॉजि से संबंधित कुछ प्रश्न पूछे जाते हैं। अगर आप इंटरव्यू के लिए कर देते हैं तो आखिर में आपका मेडिकल टेस्ट होता है।

सीडीएस एग्जाम से सिलेक्शन प्रोसेस

सीडीएस का फुल फॉर्म कम्बाइंड डिफेंस सर्विस होता है। सीडीएस एग्जाम साल में 2 बार कराया जाता है। एग्जाम पास करने वाले उम्मीदवारों को ट्रेनिंग के लिए इंडियन मिलिट्री अकादमी देहरादून भेज दिया जाता है। 2 साल की ट्रेनिंग पूरी कर लेने के बाद आप आर्मी में लेफ्टीनेंट कर्नल बन सकते हैं।

सीडीएस लिखित परीक्षा

सीडीएस एग्जाम के तहत आपको रिटन एग्जाम देना होगा। इस एग्जाम में जनरल नॉलेज एवं एलिमेंट्री गणित से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। यह प्रश्न पत्र 100 अंकों का होता है जिसके लिए 2 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इस प्रश्न पत्र में सभी प्रश्न ऑब्जेक्टिव टाइप के होते हैं। इस परीक्षा को पास करने वाले उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है।

सीडीएस इंटरव्यू

अगर आप सीडीएस रिटेन एग्जाम पास कर लेते हैं तो आपको इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। यह इंटरव्यू एसएसबी द्वारा लिया जाता है। इस इंटरव्यू में आपसे जनरल नॉलेज के प्रश्न पूछे जाएंगे। इसे इंटरव्यू को पास करने वाले उम्मीदवारों को लेफ्टिनेंट कर्नल की पोस्ट के लिए ट्रेनिंग पर भेज दिया जाता है।

रामायण, गीता व महाभारत जैसे ग्रंथों से जीवन निर्माण और प्रबंधन कौशल सीखें

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

भारतीय संस्कृति और परंपराओं में जीवन निर्माण, प्रबंधन कौशल और जीवन-शिक्षा का विशेष महत्व है। रामायण, महाभारत और भगवद गीता जैसे ग्रंथ केवल धार्मिक पुस्तकें नहीं हैं। ये हमारे जीवन के प्रत्येक पहलू को समझाने और संवारने वाले अमूल्य स्रोत हैं। इन ग्रंथों में निहित ज्ञान हमारे चरित्र निर्माण और जीवन में सही दिशा देने में सहायक है। आइए, जानते हैं कि कैसे ये ग्रंथ हमारे जीवन को बेहतर बना सकते हैं। रामायण एक ऐसी महाकाव्य है जो आदर्श जीवन की एक उत्कृष्ट मिसाल प्रस्तुत करती है। श्री राम के जीवन से हमें अनुशासन, सत्यनिष्ठा, और सहनशीलता के गुण सीखने को मिलते हैं। जब हम रामायण के पात्रों को देखते हैं, तो हर पात्र अपने आप में एक संदेश लिए हुए है।

हमें ये गुण सीखने को मिलते

धैर्य और सहनशीलता: सीता के अपहरण के बाद भी श्री राम ने बिना क्रोध के, संयम से काम लिया और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष किया। इससे हमें सिखना चाहिए कि जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना धैर्य के साथ करना चाहिए।

समर्पण और सहयोग: हनुमान और सुग्रीव के समर्पण से हम यह सीखते हैं कि अपने जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए टीमवर्क और सहयोग का विशेष महत्व है।

भगवद गीता से प्रबंधन कौशल: भगवद गीता को विश्वभर में जीवन के गहनतम प्रश्नों के उत्तर के रूप में देखा जाता है। यह केवल एक धार्मिक पुस्तक नहीं, बल्कि उत्कृष्ट प्रबंधन और जीवन जीने की कला का ग्रंथ है। श्रीकृष्ण और अर्जुन के संवाद में निहित ज्ञान हमें बताता है कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में सही निर्णय लिए जा सकते हैं।

कर्तव्यपरायणता: गीता का सबसे महत्वपूर्ण संदेश है - कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। अर्थात हमारा अधिकार केवल कर्म करने पर है, उसके परिणाम पर नहीं। छात्रों के लिए यह संदेश महत्वपूर्ण है कि उन्हें अपने कार्य में ध्यान देना चाहिए, परिणाम अपने आप आएगा।

ध्यान और अनुशासन: गीता हमें मानसिक शांति, ध्यान और अनुशासन का महत्व सिखाती है, जो पढ़ाई के साथ-साथ जीवन में हर क्षेत्र में सफल होने के लिए आवश्यक हैं। मानसिक स्थिरता का अभ्यास हमें सही निर्णय लेने में मदद करता है।

संतुलन और आत्म-नियंत्रण: श्रीकृष्ण का अर्जुन को दिया गया यह संदेश कि किसी भी स्थिति में अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना आवश्यक है, छात्रों को यह सिखाता है कि कैसे संतुलित दृष्टिकोण से समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

घटनाएं अनमोल सबक सिखाती

महाभारत के विभिन्न पात्र और घटनाएं हमें जीवन के अनमोल सबक सिखाती हैं। महाभारत के हर पात्र का चरित्र छात्रों के लिए एक सबक है। जैसे अर्जुन का आत्म-संयम, युधिष्ठिर की धर्मपरायणता, द्रौपदी का साहस, और कर्ण का संघर्ष हमें जीवन में कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा देते हैं।

धार्मिकता और न्याय: युधिष्ठिर का धर्मपालन और सत्य पर दृढ़ रहना हमें जीवन में सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों को यह सीखना चाहिए कि कठिनाइयां कितनी भी हों, नैतिकता का पालन करना चाहिए।

साहस और आत्म-विश्वास: अर्जुन का आत्म-विश्वास और भीष्म का त्याग हमें सिखाता है कि हमें अपने निर्णयों पर विश्वास रखना चाहिए और साहसपूर्वक अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास करना चाहिए।

विरोधों में संयम: महाभारत की कहानी हमें यह भी सिखाती है कि जीवन में कई बार विरोध और संघर्ष होंगे, परंतु संयम, धैर्य और विवेक के साथ ही हम उन संघर्षों से जीत सकते हैं। रामायण, गीता और महाभारत हमारे प्राचीन ग्रंथ हैं जो सदियों से भारतीय समाज के लिए प्रेरणा स्रोत रहे हैं। ये ग्रंथ हमारे चरित्र निर्माण, जीवन और प्रबंधन कौशल को मजबूत करते हैं और हमें जीवन में सही दिशा में चलने की प्रेरणा देते हैं। छात्रों के लिए यह आवश्यक है कि वे इन ग्रंथों में निहित ज्ञान को आत्मसात करें और अपने जीवन को सफल बनाएं। आधुनिक जीवन में भी इन ग्रंथों की शिक्षाएँ उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी प्राचीन समय में थीं। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हमें अपने मूल्य, नैतिकता और कर्तव्य को समझने की आवश्यकता है, और ये सभी ज्ञान हमें हमारे शास्त्रों से ही मिलते हैं। भारतीय संस्कृति के तीन महान ग्रंथ रामायण, महाभारत और भगवद गीता ऐसे अद्भुत ग्रंथ हैं जिनमें जीवन की हर चुनौती का सामना करने और जीवन कौशल को विकसित करने के लिए अनमोल ज्ञान छिपा हुआ है।

सामान्य ज्ञान

1. इलेक्ट्रॉन के तरंग प्रकृति की खोज किसने की थी
(ए) थॉमसन
(बी) डी ब्रोग्ली
(सी) रदरफोर्ड
(डी) बोहर

2. तत्व के सबसे छोटे भाग को क्या कहते हैं
(ए) परमाणु
(बी) इलेक्ट्रॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) प्रोटॉन

3. डॉल्टन के परमाणु सिद्धांत के अनुसार कौन सा सबसे छोटा कण स्वतन्त्र रूप से रह सकता है
(ए) अणु
(बी) परमाणु
(सी) धनायन
(डी) ऋणायन

4. किसी परमाणु का रासायनिक व्यवहार निर्भर करता है, उसके -
(ए) न्यूक्लियस में प्रोटानो की संख्या पर
(बी) न्यूक्लियस में न्युट्रानो की संख्या पर
(सी) न्यूक्लियस के गिर्द घुम रहे इलेक्ट्रॉनो की संख्या पर
(डी) न्यूक्लियस में न्युक्लियनो की संख्या पर

5. द्रव्यमान संख्या' किसका योग है ?
(ए) केवल प्रोटान
(बी) इलेक्ट्रॉन और प्रोटान
(सी) इलेक्ट्रॉन और न्यूट्रान
(डी) प्रोटान और न्यूट्रान

6. किसी परमाणु के द्रव्यमान और द्रव्यमान संख्या के अंतर को कहते हैं
(ए) परमाणु क्रमांक
(बी) परमाणु संख्या
(सी) द्रव्यमान क्षति
(डी) इलेट्रॉनों की संख्या

7. किस न्यूक्लियर कण में कोई द्रव्यमान और आवेश नही होता ,किन्तु प्रचक्रण होता है
(ए) इलेक्ट्रॉन
(बी) प्रोटॉन
(सी) न्यूट्रॉन
(डी) मेसॉन

उत्तर 1.(बी) 2.(ए) 3.(बी) 4.(सी) 5.(डी) 6.(सी) 7.(सी)

चिंतन

दिवाली पर सभी प्रतिबंधों की उड़ी धज्जियां, बढ़ा प्रदूषण

बांदिवाली के बाद देश भर में शहरों का प्रदूषण स्तर बढ़ गया। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी), सर्वोच्च न्यायालय और शासन-प्रशासन की सख्त हिदायतों व पटाखा जलाने पर प्रतिबंधों के बावजूद लोगों ने खूब पटाखे जलाए, प्रतिबंधों की धज्जियां उड़ीं, जिससे शहरों की आबोहवा खराब हुई। कितना भी प्रतिबंध लगा दें, जागरूकता अभियान चला लें, लोग हैं कि मानते ही नहीं। इस बार दीपावली के दिन ही प्रदूषण के स्तर ने पिछले तीन वर्ष का रिकार्ड तोड़ा, मतलब दिल्ली में पिछले तीन वर्षों में सबसे प्रदूषित दिवाली इस साल दर्ज की गई। हर बार दिवाली से एक माह पहले से पटाखा नहीं जलाने, पराली जलाने पर रोक आदि की तैयारी शुरू होती है, स्थानीय प्रशासन की ओर से ग्रीन दिवाली के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाता है, लेकिन दीपावली के दिन लगता है जैसे लोगों को मालूम ही नहीं कि पटाखे नहीं जलाने हैं। लोग नियम तोड़ने में गुरेज नहीं करते हैं। कोई भी नियम जनहित के लिए ही बनाया जाता है, पर हमारे पढ़े लिखे लोग ही नियम तोड़ रहे होते हैं। हमें अगर स्वच्छ पर्यावरण चाहिए तो जनसहयोग के बिना संभव नहीं है। वैसे पुलिस प्रशासन को पटाखे पर प्रतिबंध के नियम को तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ा एक्शन लेना चाहिए, इससे समाज में कानून के पालन के प्रति एक वातावरण बनेगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शुक्रवार को 'बहुत खराब' श्रेणी में 362 दर्ज किया गया। दिवाली के दौरान लोगों ने राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों पर लगे प्रतिबंध का जमकर उल्लंघन किया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, बृहस्पतिवार को दिवाली पर दिल्ली का 24 घंटे का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 330 दर्ज किया गया, जबकि 2023 में यह 218 और 2022 में 312 था। दिल्ली के अधिकतर निगरानी केंद्रों ने प्रदूषण का एक जैसा स्तर दिखाया, और 39 में से 37 केंद्रों ने वायु गुणवत्ता को 'बहुत खराब' श्रेणी में बताया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब', 401 से 450 के बीच 'गंभीर' और 450 से ऊपर एक्यूआई को 'बेहद गंभीर' माना जाता है। पीएम 2.5 सूक्ष्म कणों की हवा में सांद्रता भी सुरक्षित सीमा से अधिक हो गई। पीएम 2.5 सूक्ष्म कण आसानी से श्वसन प्रणाली में प्रवेश कर जाते हैं और विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों और पहले से ही श्वसन संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा करते हैं। शुक्रवार की सुबह छह बजे दिल्ली में पीएम 2.5 की सांद्रता 207.8 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई। पीएम 2.5 की मौजूदगी की सुरक्षित सीमा 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.3 डिग्री अधिक 18.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में भी दिवाली के बाद प्रदूषण का स्तर गंभीर श्रेण में बढ़ गया। एनसीआर, हरियाणा, पंजाब के क्षेत्र में वायु प्रदूषण अधिक दर्ज किया गया। भारत विश्व में सल्फर डाइऑक्साइड का सबसे बड़ा उत्सर्जक है। बिजली संयंत्रों से निकलने वाला ये उत्सर्जन वायु प्रदूषण में महत्वपूर्ण कारक है। अहर हमें अपने वातावरण की आबोहवा ठीक रखनी है तो प्रदूषण फैलाने वाले कारकों के खिलाफ कड़े कदम उठाने ही होंगे। सरकारी प्रतिबंधों की पालना को सुनिश्चित करना होगा और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करनी होगी।

डिजिटल अरेस्ट ठगी का नया अस्त्र

साइबर क्राइम
विकेश कुमार बडोला

ऐसी इंटरनेट आधारित व्यवस्था किस काम की जिसके प्रबंधक, संचालक और नियंत्रक ठगों को पकड़कर जनता के सामने नहीं ला पा रहे हैं। शासन, प्रशासन और इंटरनेट व्यवस्थापक दोषियों को पकड़ कठोर दंड देने के बदले उलटे पीड़ित जनता से ही विनती कर रहे हैं कि लेन-देन में सावधानी और सतर्कता बरतें। यह स्थिति भ्रामक और दुखदायी है। सब कुछ ऑनलाइन करने का विचार ही मूर्खतापूर्ण विचार है। क्या ऑनलाइन कार्यक्रम साधारण व्यक्ति के कल्याण हेतु आरंभ हुआ था या इसमें निजी हित और स्वार्थ का गुप्त प्रयोजन था? इस संदर्भ में ऑनलाइन गतिविधियों के आरंभ होने से लेकर आज तक की इनकी वस्तुस्थिति के बारे में अवश्य पढ़ा व समझा जाना चाहिए।

डिजिटल अरेस्ट अर्थात ऑनलाइन ठगी के नवीनतम तरीके से पीड़ित के साथ ही शासन और प्रशासन भी निरुपाय होकर अत्याचार सहन कर रहे हैं। लेन-देन के लिए ऐसी इंटरनेट आधारित व्यवस्था किस काम की जिसके प्रबंधक, संचालक और नियंत्रक ठगों को पकड़कर जनता के सामने नहीं ला पा रहे हैं। शासन, प्रशासन और इंटरनेट व्यवस्थापक दोषियों को पकड़ कठोर दंड देने के बदले उलटे पीड़ित जनता से ही विनती कर रहे हैं कि लेन-देन में सावधानी और सतर्कता बरतें। यह स्थिति भ्रामक और दुखदायी है। सब कुछ ऑनलाइन करने का विचार ही मूर्खतापूर्ण विचार है। क्या ऑनलाइन कार्यक्रम साधारण व्यक्ति के कल्याण हेतु आरंभ हुआ था या इसमें निजी हित और स्वार्थ का गुप्त प्रयोजन था? इस संदर्भ में ऑनलाइन गतिविधियों के आरंभ होने से लेकर आज तक की इनकी वस्तुस्थिति के बारे में अवश्य पढ़ा व समझा जाना चाहिए। लैरी पेज और सर्गे ब्रिन नामक दो अमेरिकी कम्प्यूटर विज्ञानियों ने गूगल की स्थापना की थी। वर्तमान में एल्फाबेट आईएनसी गूगल की स्वामित्वधारक है। एल्फाबेट विश्व की सर्वाधिक शक्तिशाली कंपनियों में से एक है।

यह राजस्व अर्जन में दूसरी सबसे बड़ी प्रौद्योगिकी आधारित कंपनी है और अमेरिका की पांच बड़ी कंपनियों एमेजॉन, एप्पल, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट में से एक है। इस पर मूलतः अमेरिकी शासन और विशेषकर अनेक डेमोक्रेट्स सांसदों का नियंत्रण है। हालांकि साधारण वैश्विक दृष्टि में लैरी और सर्गे, कंपनी के अंशधारकों व एल्फाबेट बोर्ड के सदस्यों को आधिकारिक रूप में नियंत्रित करते हुए प्रतीत होते हैं किंतु वास्तविकता ये नहीं है। दुनियाभर में भिन्न-भिन्न राष्ट्रों की मूल सांस्कृतिक, सामाजिक और पारिवारिक गतिविधियों को पाखंड बताकर उनके स्थान पर चयनित आदतों, सेवाओं व वस्तुओं को अपनाने-खरीदने की मार्किटिंग करने वाले बड़े व्यवसायी ही गूगल, एमेजॉन, एप्पल, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियों को अपने अनुसार चला रहे हैं। कम्प्यूटर और इंटरनेट के इस काल में वामपंथी अपने षड्यंत्रों को गूगल, इत्यादि आईटी कंपनियों की भिन्न-भिन्न एप्लिकेशन्स के माध्यम से परिचालित करते रहे हैं। जब तक सोशल मीडिया के वीडियो चैनल्स जनता के प्रयोग-प्रसारण हेतु सहज उपलब्ध नहीं थे, तब तक उक्त षड्यंत्रों की जानकारी कुछेक जागरूक व्यक्तियों को ही हो पाती थी। ऐसे षड्यंत्र इस देश में सर्वाधिक हुए। आज भी भारत में स्वार्थी, लालची, असंवेदनशील और पथभ्रष्ट राजनेता, पत्रकार, सिनेमाकार, लेखक, संघ लोक सेवा आयोग के निरीक्षक-परीक्षक, क्रिकेटर, धन-संसाधन द्वारा संपन्न वर्ग विशेष, इत्यादि गूगल जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से यहां के आदिकालीन पारिवारिक-सांस्कृतिक व सामाजिक वातावरण को बहुविध हथकंडों से नष्ट-भ्रष्ट करने पर तुले हुए हैं। गूगल के संस्थापक, नियंत्रक, प्रबंधक, सूचना-प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ और कर्मचारियों के पास ऑनलाइन संचालन का अधिक से अधिक पचास वर्ष का अनुभव है। दुनिया के सभी देशों विशेषकर भारत में पचास वर्ष पूर्व न तो कम्प्यूटर और न ही इंटरनेट चालित ऑनलाइन गतिविधियों का अस्तित्व था। इसलिए भारत और दुनिया के शासन और शासकवर्ग को

विचार करना होगा कि केवल पचास वर्ष पुराना कम्प्यूटरजन्य गतिविधियों का अभ्यास सर्वथा दोषमुक्त कैसे हो सकता है! और जब तक ऐसा अभ्यास पूर्णतः दोषमुक्त नहीं हो जाता तब तक इसे धन के लेन-देन के लिए कदापि सुरक्षित नहीं माना जा सकता है। अतः शासकों द्वारा लेन-देन सहित सभी ऑनलाइन कार्यों हेतु संस्थानों एवं ग्राहकों/उपभोक्ताओं, सभी को इनके पुराने सुरक्षित विकल्प भी उपलब्ध कराये जाएं, ऑफलाइन विकल्पों को भी ऑनलाइन विसंगतियों की स्थिति में उपयोग हेतु सक्रिय रखा जाए। गत वर्ष डीपफेक का दोष परिलक्षित हुआ। इससे पहले के वर्षों में हैकिंग की घटनायें हो रही थीं। इससे भी पहले साइबर हमले हो रहे थे और आज डिजिटल अरेस्ट हो रहा है। कंप्यूटर और मास्टर मोबाइल फोन पर संचालित इंटरनेट के गुप्त दोषों से संबंधित उपरोक्त दोष-विशेषण अमेरिका से आयातित हैं। गूगल के स्वामियों, बड़े अंशधारकों और सीईओ ने इंटरनेट की असुरक्षा से संबंधित जो भी अंग्रेजी परिभाषा गढ़ी और जो भी विशेषण दिया, भारत के प्रधानमंत्री से लेकर आम जनता तक ने उसे हाथोंहाथ ले लिया। ये समस्याग्रस्त, हैकबाधित गूगल जैसी आईटी कंपनियों के साथ भारत में उनकी व्यापारिक गतिविधियों के प्रयोग-प्रसारण से पहले व्यावहारिक स्तर पर गहनतापूर्वक जांच-पड़ताल नहीं करते। गूगल इत्यादि आईटी कंपनियों के असुरक्षित कार्यक्रमों को देश में लागू करने से पहले भारतीय शासन, सत्यनिष्ठ सज्जन एक-एक भारतीय करदाता नागरिक के पास सर्वेक्षण करने नहीं आया था कि ऐसी कंपनियां चाहिये कि नहीं। यदि सर्वेक्षण होता और अधिसंख्य भारतीय करदाता नागरिक देश में इनके क्रियान्वयन की अनुमति नहीं देते तो क्या शासकवर्ग नागरिकों के साथ होता? उनके निर्णय का समर्थन करता? यह एक दिव्यकल्पना है। इस त्रासदी से उत्पीड़ित और डिजिटल अरेस्ट जैसी घटनाओं में ठगीग्रस्त लोगों के नागरिक, मौद्रिक, सामाजिक व व्यक्तिगत अधिकारों की संरक्षा करते हुए उन्हें त्वरित न्याय देने के बदले प्रधानमंत्री उल्टे उन्हीं से विनती कर रहे हैं कि वे ऑनलाइन लेन-देन में सावधानी बरतें। यदि सभी सावधानियां लोगों ने ही बरतनी हैं तो शासन-प्रशासन की शक्ति किसलिए है? फिर जनता ने मताधिकार देकर शासन की स्थापना क्यों व किसलिए की है? यदि साइबर, ऑनलाइन और इंटरनेट के ठगों को पकड़कर कठोर दंड देने की युक्तियां शासन-प्रशासन के पास नहीं हैं तो वे गूगल, एमेजॉन, माइक्रोसॉफ्ट, मेटा, एप्पल जैसी विशाल कंपनियों के संकेत पर स्थापित व क्रियान्वित अनेक आईटी कंपनियों के साथ व्यावसायिक अनुबंध क्यों कर रहे हैं? देश के नागरिक तो करदाताओं के स्वरूप में कर देने के अपने प्रथम कर्त्तव्य पर अडिग हैं। तब भी, उनमें से अधिसंख्य की इच्छा के विरुद्ध होने के बाद भी, उन्होंने शासन के अनियोजित ऑनलाइन कार्यक्रम अर्थात इंटरनेट द्वारा समस्त जैविक-दैनिक गतिविधियों के संचालन हेतु सहयोग किया और कर रहे हैं। अप्राकृतिक, स्वास्थ्यघाती व मनोविकार बढ़ाने वाले कारक होने के बाद भी उन्होंने इंटरनेट प्रायोजित सेवाओं और वस्तुओं का क्रय करने के लिए अपनी पूंजी व्यय की। वे गत दो-ढाई दशकों से इंटरनेट आधारित समस्त गतिविधियों को ग्राम, समाज, आजीविका, स्वास्थ्य, रिश्तों, उत्सवों, तन-मन की प्रकृति को खोने की कीमत पर अपनाते हुए आ रहे हैं। इसके उपरांत भी शासन, डिजिटल अरेस्ट की स्थिति में अरेस्ट हुए लोगों को हर्जाना, चहुंदिश सांत्वना देने और इंटरनेट के विकल्प के रूप में पहले जैसे कार्यक्रम उपलब्ध कराने के बदले उन्हीं से सावधान रहने का अनुरोध कर रहा है। यह तो लोगों पर अत्याचार है। यह साधारण लोगों की सीधी-सादी जिंदगी का सुख-चैन लूटने का शासकीय अभ्यास है। अब इससे मोहभंग होने लगा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

महाराष्ट्र चुनाव
डॉ. रमेश ठाकुर

क्या मनोज जरांगे बिगाड़ेंगे धुरंधरों का सियासी खेल

मौजूदा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की सियासी तस्वीर बड़ी दिलचस्प दिखाई पड़ने लगी है। दिलचस्प, इसलिए क्योंकि मराठा वोटों में इस बार एक नए-नवेले, अधनेता कहें तो भी चलेगा और जिसने मराठा आरक्षण की प्रदेश में कई महीनों से धुनी रमाई हो, नाम है मनोज जरांगे, ने अच्छे से मतदाताओं में सेंधमारी करके माहौल बना दिया है। आरक्षण की चाह में बेरोजगार युवा उनसे लगातार जुड़ रहे हैं, विश्वास करने लगे हैं। हालांकि, सियासी परीक्षा अभी मनोज जरांगे की होनी बाकी है। क्योंकि जरूरी नहीं कि जो किसी मुद्दे पर मुहीम चलाकर लोगों की भीड़ एकत्र कर ले और उसे वोटों में भी तब्दील कर ले। ऐसा अधिकांश अब होता नहीं? लेकिन इस दिशा में मनोज दमखम जबरदस्त दिखा रहे हैं। हालात ऐसे बन चुके हैं कि उनके दमखन ने न सिर्फ महायुति से जुड़े लोगों को, बल्कि महाविकास अघाड़ियों के नेताओं की भी नींदें हराम कर दी हैं। इसलिए कुल मिलाकर पूरी सियासी कहानी इस मर्तबा मराठा वोटों पर टिक गई है। ये तय है कि जो इस बहुसंख्यक समुदाय में सेंधमारी करेगा, नैय्या उसकी ही पार लगेगी। फिलहाल इसका फैसला तो 23 नवंबर की उस मुकर्रर तारीख को ही होगा, जब वोटों का पिटारा ईवीएम से बाहर निकलेगा। बहरहाल, इस चुनाव में सभी दलों के लिए चुनौती इसलिए है, क्योंकि बीते लोकसभा चुनाव से ही मराठा समुदाय एकजुट नहीं है, कई भागों में विभाजित हो गया है। कभी शिवसेना का आधिपत्य होता था ये समुदाय। लेकिन अब शिवसेना भी दो भागों में बंट चुकी है। वहीं, राजनीति के माहिर और चाणक्य खिलाड़ी कहे जाने वाले शरद पवार की पार्टी एनसीपी से भी कभी मराठे बहुतायत में जुड़े होते थे। उनकी भी पार्टी में दो फाड़ हो गए हैं। भतीजे अजीत पवार अपने साथ आधी एनसीपी को लेकर एनडीए का हिस्सा बन चुके हैं। बात जब मराठों की हो, और राज ठाकरे का जिक्र न हो, तो बात अधूरी रह जाती है। इस बार राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। उन्होंने 2014 और 2019 के विधानसभा में करीब ढाई से तीन फीसदी वोट पाया था। हालांकि सीटें प्रत्येक चुनाव में एक-एक ही जीती। लेकिन मराठा वोट उन्होंने बेहिसाब काटा था। वोट काटकर तमाम विरोधियों को हराने का काम किया। माहौल इस बार बदला हुआ है जिसे राज ठाकरे भी भांप चुके हैं। इस बार मराठा वोट काटने के लिए मनोज जरांगे मैदान में उतरे हैं। हालांकि उन्होंने कोई पार्टी-शार्टी नहीं बनाई है। पर, निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर अपने समर्थकों में से करीब 150 उम्मीदवारों की लिस्ट तैयार कर ली है। मनोज उन सीटों पर खासतौर पर ताल ठोकेंगे, जहां मराठा समुदाय की संख्या सर्वाधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी पकड़ कितनी है, उसका अंदाजा उनकी रैलियों में उमड़ते हजारों लोगों के जोश से लगाया जा सकता है। दिल्ली में एनडीए का शीर्ष नेतृत्व भांप चुका है कि महायुति के लिए सबसे बड़ा कांटा मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे बन गए हैं। करीब 32 फीसदी मराठा आबादी और छिटपुट अन्य समुदायों को मिलाकर 55 प्रतिशत प्रदेश की आबादी मनोज के ईदगिर्द घूम रही हैं। महायुति के लोग भयभीत इसलिए है कि मनोज ही वो फैक्टर है कि जिनके चलते लोकसभा चुनाव में महायुति को उतनी सफलता नहीं मिली, जितनी उम्मीद थी। फिलहाल, चुनावी बिगुल बजते ही जरांगे की अगुआई में घरों से बाहर निकल पड़ा है मराठा समुदाय। उनका काफिला बदलाव की ओर इशारा करता दिखने लगा है। दरअसल, भाजपा और उनके सहयोगी दलों से मनोज खासे नाराज हैं। मनोज अब खुलकर महायुति को ललकार रहे हैं। बोल रहे हैं कि सत्ता में नहीं आने देंगे। वह कहते हैं कि सवाल सिर्फ मराठों का नहीं, प्रदेश के वजूद का है। बोले, मैंने 14 महीने तक ताकत दिखाई, अब सभी से अनुरोध है कि मराठे अपनी ताकत और एकता दिखाएं। उन्होंने ये भी अनुरोध किया है कि मराठा सौ फीसदी मौजूदा चुनाव में मतदान करें। दरअसल, मनोज जरांगे इस बार समूचे प्रदेश में घूम-घूम कर लोगों से भावुक अपील कर रहे हैं। वो कहते हैं कि हर पिता चाहता है कि उसका बच्चा बड़ा होकर काबिल बनें, भविष्य में आगे बढ़ें। पर, हुकूमतें वैसा नहीं चाहती, वो सिर्फ वोट हासिल करती हैं। सरकारें मराठों को अपमानित कर रही हैं। इसलिए जब तक आरक्षण नहीं मिलेगा, हमें अपनी लड़ाई जारी रखनी होगी। ये समय मराठा हित के लिए एकजुट हो जाने का है। अब देखना होगा कि क्या ये अपार जनसमर्थन वोटों में तब्दील होगा, या फिर हरियाणा चुनाव में किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी जैसा होगा, जिन्होंने चुनाव में उतर कर अपनी जमानत तक जब्त करवा ली।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

डर का सामना करें, भागें नहीं

संकलित
शिक्षा

स्वामी विवेकानंदजी जी को बचपन में सब लोग बिले नाम से पुकारते थे। बाद में नरेन्द्र नाथ दत्त कहलाये। नरेन्द्रनाथ बहुत उत्साही और तेजस्वी बालक थे। इस बालक को बचपन से ही संगीत, खेलकूद और मैदानी गतिविधियों में रुचि थी। नरेन्द्रनाथ बचपन से ही अध्यात्मिक प्रकृति के थे और यह खेल–खेल में राम, सीता, शिव आदि मूर्तियों की पूजा करने में रम जाते थे। इनकी माँ इन्हें हमेशा रामायण व महाभारत की कहानियां सुनाती थी जिसे नरेन्द्रनाथ खूब चाव से सुनते थे। एक बार बनारस में स्वामी विवेकानंद जी माँ दुर्गा जी के मंदिर से निकल रहे थे कि तभी वहां पहले से मौजूद बहुत सारे बंदरों ने उन्हें घेर लिया। वे उनसे प्रसाद छिनने के लिए उनके नजदीक आने लगे। अपने तरफ आते देख कर स्वामी स्वामी जी बहुत भयभीत हो गए। खुद को बचाने के लिए भागने लगे। पर वे बंदर तो पीछा छोड़ने को तैयार ही नहीं थे। पास में खड़ा एक वृद्ध संन्यासी ये सब देख रहा था, उन्होंने स्वामी जी को रोका और कहा– रुको! डरो मत, उनका सामना करो और देखो कि क्या होता है। वृद्ध संन्यासी की बात सुनकर स्वामी जी में हिम्मत आ गई और तुरंत पलटे और बंदरों की तरफ बढ़ने लगे। तब उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब उनके सामना करने पर सभी बंदर भाग खड़े हुए थे। इस सलाह के लिए स्वामी जी ने संन्यासी को बहुत धन्यवाद दिया।इस घटना से स्वामी जी को साहस की एक गंभीर शिक्षा मिली और कई सालों बाद उन्होंने एक सभा में इस घटना का जिक्र किया।

संघर्ष का फल हमेशा सार्थक

संकलित
प्रेरणा

एक बार एक किसान परमात्मा से बड़ा नाराज हो गया। कभी बाढ़ आ जाये, कभी सूखा पड़ जाए, कभी धूप बहुत तेज हो जाए तो कभी ओले पड़ जाये। हर बार कुछ ना कुछ कारण से उसकी फसल थोड़ी ख़राब हो जाये। एक दिन बड़ा तंग आ कर उसने परमात्मा से कहा– देखिये प्रभु,आप परमात्मा हैं, लेकिन लगता है आपको खेती बाड़ी की ज्यादा जानकारी नहीं है, एक प्रार्थना है कि एक साल मुझे मौका दीजिये, जैसा मैं चाहूँ वैसा मौसम हो, फिर आप देखना मै कैसे अन्न के भण्डार भर दूंगा। परमात्मा मुस्कुराये और कहा– ठीक है, जैसा तुम कहोगे वैसा ही मौसम दूंगा, मै दखल नहीं करूँगा। अब, किसान ने गेहूं की फ़सल बोई, जब धूप चाही, तब धूप मिली, जब पानी चाहा तब पानी। समय के साथ फसल बढ़ी और किसान की ख़ुशी भी, क्योंकि ऐसी फसल तो आज तक नहीं हुई थी। फ़सल काटने का समय भी आया, किसान बड़े गर्व से फ़सल काटने गया, लेकिन जैसे ही फसल काटने लगा ,एकदम से छाती पर हाथ रख कर बैठ गया! गेहूं की एक भी बाली के अन्दर गेहूं नहीं था, सारी बालियाँ अन्दर से खाली थी, बड़ा दुखी होकर उसने परमात्मा से कहा – प्रभु ये क्या हुआ? तब परमात्मा बोले – ये तो होना ही था , तुमने पौधों को संघर्ष का ज़रा सा भी मौका नहीं दिया। उनको किसी प्रकार की चुनौती का अहसास जरा भी नहीं होने दिया, इसीलिए सब पौधे खोखले रह गए।

अंतर्मन

आज की पाती

रोक के बाद भी दिवाली पर पटाखे जला कर लोगों ने तोड़े नियम

सरकार ने इस बार भी दिवाली से पहले पटाखे जलाने पर प्रतिबंध लगाया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी पराली व पटाखे जलाने पर रोक के लिए सरकार को निर्देश दिया था। राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण, स्थानीय प्रशासन की सख्ती के बावजूद लोगों ने दिवाली के दिन खूब पटाखे जलाए, सवाल है आखिर पुलिस प्रशासन क्या कर रहा था, प्रतिबंधों की पालना सुनिश्चित क्यों नहीं किया गया। दोषियों के खिलाफ जब तक कई कार्रवाई नहीं होगी तब तक लोग मानेंगे। पटाखे जलाने से ध्वनि व वायु दो प्रदूषण होते हैं, अधिक आवाज दूसरे जीवों के लिए कष्टदायी होती है, आखिर इंसान ये बात कब समझेंगे। चंद मिनटों की खुशी के लिए ये अपने ही पर्यावरण को संकट में डालते हैं। खुशी प्रकट करने का तरीका पटाखा जलाना ही नहीं है। *–डोली शाह, सिलचर*

ट्रेंड

देवेन्द्र राणा को श्रद्धांजलि

देवेन्द्र सिंह राणा जी का असामयिक निधन स्तब्ध करने वाला है। उन्होंने हाल ही में जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव जीता था और वहां भाजपा को मजबूत बनाने में भी उल्लेखनीय भूमिका निभाई थी। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं।
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

स्थापना दिवस की बधाई

आज कर्नाटक, हरियाणा, पंजाब, तमिलनाडु और लक्षद्वीप आदि राज्यों के लोगों को उनके स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं। प्रत्येक राज्य का अद्वितीय योगदान हमें एक साथ बांधे रखने वाले बंधनों को समृद्ध और मजबूत करता है।
-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

हम विनाश को रोकेंगे

मैं कमला हैरिस और जो बिडेन के कारण पैदा हुई समस्याओं को ठीक करूंगा और लेबनान में पीड़ा और विनाश को रोकूंगा। मैं लेबनानी समुदाय के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।
-डोनाल्ड ट्रम्प, पूर्व राष्ट्रपति, यूएसए

नवप्रवर्तन विद्रोह का कार्य

रचनात्मकता विद्रोह का एक कार्य है, जो है और जो हो सकता है उसके विरुद्ध। नवप्रवर्तन विद्रोह का कार्य है। ब्रह्मांड अस्तित्व में है क्योंकि यह स्वयं के विरुद्ध विद्रोह की निरंतर स्थिति है, तो बगावत करना मत भूलना।
-शेखर कपूर, फिल्मकार

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
नजदीक इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक-124001 फोन: 9253681019-20
ई-मेल : haribhoomi@gmail.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

दिवस विशेष
डॉ. दयानंद कादयान

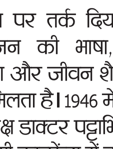

संघर्षमयी इतिहास है नवनिर्माण का

हरियाणा अब अपने गठन की अठावनवीं वर्षगांठ मना रहा है। हरियाणा के निर्माण का इतिहास संघर्षों से भरा-पूरा है।1857 के प्रथम स्वतंत्रताआंदोलन में सक्रिय भागीदारी के कारण इसके अधिकांश भू-भाग का फरवरी1858 में पंजाब राज्य में विलय हो गया था।सिर मुंडाते ही ओले पड़े की कहावत तत्कालीन पंजाब सरकार ने हरियाणा के साथ चरितार्थ की।हरियाणावासियों के साथ तत्कालीन हुक्मरानों ने सौतेला व्यवहार किया। इस सौतेलेपन की शिकार रही पीढी अपनी जिंदगी के आखिरी पड़ाव में है। लेकिन नई पीढी को उन परिस्थितियों व संघर्षों के बारे में जानना जरूरी है।अब तक उपलब्ध एतिहासिक आंकड़ों के अनुसार सबसे पहले 1925 में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के दिल्ली अधिवेशन में महम के पीरजादा मोहम्मद हुसैन ने हरियाणा इलाके को पंजाब से काटकर दिल्ली में मिलाने की मांग उठाई थी। 1928 के दिल्ली के सर्वदलीय सम्मेलन में भी यह मांग बुलंद हुई थी।9दिसंबर 1932 को हरियाणा व दिल्ली के राष्ट्रवादी नेता देशबंधु गुप्त ने हरियाणा की मांग को बड़े जोर शोर से उठाया था। इस पर तर्क दिया गया कि अंबाला डिविजन की भाषा, संस्कृति, इतिहास, परंपरा और जीवन शैली कुछ भी पंजाब से नहीं मिलता है। 1946 में कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष डाक्टर पट्टाभिसीतारमैया ने भारतीय भाषायी कान्फ्रेंस में हरियाणा की मांग को उचित ठहराया था।इस प्रकार 1947में स्वतंत्रता तक रह-रह कर वर्तमान हरियाणा को पंजाब से अलग करने की मांग उठती रही। हरियाणा की मांग को जब संजीवनी मिली,जब भाषाई राज्यों के के तहत पंजाबी सूबे की मांग उठी।अकाली नेता मास्टर तारा सिंह ने अपने पत्र 'अजीत' में पंजाबी सूबे से एक कदम आगे सिक्ख राज्य की मांग उठाई। हांलाकि उस समय पैप्सू में सक्रिय कम्युनिस्ट पार्टी ने अकाली नेता की मांग की खिल्ली उड़ाते हुए पंजाबी सूबे की मांग पुनः उठाई थी।जनसमर्थन को देखते हुए सरदार तारा सिंह ने भी पंजाबी सूबे का राग अलापना शुरू कर दिया।परंतु पंजाबी सूबे की मांग भी गौण होती चली गई।पंजाबी और हिंदी भाषाई प्रांतों के गठन की मांग अनसुनी होने पर भाषाई विभेद की समस्या उठ खड़ी हुई। पंजाबी भाषी लोगों ने हिंदी बोलने व प्रयोग में न लाने की कसमें खाई। हिंदी भाषियों ने पंजाबी से पहरेज का एलान किया।भाषा के साथ-साथ धर्म की समस्या ने भी मुंह खोलना शुरू कर दिया।समस्या की गंभीरता को देखते हुए पंजाब के तत्कालीन मुख्यमन्त्री भीमसेन सच्चर ने एक निदान सुझाया जिसे इतिहास में सच्चर फार्मूले के नाम से जाना जाता है।एक अक्तूबर 1949 से लागू सच्चर फार्मूले के अंतर्गत संयुक्त पंजाब को पंजाबी और हिंदी भाषी दो क्षेत्रों जालंधर डिविजन और रोहतक डिविजन में बांट दिया गया।पंजाबी क्षेत्र में अमृतसर, पटियाला, संगरूर, गुरदासपुर, भठिंडा, लुधियाना, अबोहर-फाजिल्का व जालंधर और हिन्दी भाषी क्षेत्र में तत्कालीन रोहतक, गुडगांव,करनाल,अंबाला की जगाधरी व नारायणगढ तहसील शामिल किए गए। पंजाबी क्षेत्र में गुरूमुखी व हिंदी क्षेत्र में देवनागरी लिपि का प्रयोग तय हुआ। हिन्दी भाषी क्षेत्र में पंजाबी और पंजाबी भाषी क्षेत्र में हिन्दी को दूसरी अनिवार्य भाषा के तौर पर पढाना तय हुआ। केंद्र सरकार ने1953 में भाषा व संस्कृति के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के लिए फजल अली आयोग का गठन किया गया।पंजाब विधानसभा में हरियाणा क्षेत्र के 22 विधायकों ने प्रोफेसर शेर सिंह की अगुवाई में एकमत से पंजाब से अलग करने की मांग आयोग के सामने रखी।लेकिन आयोग ने भो हरियाणा क्षेत्र की मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया। इसी बीच पंजाब सरकार ने भारत सरकार से मांग की कि पंजाब प्रांत को द्विभाषी घोषित करके उसे दो क्षेत्रों में बांट दिया जाए।इसमें गुरूमुखी व देवनागरी दोनों को सरकारी भाषा मान लिया जाए। पुनर्गठन आयोग की बेरूखी से निराश पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार से सिफारिश की कि पंजाब को भाषाई आधार पर दो रिजन में बांट दिया जाए। इस योजना को भी प्रताप सिंह कैरो ने सफल नहीं होने दिया।हिन्दी भाषी लोगों की जुबान पर गुरूमुखी रूपी ताला प्रतापसिंह कैरो ने लगाया। आर्य समाज द्वारा 30अप्रैल 1957 को हिन्दी रक्षा आंदोलन चलाया गया।यद्यपि इसे पंजाब आर्य प्रतिनिधि सभा के नेताओं महात्मा आनंद स्वामी,महाशय कृष्णलाल, सूरजभान, एन डी ग्रोवर ने शुरू किया था। इसमें हरियाणा क्षेत्र के आर्यसमाजी नेताओं प्रोफेसर शेर सिंह,स्वामी रामेश्वरानंद और आचार्य भगवान देव, पं जगदेव सिंह सिद्धांती व चौधरी देवीलाल आदि की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही।

(लेखक शिक्षाविद् हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि चार नवंबर

288 विधानसभा सीट पर 7,994 उम्मीदवार के नामांकन मिले वैध 20 नवंबर को एक ही चरण में डाले जाएंगे वोट, 23 को नतीजे

सत्ता के लिए मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ दलों के गठबंधन 'महायुति' और विपक्षी दलों के गठबंधन 'महा विकास आघाडी' (एमवीए) के बीच है, हालांकि छोटे दल और निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में हैं। महायुति गठबंधन में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं

भाषा ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में 288 विधानसभा क्षेत्र के लिए दाखिल 7,994 उम्मीदवार के नामांकन पत्र जांच के बाद वैध पाए गए। निर्वाचन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि 921 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र अवैध पाए गए। उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 22 अक्टूबर को शुरू हुई और 29 अक्टूबर को समाप्त हुई। नामांकन पत्रों की 30 अक्टूबर को जांच की गई, जबकि नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि चार नवंबर है। महाराष्ट्र में 288 सदस्यीय राज्य विधानसभा के लिए मतदान 20 नवंबर को होगा और नतीजे 23 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। सत्ता के लिए मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ दलों के गठबंधन 'महायुति' और विपक्षी दलों के गठबंधन 'महा विकास आघाडी' (एमवीए) के बीच है, हालांकि छोटे दल और निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में हैं। महायुति गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं जबकि विपक्षी दलों के गठबंधन महा विकास आघाडी में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राकांपा (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं।

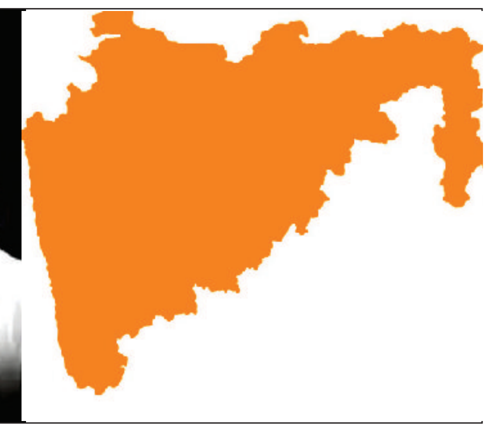

कोपरी और पचपखड़ी में दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद

ठाणे (भाषा)। महाराष्ट्र में ठाणे शहर का कोपरी-पचपखड़ी विधानसभा क्षेत्र मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गढ़ माना जाता है लेकिन इस बार के चुनाव में इस क्षेत्र में दिलचस्प मुकाबला होने की उम्मीद है क्योंकि प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) ने उनके (शिंदे) पूर्व राजनीतिक गुरु के भतीजे को चुनाव मैदान में उतारा है। शिंदे का लक्ष्य इस क्षेत्र से लगातार पांचवीं बार विधानसभा चुनाव जीतना है। वह पहली बार 2004 में ठाणे शहर के विधायक बने थे और कोपरी-पचपखड़ी के अलग होने के बाद उन्होंने 2009, 2014 और 2019 में नए निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की। उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) के ठाणे जिला प्रमुख केदार दिघे कभी विधायक नहीं रहे लेकिन उनका उपनाम लोगों को आकर्षित कर सकता है। उनके चाचा दिवंगत आनंद दिघे ठाणे क्षेत्र में शिवसेना के निर्विवाद कद्दावर नेता और शिंदे के राजनीतिक गुरु थे। शिंदे ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि वह आनंद दिघे की विरासत को आगे बढ़ाएंगे।

18-19 आयुवर्ग के 22.22 लाख मतदाता

9.7 करोड़ मतदाताओं में से 47,392 मतदाता शतायु

मुंबई। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदान करने के पात्र 9.7 करोड़ से अधिक मतदाताओं में से सौ वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 47,392 है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 18-19 आयुवर्ग के 22,22,704 मतदाता हैं, जबकि 100 वर्ष या उससे अधिक आयु के मतदाता (सबसे अधिक 109 वर्ष) 47,392 हैं। राज्य में 9,70,25,119 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें 5,00,22,739 पुरुष, 4,69,96,279 महिलाएं और 6,101 तृतीय लिंग के मतदाता हैं। महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीट के लिए 20 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

भाजपा नेता ने जताया कार्यकर्ताओं पर भरोसा

भाजपा के बागियों को मनाया जाएगा, वे हमारे अपने हैं : फडणवीस

नागपुर (भाषा)। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि विधानसभा चुनाव के लिए टिकट बंटवारे से असंतुष्ट होकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ बगावत करने वाले टिकट के दावेदारों को पार्टी के हित में काम करने के लिए मनाया जाएगा। वह अपने गृह नगर नागपुर में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। पूर्व मुख्यमंत्री 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से लड़ रहे हैं। मुंबई में पार्टी के बागियों के साथ भाजपा की महाराष्ट्र इकाई की बैठक के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, "वे हमारे अपने लोग हैं और उनसे बात करना और उन्हें मनाना हमारी जिम्मेदारी है। कई बार (टिकट वितरण पर) नाराजगी होती है, लेकिन हम उन सभी को पार्टी के लिए काम करने के लिए मनाने को लेकर आश्वस्त हैं।" विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तारीख चार नवंबर है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा अपने संगठनात्मक ढांचे और कार्यकर्ताओं के आधार पर चलती है, पार्टी को ऊर्जा कार्यकर्ताओं से मिलती है। उन्होंने कहा कि भाजपा में संगठन और कार्यकर्ता बहुत महत्वपूर्ण हैं जो पार्टी को जीत दिलाते हैं। फडणवीस ने कहा कि पिछले 30 से 32 वर्षों से वह लक्ष्मी पूजन के अवसर पर अन्य भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नागपुर में पार्टी कार्यालय जाते रहे हैं।

विदर्भ में किसानों की आत्महत्याएं फिर बना बड़ा चुनावी मुद्दा

यवतमाल (महाराष्ट्र) (भाषा)। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में किसानों की खुदकुशी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदेश में विधानसभा चुनाव के चलते यह मुद्दा एक बार फिर से सुर्खियों में है। किसान सरकार से कागजी घोषणाएं करने की बजाए मुद्रास्फीति की दर के आधार पर कपास और सोयाबीन की फसलों की उचित दर सुनिश्चित करने की अपील कर रहे हैं। विदर्भ के कृषि संकट का चेहरा बनकर उभरीं कलावती बंदुरकर ने पीटीआई .भाषा से बातचीत में सवालिया लहजे में कहा,"फसल की उचित कीमत नहीं मिलती, किसान कर्ज के जाल में फंसे हैं। उनसे खुदकशी के सिवाय और क्या उम्मीद की जा सकती है?" कलावती बंदुरकर यवतमाल के जलका गांव में एक किसान की विधवा हैं। राहुल गांधी 2008 में जलका गांव में उनके घर गए थे। इसके बाद वह विदर्भ के कृषि संकट का चेहरा बन गई थीं। उनका आरोप था कि किसान उपज की सही कीमत न मिलने की वजह से खुदकुशी कर रहे हैं। कलावती बंदुरकर ने कहा, "किसानों की उपज का सही दाम नहीं मिलेगा तो आत्महत्याएं कैसे रुकेंगी? किसान फसल उगाने के लिए एक-दो लाख रुपये कर्ज लेते हैं। खेती करते हैं, लेकिन बदले में उन्हें क्या मिलता है? कपास की कीमतें 10 साल से जस की तस बनी हुई हैं। सोयाबीन के रेट भी वही हैं। किसानों के लिए उपज की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है।₹ उनका कहना था, ₹ किसानों को उनकी फसलों की बेहतर कीमत मिलती तो वे समृद्ध होते और खुदकुशी नहीं करते, लेकिन अब किसान कर्ज के जाल में फंसे हुए हैं। आप उनसे खुदकुशी के सिवाय और क्या उम्मीद करते हैं।₹ विदर्भ क्षेत्र कपास और सोयाबीन की खेती के लिए मशहूर है। पिछले कुछ दशकों में बेमौसम बारिश, कम न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), फसल की कीमत में गिरावट और महंगाई की वजह से किसानों की आत्महत्या के मामले बढ़े हैं । किसानों का कहना था कि किसानों की आत्महत्याओं की समस्या के आधे-अधूरे ₹समाधान₹ और इस संकट से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति की कमी ने इसे गंभीर बना दिया है।

लातूर पुलिस के पास 897 लाइसेंसी हथियारों में से 668 जमा किए गए

लातूर (भाषा)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए 15 अक्टूबर को आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से लातूर में लोगों ने कुल 668 लाइसेंसी हथियार जमा किए हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अधिकारी ने बताया कि जिले में 897 लाइसेंसी हथियार हैं और शेष को भी एकत्र करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि अवैध रूप से पिस्तौल, तलवार, खंजर आदि हथियार रखने वाले लोगों के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत कुल 23 मामले दर्ज किए गए हैं।

खबर संक्षेप

दिल्ली में छठ पूजा पर सार्वजनिक अवकाश

नई दिल्ली (भाषा)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को घोषणा की कि सात नवंबर को छठ पूजा के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इससे पहले दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सात नवंबर को अवकाश घोषित करने का आग्रह किया था। छह पर्व बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से मनाया जाता है और अन्य राज्यों में रहने वाले इन क्षेत्रों के लोग भी इसे विशेष धूमधाम से मनाते हैं।

आंध्र प्रदेश में गैस सिलेंडर योजना 'दीपम -2' शुरू

श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को श्रीकाकुलम जिले के ईदुपुरम गांव में मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर वितरण योजना 'दीपम-2' की शुरुआत की। नागरिक आपूर्ति मंत्री एन मनोहर, केंद्रीय विमानन मंत्री के राममोहन नायडू और अन्य लोगों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने यहां एक महिला लाभार्थी के घर पर योजना की शुरुआत की।

कर्नाटक को प्रगतिशील होने के लिए दंडित न करें : सिद्धरमैया

बेंगलुरु (भाषा)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को करों के हस्तांतरण में न्याय की जरुरत पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा कि किसी को भी दुधारू गाय का पूरा दूध नहीं निकालना चाहिए, अन्यथा बछड़ा कुपोषित हो जाएगा। कर्नाटक के 69वें स्थापना दिवस के अवसर पर बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए सिद्धरमैया ने कहा कि कर्नाटक के साथ अन्याय हो रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य केंद्र सरकार को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व दे रहा है और महाराष्ट्र के बाद राजस्व देने वाला दूसरा सबसे बड़ा राज्य देश में कर्नाटक ही है।

2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद बनाया गया था केंद्र शासित प्रदेश

जम्मू-कश्मीर यूटी के स्थापना दिवस का नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस ने किया बहिष्कार

एलजी बोले- इन्होंने संविधान की शपथ ली, अब बहिष्कार कर रहे

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के 5वें स्थापना दिवस पर गुरुवार को श्रीनगर में ऑफिशियल इवेंट आयोजित किया गया था, जिसमें सत्ताधारी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के विधायकों ने बहिष्कार किया। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा कि वे जम्मू-कश्मीर को यूनियन टैरेटरी नहीं मानते हैं। जम्मू-कश्मीर को जल्द से जल्द स्टेटहुड मिलना चाहिए। इसे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दोनों पार्टियों का दोहरा चरित्र बताया है। एलजी ने कहा कि कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेताओं ने जम्मू-कश्मीर यूटी के विधायकों के रूप में संविधान की शपथ ली है। फिर वे ऑफिशियल इवेंट का बहिष्कार कैसे कर सकते हैं। एक तरफ वे शपथ लेकर विधायक बने, दूसरी तरफ आधिकारिक कार्यक्रम का बहिष्कार कर रहे हैं। यह इनका दोहरा चरित्र दर्शाता है। दरअसल, 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे।

कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा , जम्मू कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश नहीं मानते

उमर ने की थी पीएम मोदी से मुलाकात

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 23 अक्टूबर को गृह मंत्री अमित शाह और 24 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। इस दौरान उमर ने पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का आग्रह किया था। उन्हें इसी साल राज्य का दर्जा बहाल करने का आश्वासन मिला था। चुनाव के बाद गठित सरकार की पहली कैबिनेट मीटिंग में राज्य का दर्जा बहाल करने का प्रस्ताव पास करके उप-राज्यपाल को भेजा गया था। एलजी मनोज सिन्हा ने 19 अक्टूबर को प्रस्ताव मंजूर करने के बाद गृह मंत्रालय को भेज दिया था।

किस नेता ने क्या कहा

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला: *जम्मू-कश्मीर लंबे समय तक केंद्र शासित प्रदेश नहीं रहेगा। हम अपना राज्य का दर्जा वापस लेंगे। हम बिजली,सड़क, पानी और रोजगार की जरूरतों को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं। अगर हमारी पहचान कुछ नहीं है, तो इन विकास कार्यों का कोई मतलब नहीं है।*

पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती: *यह स्थापना दिवस नहीं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के लिए काला दिवस है। यह विकास का नहीं, बल्कि अधिकारों से दूर रखने की निशानी है। यह तब तक काला दिवस ही रहेगा जब तक राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता।*

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष तारीक कर्रा: *जम्मू-कश्मीर में कोई भी संवेदनशील व्यक्ति, जो केंद्र शासित प्रदेश और राज्य के बीच का अंतर समझता है, वह कभी भी इस दिन को नहीं मनाएगा। कांग्रेस ने कभी भी अपने दिल में जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश के रूप में मान्यता नहीं दी और हम राज्य के दर्जे के लिए संघर्ष करते रहेंगे।*

राहुल ने साझा की अपनी पीड़ा

मुझे '10 जनपथ' बहुत ज्यादा पसंद नहीं, क्योंकि यहीं रहते मेरे पिता की मृत्यु हुई

नेता प्रतिपक्ष ने दिवाली पर पेंटर के साथ किया काम, वीडियो किया शेयर

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि दिल्ली के लुटियन क्षेत्र स्थित सरकारी आवास '10 जनपथ' उन्हें बहुत ज्यादा पसंद नहीं हैं, क्योंकि यहीं रहते हुए उनके पिता राजीव गांधी की मृत्यु हुई थी। उन्होंने दिवाली के अवसर पर कुछ पेंटर और कुम्हार परिवारों के साथ बातचीत करने से जुड़े अपने एक वीडियो में यह टिप्पणी की। इस वीडियो में उनके साथ भांजे रेहान राजीव वाड्रा भी नजर आ रहे हैं। वीडियो में राहुल गांधी और रेहान पेंटरों के साथ काम करते भी देखे जा सकते हैं। इस वीडियो में राहुल गांधी अपने भांजे से कहते हैं, "यहां मेरे पिता की मौत हुई, इसलिए मुझे यह मकान बहुत ज्यादा पसंद नहीं है।" पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में आतंकवादियों ने हत्या कर दी थी। उस वक्त राजीव गांधी का आधिकारिक आवास '10 जनपथ' था। इसके बाद से उनकी पत्नी एवं कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी इसी आवास में रहती हैं। पिछली लोकसभा में एक अदालती फैसले के कारण अपनी सदस्यता जाने के बाद राहुल गांधी ने पिछले साल तुगलक लेन स्थित अपना आवास खाली कर दिया था और इसके बाद से वह अपनी मां के साथ रह रहे हैं।

कुम्हारों के अनुभवों को जाना

राहुल गांधी ने पेंटरों और कुम्हारों के परिवारों के साथ बातचीत में उनके अनुभवों और काम की स्थिति के बारे में जाना। उन्होंने अपने 'यूट्यूब' चैनल पर यह वीडियो पोस्ट करते हुए कहा, "एक यादगार दिवाली, खास लोगों के साथ। यह दिवाली कुछ पेंटर भाइयों के साथ काम कर, एक कुम्हार परिवार के साथ मिट्टी के दीये बनाकर मनाई। उनके काम को नजदीक से देखा, उनका हुनर सीखने की कोशिश की और उनकी तकलीफों एवं समस्याओं को समझा।'

प्रतिबंध का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई थी 377 टीमें

बेलगाम बिक्री, सीमित निगरानी के कारण दिल्ली में हुआ पटाखों पर प्रतिबंध का उल्लंघन : विशेषज्ञ

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

विशेषज्ञों का कहना है कि पाबंदी लागू करने में खामियों, सीमित निगरानी और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पटाखों की आसान उपलब्धता की वजह से दिवाली पर दिल्ली में पटाखों पर लगे प्रतिबंध का व्यापक उल्लंघन हुआ है। हालांकि, दिल्ली सरकार ने पटाखों पर प्रतिबंध का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए 377 टीम बनाई थीं और स्थानीय संघों के माध्यम से जागरूकता फैलाई थी, लेकिन शहर के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में बड़े पैमाने पर प्रतिबंधों के उल्लंघन की सूचना मिली है। विशेषज्ञों ने कहा कि अनियंत्रित बिक्री और पड़ोसी क्षेत्रों से पटाखों की आमद के साथ-साथ अधिकारियों की जमीन पर मौजूदगी के अभाव ने बड़े पैमाने पर प्रतिबंध के उल्लंघन में योगदान दिया, जिसकी वजह से शहर पर बृहस्पतिवार को धुंध की चादर छाई रही।

वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में पहुंचा

पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने में पुलिस रही नाकाम

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उन्होंने पटाखे जलाने के खिलाफ कई जागरूकता अभियान चलाए, लेकिन प्रतिबंध लागू करना दिल्ली पुलिस की जिम्मेदारी थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हालांकि, "प्रशासन की विफलता" के आरोप से इनकार किया और कहा कि प्रतिबंध का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। दिवाली की रात 10 बजे दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 330 यानी बहुत 'खराब' श्रेणी में रहा। आनंद विहार समेत प्रमुख क्षेत्रों में एक्यूआई गिरकर 'गंभीर' श्रेणी में चला गया, जबकि पीएम2.5 की मात्रा बढ़ गई, जिससे सांस से संबंधित समस्याएं होने की स्थिति पैदा हो गई। पर्यावरण विशेषज्ञों ने कहा कि कई प्राधिकारियों ने शहर में पटाखों की आपूर्ति और उपयोग को नियंत्रित करने के लिए सही ढंग से काम नहीं किया, जिससे प्रतिबंध का प्रभावी कार्यान्वयन चुनौतीपूर्ण हो गया। दक्षिणी दिल्ली में स्थित निवासी कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए), गैर सरकारी संगठनों और कार्यकर्ताओं के समूह 'सेव अवर सिटी' (एसओसी) के संयोजक राजीव काकरिया ने कहा कि दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया। उन्होंने कहा, "दिल्ली-एनसीआर की जगह-जगह से खुली सीमाओं के कारण लोगों के लिए बिना किसी कठिनाई के पटाखे खरीदना आसान रहा। यह प्रतिबंध लगाना चुनौतीपूर्ण है क्योंकि दिल्ली में तो पटाखों पर पाबंदी है, लेकिन पड़ोसी क्षेत्रों से ये आसानी से हासिल किए जा सकते हैं।" उन्होंने कहा, "सीमाओं पर उचित निगरानी नहीं की गई और दिवाली के दौरान पुलिस की गश्त भी सीमित थी।"

शाह ने गुजरात में कचरा से बिजली उत्पादन करने वाले सबसे बड़े संयंत्र का उद्घाटन किया

अहमदाबाद (भाषा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां 15 मेगावाट की क्षमता वाले एक विद्युत संयंत्र का उद्घाटन किया, जो बिजली उत्पादन के लिए ठोस कचरा का उपयोग करेगा। राज्य सरकार ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह संयंत्र अहमदाबाद के बाहरी इलाके में पीपलाज गांव के निकट 375 करोड़ रुपये की लागत से सार्वजनिक निजी साझेदारी (पीपीपी) के तहत स्थापित किया गया है। गुजरात में, कचरा से बिजली उत्पादन करने वाला यह सबसे बड़ा संयंत्र है। शाह बृहस्पतिवार से अपने गृह राज्य गुजरात के दौरे पर हैं। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेश पटेल की मौजूदगी में 15 मेगावाट की क्षमता वाले संयंत्र का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद, शाह ने संयंत्र परिसर में अधिकारियों से इसके संचालन के संबंध में जानकारी ली। विज्ञप्ति के मुताबिक, बिजली उत्पादन करने के अलावा, यह संयंत्र शहर को स्वच्छ रखने और प्रदूषण घटाने में भी मदद करेगा।

भाजपा विधायक और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के भाई देवेंद्र राणा का निधन

जम्मू (भाषा)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और नगरोटा सीट से विधायक देवेंद्र सिंह राणा का बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 59 वर्ष के थे। भाजपा के वरिष्ठ नेता के अनुसार, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह के भाई देवेंद्र राणा का हरियाणा के फरीदाबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज कराया जा रहा था। उनके परिवार में उनकी पत्नी गुंजन राणा, दो बेटियां देवयानी और केतकी तथा एक बेटा अधिराज सिंह है। राणा के निधन की खबर पहुंचने के बाद जम्मू के गांधीनगर इलाका स्थित उनके आवास पर नेताओं समेत सैकड़ों लोग एकत्र हुए। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह भी यहां पहुंचे। राणा ने व्यवसाय से राजनीति में कदम रखा था। वह जम्मू के डोगरा समुदाय की एक सशक्त आवाज माने जाते थे। जम्मू-कश्मीर में हाल में हुए विधानसभा चुनाव में देवेंद्र राणा ने नगरोटा सीट से दोबारा जाती हासिल की थी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राणा के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। उपराज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "देवेंद्र सिंह राणा का निधन हो जाने से हमने एक देशभक्त और व्यापक रूप से सम्मानित नेता को खो दिया है, जो जम्मू-कश्मीर के लोगों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध थे। मैं उनके परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। ओम शांति।'

बिबेक देबरॉयः शास्त्रीय संस्कृत और प्राचीन ग्रंथों में महारत रखने वाला अर्थशास्त्री

■ सरकार के भीतर और बाहर लंबे समय तक कार्यरत अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने कई विवादों को भी जन्म दिया।

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

शास्त्रीय संस्कृत और प्राचीन ग्रंथों का गहरा ज्ञान बिबेक देबरॉय को बाकी अर्थशास्त्रियों से अलग करता था। उन्हें अर्थशास्त्र के साथ पुराणों, वाल्मीकि रामायण और महाभारत के अनुवाद के लिए भी लंबे समय तक याद किया जाएगा। वे अपनी रुचियों और ज्ञान के क्षेत्र में बेमिसाल थे। संस्कृत ग्रंथों के अनुवाद के लिए उनके गहरे जुनून, रेलवे सुधारों के प्रति उनके समर्पण, फाउंटेन पेन में रुचि और भारतीय/हिंदू जीवन में कुत्तों की भूमिका जैसे कुछ असामान्य विषयों में शोध के लिए उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। देबरॉय (69) की आर्थिक रुचियों और शोध कार्यों में आर्थिक सिद्धांत, आय असमानता और बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण जैसे कई क्षेत्र शामिल थे। सरकार के भीतर और बाहर लंबे समय तक कार्यरत अर्थशास्त्री के रूप में उन्होंने कई विवादों को भी जन्म दिया। इसमें 2005 में राजीव गांधी समकालीन अध्ययन संस्थान के निदेशक (शोध) के रूप में एक विवाद भी शामिल है।

उन्होंने एक शोध पत्र में गुजरात को आर्थिक स्वतंत्रता देने के मामले में भारत में अग्रणी राज्य बताया था। कथित तौर पर इसके बाद उनका तबादला कर दिया गया था। उस शोध पत्र को जर्मनी स्थित फ्रेडरिक-नौमान स्टिफ्टंग ने प्रायोजित किया था और संस्थान के संचालन की देखरेख करने वाले राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) ने प्रकाशित किया था। इस साल सितंबर में देबरॉय ने गोखले राजनीति और अर्थशास्त्र संस्थान (जीआईपीई) के कुलाधिपति पद से इस्तीफा दे दिया था। बंबई उच्च न्यायालय ने संस्थान के कुलपति अजीत रानाडे को अंतरिम राहत दी थी, जिन्हें पहले उनके पद से हटा दिया गया था।

उन्हें दो महीने पहले ही जीआईपीई का कुलाधिपति नियुक्त किया गया था। यह भी एक अजीब संयोग है कि देबरॉय ने अपने निधन से चार दिन पहले इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक स्तंभ में लिखा था, ''बाहर एक दुनिया है जो मौजूद है। अगर मैं वहां नहीं हूं तो क्या होगा? वास्तव में क्या होगा।'' देबरॉय रामकृष्ण मिशन स्कूल, नरेंद्रपुर

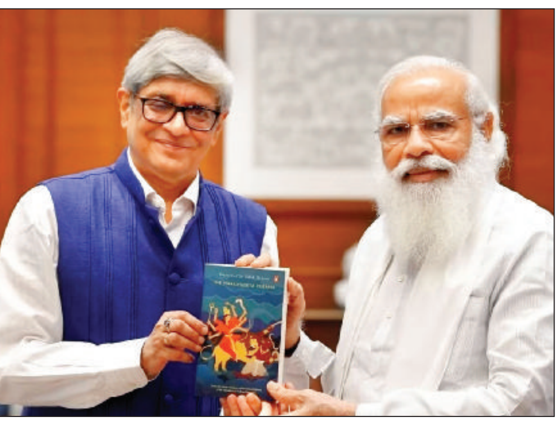

और प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता के पूर्व छात्र थे। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के बाद ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज से उच्च अध्ययन किया था। उन्होंने कोलकाता के प्रेसीडेंसी कॉलेज, पुणे के जीआईपीई, दिल्ली के भारतीय विदेश व्यापार संस्थान और कानूनी सुधारों पर वित्त मंत्रालय/ यूएनडीपी परियोजना के निदेशक के रूप में भी काम किया था। वह पांच जून, 2019 तक नीति आयोग के सदस्य भी थे। उन्होंने कई किताबें, शोधपत्र और लोकप्रिय लेख लिखे। साथ ही कई अखबारों के लिए लेख लिखते रहे। अर्थशास्त्र के अलावा उनकी दिलचस्पी प्राचीन भारतीय ग्रंथों और रेलवे में थी।

वर्ष 2016 में सरकार ने देबरॉय की अगुवाई वाली समिति की सिफारिशों के आधार पर ही रेल बजट को आम बजट में मिला देने का फैसला किया था। देबरॉय ने दर्जनों प्राचीन संस्कृत ग्रंथों का अंग्रेजी में अनुवाद किया। इनमें महाभारत के दस खंड, तीन खंडों वाली वाल्मीकि रामायण, शिव पुराण और लगभग एक दर्जन महापुराणों का संक्षिप्त संस्करण शामिल है। उन्होंने एक किताब 'सरमा एंड हर चिल्ड्रन' भी लिखी, जिसमें कुत्तों के प्रति उनके प्रेम के साथ हिंदू धर्म में उनकी रुचि को भी दर्शाया गया है।

देबरॉय को अभी बहुत कुछ करना थाः सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को प्रसिद्ध अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि वह प्राचीन ग्रंथों और संस्कृत के विद्वान थे तथा उन्होंने नीति निर्माण में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। देबरॉय (69) का शुक्रवार सुबह निधन हो गया। वह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन थे। सीतारमण ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, ''ईएसी-पीएम के चेयरमैन के तौर पर देबरॉय ने नीति निर्माण में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अन्य बातों के अलावा प्राचीन ग्रंथों, वैदिक एवं शास्त्रीय संस्कृत, देवी और रेलवे में उनकी विशेष रुचि थी। वे संस्कृत से अंग्रेजी में अनुवाद करने में बहुत कुशल थे।'' वित्त मंत्री ने कहा कि देबरॉय ने अपनी किताब 'सरमा एंड हर चिल्ड्रन' में हमारे प्राचीन ग्रंथों के कुछ अंश का जिक्र कर अपनी अद्भुत क्षमता को दर्शाया। उन्होंने कहा, ''बिबेक, आपको अभी बहुत कुछ करना था और उसे पूरा करना था - हम सबकी खातिर!'' भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी देबरॉय को प्राचीन भारतीय शास्त्रों के महान ज्ञाता, लेखक और अर्थशास्त्री बताया। ईएसी-पीएम के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि उन्होंने अपना ''एक मित्र, गुरु, मार्गदर्शक और सहयोगी खो दिया है।'' देबरॉय के निधन से चार दिन पहले इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक लेख का हवाला देते हुए सान्याल ने एक्स पर लिखा ''वे (देबरॉय) जानते थे...।'' स्तंभ में देबरॉय ने लिखा था, ''बाहर एक दुनिया है जो मौजूद है। अगर मैं वहां नहीं हूं तो क्या होगा? वास्तव में क्या होगा।'' देबरॉय रामकृष्ण मिशन स्कूल, नरेंद्रपुर और प्रेसीडेंसी कॉलेज, कोलकाता के पूर्व छात्र थे। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के बाद ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज से अपना उच्च अध्ययन किया था।

दोनों कंपनियों ने वाहनों के स्टॉक में कमी के लिए विक्रेताओं की आपूर्ति घटाई

मारुति, हुंदै की त्योहारी माह अक्टूबर में घरेलू थोक बिक्री कुछ नरम पड़ी

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

प्रमुख वाहन कंपनियों- मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) और हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) की त्योहारी माह अक्टूबर में बिक्री धीमी रही। दोनों कंपनियों ने वाहनों के स्टॉक में कमी लाने के लिए अधिकृत विक्रेताओं को आपूर्ति घटाई है। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी एमएसआई ने कहा कि अक्टूबर में उसकी कुल घरेलू यात्री वाहन थोक बिक्री पांच प्रतिशत घटकर 1,59,591 इकाई रही जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसने 1,68,047 वाहनों की बिक्री की थी। हालांकि, मारुति सुजुकी की अक्टूबर में कुल वाहन बिक्री चार प्रतिशत वृद्धि के साथ 2,06,434 इकाई रही। यह उसकी अब तक की सर्वाधिक मासिक बिक्री है।

एमएसआई के वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा कि कंपनी ने अक्टूबर में अपनी अब तक की सबसे अधिक खुदरा बिक्री दर्ज की। उन्होंने कहा, "हमारे सभी मॉडलों की खुदरा बिक्री बहुत अच्छी रही। इसकी वजह से हमने अपने नेटवर्क में वाहनों के स्टॉक में लगभग 40,000 इकाइयों तक कटौती की है। हमने अपने उत्पादन एवं आपूर्ति के बीच सामंजस्य स्थापित कर अपने नेटवर्क स्टॉक को करीब एक महीने पर ला दिया है।" मारुति की छोटी कारों की बिक्री साल भर पहले के 14,568 इकाइयों से घटकर 10,687 इकाई रह गई। वहीं कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री घटकर 65,948 इकाई रह गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 80,662 इकाई थी। ब्रेजा, ग्रैंड विटारा, अर्टिगा और एक्सएल6 समेत 'यूटिलिटी' वाहनों की बिक्री पिछले महीने 70,644 इकाई रही, जबकि साल भर पहले इसी महीने में 59,147 वाहन बिके थे। देश की दूसरी बड़ी वाहन विनिर्माता हुंदै मोटर इंडिया की अक्टूबर में घरेलू बिक्री मामूली रूप से बढ़कर 55,568 इकाई हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 55,128 इकाई थी। एचएमआईएल के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) तरुण गर्ग ने कहा, "हमने त्योहारी मौसम में अपने एसयूवी खंड में मजबूत मांग देखी। इस दौरान हमारी अब तक की सबसे अधिक मासिक एसयूवी बिक्री 37,902 इकाई रही। इसमें क्रेटा मॉडल के भी सर्वाधिक 17,497 वाहन शामिल हैं।" महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने कहा कि उसने पिछले महीने घरेलू बाजार में 25 प्रतिशत वृद्धि के साथ 54,504 बहुपयोगी वाहनों की थोक बिक्री की, जो पिछले साल इसी महीने में 43,708 इकाई थी। एमएंडएम के वाहन खंड के अध्यक्ष विजय नाकरा ने कहा, "हम अक्टूबर में 25 प्रतिशत वृद्धि के साथ 54,504 वाहनों की अब तक की सर्वाधिक एसयूवी बिक्री की और कुल बिक्री 20 प्रतिशत वृद्धि के साथ सर्वाधिक 96,648 इकाई रही।" टाटा मोटर्स ने कहा कि उसकी घरेलू यात्री वाहन बिक्री अक्टूबर में घटकर 48,131 इकाई रह गई, जो पिछले साल इसी महीने में 48,337 इकाई थी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अक्टूबर में 28,138 इकाइयों की घरेलू बिक्री की जो पिछले साल इसी महीने में 20,542 इकाई थी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की अक्टूबर में थोक बिक्री 31 प्रतिशत बढ़कर 7,045 इकाई हो गई। दोपहिया वाहन क्षेत्र में रॉयल एनफील्ड की अक्टूबर में घरेलू बाजार में थोक बिक्री 26 प्रतिशत बढ़कर 1,01,886 इकाई हो गई। कुल मिलाकर कंपनी ने 31 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1,10,574 दोपहिया वाहन बेचे। टीवीएस मोटर कंपनी की घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री अक्टूबर में 13 प्रतिशत बढ़कर 3,90,489 इकाई रही, जो पिछले साल इसी महीने में 3,44,957 इकाई थी।

सोना व चांदी के आभूषणों के निर्यात के लिए अपव्यय मानदंडों में संशोधन

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने सोने, चांदी और प्लेटिनम के आभूषणों के निर्यात के संबंध में अपव्यय (बर्बादी) की स्वीकृत मात्रा से संबंधित मानदंडों में शुक्रवार को संशोधन कर दिया। अपव्यय मानदंड सोने या चांदी की वह उचित मात्रा है जो निर्यात के लिए आभूषण बनाए जाते समय बर्बाद हो सकती है। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक सार्वजनिक सूचना में कहा, ''आभूषणों के निर्यात के संबंध में बर्बादी के उचित और मानक मानदंडों को संशोधित किया गया है।'' नए मानदंड अगले साल एक जनवरी से लागू होंगे। उद्योग के एक अधिकारी ने कहा कि अपव्यय मानदंडों को 27 मई को जारी पिछले मानदंडों से थोड़ा संशोधित किया गया है। पिछले मानदंड जारी होने पर उद्योग ने सरकार से इस मुद्दे पर विचार करने का आग्रह किया था। उसमें आभूषण श्रेणियों में अपव्यय मानदंडों को कम कर दिया गया था। वाणिज्य मंत्रालय ने इन चिंताओं पर गौर करने के बाद उन नियमों के कार्यान्वयन को दिसंबर 2024 तक के लिए टाल दिया था। अब मंत्रालय ने संशोधित मानदंड जारी कर दिए हैं और सोना-चांदी उद्योग ने इनका स्वागत किया है। मई में सादे सोने और प्लेटिनम के आभूषणों में वजन के हिसाब से अपव्यय 2.5 प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत और चांदी में 3.2 प्रतिशत से घटाकर 0.75 प्रतिशत कर दिया गया था। जड़ाऊ आभूषणों में, सोने, चांदी और प्लेटिनम के आभूषणों में अपव्यय को पहले के 5 प्रतिशत से घटाकर 0.75 प्रतिशत कर दिया गया था। शुक्रवार को घोषित नए मानदंडों के अनुसार, सोने और प्लेटिनम के हस्तनिर्मित आभूषणों में वर्तमान में लागू 2.5 प्रतिशत से 2.25 प्रतिशत की बर्बादी की अनुमति है और चांदी के आभूषणों में 3.2 प्रतिशत से 3 प्रतिशत की बर्बादी की अनुमति है। मशीनों द्वारा बनाए गए सोने और प्लेटिनम के आभूषणों के लिए 0.45 प्रतिशत बर्बादी की अनुमति है जबकि चांदी के मामले में यह 0.5 प्रतिशत तक कम हो गई है। सोने, चांदी और प्लेटिनम के जड़ाऊ हस्तनिर्मित आभूषणों में नए मानदंड चार प्रतिशत बर्बादी की अनुमति देते हैं।

अदाणी फर्म ने बिल बकाया होने पर बांग्लादेश को आधी बिजली आपूर्ति रोकी: रिपोर्ट

ढाका (भाषा)। बिजली कंपनी अदाणी पावर के पूर्ण-स्वामित्व वाली अनुषंगी अदाणी पावर झारखंड लिमिटेड (एपीजेएल) ने 84.6 करोड़ डॉलर का बिल बकाया होने की वजह से बांग्लादेश को अपनी बिजली आपूर्ति घटाकर आधा कर दी है। समाचार पत्र 'डेली स्टार' में शुक्रवार को प्रकाशित एक खबर के मुताबिक, पावर ग्रिड बांग्लादेश पीएलसी के आंकड़ों से पता चला है कि अदाणी समूह के बिजली संयंत्र ने बृहस्पतिवार रात को आपूर्ति कम कर दी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश ने बृहस्पतिवार और शुक्रवार के बीच की रात में 1,600 मेगावाट से अधिक बिजली की किल्लत की सूचना दी। इसकी वजह यह है कि करीब 1,496 मेगावाट क्षमता वाला संयंत्र अब एक इकाई से 700 मेगावाट बिजली का ही उत्पादन कर रहा है। इससे पहले अदाणी कंपनी ने बांग्लादेश के ऊर्जा सचिव को एक पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि बांग्लादेश बिजली विकास बोर्ड (पीडीबी) से 30 अक्टूबर तक बकाया राशि का भुगतान करने को कहा जाए।

अदाणी समूह की कंपनी ने 27 अक्टूबर को लिखे पत्र में कहा था कि यदि बकाया बिलों का भुगतान नहीं होता है तो वह 31 अक्टूबर को बिजली आपूर्ति निलंबित करके बिजली खरीद समझौते (पीपीए) के तहत उपतचारात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होगी।

जीएसटी संग्रह अक्टूबर में नौ प्रतिशत बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये पर

■ केकू केकू केकू केकू केकू केकू केकू केकू केकू

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का सकल राजस्व संग्रह अक्टूबर महीने में नौ प्रतिशत बढ़कर 1.87 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो दूसरा सर्वाधिक मासिक आंकड़ा है। घरेलू लेनदेन से अधिक राजस्व मिलने और अनुपालन में सुधार से जीएसटी संग्रह बढ़ा है। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर महीने में केंद्रीय जीएसटी संग्रह 33,821 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी 41,864 करोड़ रुपये, एकीकृत जीएसटी 99,111 करोड़ रुपये और उपकर 12,550 करोड़ रुपये रहा है।

पिछले महीने कुल सकल जीएसटी राजस्व 8.9 प्रतिशत बढ़कर 1,87,346 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में जीएसटी संग्रह 1.72 लाख करोड़ रुपये था। अक्टूबर, 2024 में दूसरा सर्वाधिक जीएसटी संग्रह दर्ज किया गया। अब तक का सबसे अधिक जीएसटी संग्रह अप्रैल, 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक था। आंकड़ों से पता चलता है कि घरेलू लेनदेन से जीएसटी संग्रह 10.6 प्रतिशत बढ़कर 1.42 लाख करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान आयात पर कर अक्टूबर, 2024 के दौरान लगभग चार प्रतिशत बढ़कर 45,096 करोड़ रुपये हो गया। अक्टूबर में 19,306 करोड़ रुपये के रिफंड जारी किए गए, जो पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 18.2 प्रतिशत अधिक है। रिफंड के समायोजन के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह आठ प्रतिशत बढ़कर 1.68 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

वित्तीय परामर्श कंपनी डेलॉइट इंडिया के पार्टनर एम एस मणि ने कहा कि जीएसटी संग्रह में उछाल त्योहारी सत्र की बिक्री और बढ़ते अनुपालन के कारण है।

उन्होंने कहा, " प्रतीत होता है कि इसका कारण घरेलू आपूर्ति है... जबकि कई बड़े राज्यों ने जीएसटी राजस्व में नौ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की है। उनमें से कुछ और कई छोटे राज्यों ने औसत से कम वृद्धि दिखाई है, जो उन राज्यों के लिए चिंता का विषय होगा।" हालांकि, ईवाई टैक्स के पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि मासिक जीएसटी संग्रह में एकल अंक की वृद्धि एक शांत अवधि का संकेत देती है। उन्होंने कहा कि यह भारत में उपभोक्ता खर्च में संभावित मंदी का संकेत देती है, जो पिछले वित्त वर्ष में बढ़ी थी।

वैश्विक जलवायु वित्त 2022 में 1.5 डेढ़ लाख करोड़ डॉलर हुआ, 2030 तक पांच गुना वृद्धि जरूरी: रिपोर्ट

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

जलवायु परिवर्तन से निपटने और अनुकूलन संबंधी कवायद में वैश्विक निवेश लगभग 1.5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। यह 2018 और 2022 के बीच दोगुना हो गया, लेकिन तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए इसे 2030 तक कम से कम पांच गुना बढ़ाना होगा। यह बात एक नए अध्ययन में कही गई है। वैश्विक विचार मंच 'क्लाइमेट पॉलिसी इनिशिएटिव' (सीपीआई) द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट 'द ग्लोबल लैंडस्केप ऑफ क्लाइमेट फाइनेंस 2024: इनसाइट्स फॉर सीओपी29' में कहा गया कि जलवायु वित्त वर्तमान में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के केवल एक प्रतिशत के बराबर है जो आवश्यक स्तर से बहुत कम है। उभरते बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) को जलवायु लक्ष्यों को पूरा करने के लिए 2030 तक अपने सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 6.5 प्रतिशत की आवश्यकता हो सकती है। सीपीआई में वैश्विक प्रबंध निदेशक बारबरा बुचनर ने कहा, ''हालांकि वैश्विक जलवायु वित्त के मामले में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन व्यापक कोष अंतर का समाधान करने के लिए एक अधिक महत्वाकांक्षी, सामंजस्यपूर्ण और प्रभावी दृष्टिकोण आवश्यक है।'' रिपोर्ट के अनुसार, वार्षिक जलवायु वित्त प्रवाह 2018 में 674 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2022 में 1.459 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गया। हालांकि, तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के वास्ते 2030 तक वार्षिक रूप से आवश्यक 7.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने के लिए अभी भी पांच गुना वृद्धि की आवश्यकता है।

लौह अयस्क, मैंगनीज अयस्क, प्राथमिक एल्युमीनियम का पहली छमाही में उत्पादन बढ़ा

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में लौह अयस्क, मैंगनीज अयस्क और प्राथमिक एल्युमीनियम का उत्पादन बढ़ा है। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। अस्थायी रूप से जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-सितंबर अवधि में लौह अयस्क का उत्पादन 5.5 प्रतिशत बढ़कर 13.5 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 12.8 करोड़ टन था। खान मंत्रालय ने बयान में कहा कि आलोच्य अवधि में मैंगनीज अयस्क का उत्पादन 6.2 प्रतिशत बढ़कर 17 लाख टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 16 लाख टन था। अलौह धातु क्षेत्र में पहली छमाही में प्राथमिक एल्युमीनियम उत्पादन 1.2 प्रतिशत बढ़कर 20.90 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 20.66 लाख टन था। मंत्रालय ने कहा, "आलोच्य अवधि के दौरान, परिष्कृत तांबे का उत्पादन 2.39 लाख टन से 4.6 प्रतिशत बढ़कर 2.50 लाख टन हो गया।" मूल्य के हिसाब से कुल खनिज उत्पादन में लौह अयस्क का हिस्सा लगभग 70 प्रतिशत है। वित्त वर्ष 2023-24 में लौह अयस्क का कुल उत्पादन 27.4 करोड़ टन था। चालू वित्त वर्ष में लौह अयस्क के उत्पादन में निरंतर वृद्धि इस्पात में मजबूत मांग की स्थिति को दर्शाती है। एल्युमीनियम और तांबे में वृद्धि के साथ ये रुझान ऊर्जा, बुनियादी ढांचे, निर्माण, वाहन और मशीनरी जैसे उपयोगकर्ता क्षेत्रों में निरंतर मजबूत आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं। भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा एल्युमीनियम उत्पादक, परिष्कृत तांबे के शीर्ष 10 उत्पादकों में से एक और चौथा सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक है।

महंगाई तेल कंपनियों का ऐलान, वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में लगातार चौथी मासिक वृद्धि

एटीएफ की कीमत में 3% की वृद्धि, कमर्शियल सिलेंडर के दाम 62 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़े

भाषा ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों के रुझान के अनुरूप विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में शुक्रवार को 3.3 प्रतिशत की वृद्धि की गई। वहीं होटल तथा रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी (19 किलोग्राम) सिलेंडर की कीमत 62 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ा दी गई। सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत 2,941.5 रुपये प्रति किलोलीटर या 3.3 प्रतिशत बढ़कर 90,538.72 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। यह वृद्धि दो दौर की कटौती के बाद की गई है, जिससे दरें इस साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई थीं। एटीएफ की कीमत में एक अक्टूबर को 6.3 प्रतिशत (5,883 रुपये प्रति किलोलीटर) की और एक सितंबर को 4,495.5 रुपये प्रति किलोलीटर या 4.58 प्रतिशत की कटौती की गई थी। मुंबई में एटीएफ की कीमत शुक्रवार को 81,866.13 रुपये प्रति किलोलीटर से बढ़कर 84,642.91 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई। तेल कंपनियों ने वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत भी 62 रुपये बढ़ाकर 1,802 रुपये प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर कर दी। यह वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में लगातार चौथी मासिक वृद्धि है। एक अक्टूबर को 48.5 रुपये की बढ़ोतरी से इसकी कीमत 1,740 रुपये हो गई थी। इससे पहले कीमत में एक अगस्त को 6.5 रुपये प्रति सिलेंडर और एक सितंबर को 39 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई थी। चार बार की बढ़ोतरी के बाद चार महीने में कीमतों में कटौती की गई है। मुंबई में अब वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर के लिए 1,754.50 रुपये, कोलकाता में 1,911.50 रुपये और चेन्नई में 1,964.50 रुपये है। हालांकि, घरेलू उपयोग में आने वाली रसोई गैस की कीमत 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर के लिए 803 रुपये पर अपरिवर्तित बनी हुई है। सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) हर महीने की पहली तारीख को बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय ईंधन की औसत कीमत और विदेशी विनिमय दर के आधार पर विमान ईंधन और रसोई गैस की कीमतों में संशोधन करती हैं। पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। मार्च के मध्य में कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई थी। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये प्रति लीटर है जबकि डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में संपत्तियों का पंजीकरण अक्टूबर में 22 प्रतिशत बढ़ाः रिपोर्ट

मुंबई (भाषा)। त्योहारी मौसम में अधिक मांग आने से अक्टूबर में मुंबई नगर निगम क्षेत्र में संपत्तियों के पंजीकरण की संख्या 22 प्रतिशत बढ़कर 12,960 इकाई हो गयी। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

एक साल पहले की समान अवधि में 10,607 संपत्तियों का पंजीकरण हुआ था। महाराष्ट्र सरकार के आंकड़ों पर आधारित रिपोर्ट कहती है कि मुंबई शहर में इस साल अक्टूबर के दौरान दो प्रमुख त्योहार- दशहरा एवं दिवाली होने से मांग अधिक रही और संपत्तियों का अधिक पंजीकरण हुआ। सलाहकार फर्म ने कहा, ''नवरात्रि से शुरू होने वाला त्योहारी मौसम संपत्ति की खरीद के लिए शुभ माना जाता है।''

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भारत ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी से पहले आपस में मैच खेलने की बजाय नेट अभ्यास को तरजीह दी

ChessBaseIndia/Shahid Ahmed

सबसे कम उम्र में फिडे रेटिंग हासिल करने वाले खिलाड़ी बने तीन साल के अनीश

कोलकाता। जहां उनकी उम्र के अधिकतर बच्चे पेप्पा पिग या छोटा भीम जैसे कार्टूनों को देखने या केवल खिलौनों के साथ खेलने में लीन रहते हैं, वहीं अनीश सरकार शतरंज की बिसात पर अपना दिमाग दौड़ाते हैं जिससे शुक्रवार को उन्होंने एक नया रिकॉर्ड भी स्थापित कर दिया। उत्तरी कोलकाता में रहने वाले अनीश महज तीन साल, आठ महीने और 19 दिन की उम्र में फिडे रेटिंग हासिल करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। अनीश का जन्म 26 जनवरी 2021 को हुआ था। उन्होंने अक्टूबर में पश्चिम बंगाल राज्य अंडर-नौ ओपन प्रतियोगिता से प्रतिस्पर्धी शतरंज में पदार्पण किया। इस युवा खिलाड़ी ने अपनी पहली प्रतियोगिता में ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए संभावित आठ में से 5.5 अंक हासिल किए।

भारत-आस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 22 नवंबर से होगा

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने आगामी आस्ट्रेलिया दौरे से पहले 'ए ' टीम के साथ तीन दिवसीय मैच रद कर दिया है क्योंकि टीम प्रबंधन अतिरिक्त नेट अभ्यास पर फोकस करना चाहता है। भारत और आस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगा। भारतीय टीम 15 से 17 नवंबर के बीच पर्थ में रूतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली भारत ए टीम से अभ्यास मैच खेलने वाली थी। भारत ए टीम फिलहाल अनधिकृत टेस्ट श्रृंखला के लिये आस्ट्रेलिया में है। पीटीआई को पता चला है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर और कुछ सीनियर खिलाड़ी नेट पर अधिक समय बिताना चाहते हैं। रोहित शर्मा की टीम न्यूजीलैंड से घरेलू श्रृंखला हारने के बाद आस्ट्रेलिया जायेगी। आस्ट्रेलिया में लगातार तीसरी टेस्ट श्रृंखला जीतने का लक्ष्य लेकर जाने वाली भारतीय टीम पर अतिरिक्त दबाव होगा क्योंकि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह भी दाव पर लगी है। समझा जाता है कि वाका की पिच पर्थ स्टेडियम की पिच की तरह है लिहाजा शीर्षक्रम के बल्लेबाज पिच पर अधिक समय बिताना चाहेंगे । ऐसे में टीम के भीतर आपस में मैच से बात नहीं बनेगी क्योंकि अगर कोई बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाता है तो उसे जल्दी दोबारा पिच पर उतरने का समय नहीं मिलेगा। भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया के पिछले दो दौरों पर अभ्यास मैच खेले थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका में पिछले साल सेंचुरियन में बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले जोहानिसबर्ग में टीम के आपस में मैच हुए थे।

खबर संक्षेप

धीमी गति वाली पिच पर गेंदबाजी करना कठिन

मुंबई। रविंद्र जडेजा टेस्ट क्रिकेट में एक बार फिर से पांच विकेट लेने से खुश हैं लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि धीमी गति वाली पिच पर उमस भरे हालात में गेंदबाजी करना बहुत कठिन काम था। जडेजा ने 14वीं बार पांच विकेट लेने का कारनामा किया। वह गुड लेंथ स्पॉट पर पिच करते हुए और विविधता भरे उछाल को अपने पक्ष में करते हुए खतरनाक दिख रहे थे। जडेजा का पिच का आकलन इस बात का भी संकेत था कि संभवतः रविचंद्रन अश्विन की गेंद की गति थोड़ी धीमी हो गई क्योंकि पिच से मदद लेने के लिए उन्हें अपने कंधों का अधिक इस्तेमाल करना था। जडेजा ने 'जियो सिनेमा' से कहा, ''मुझे लगा कि आपको (गति के मामले में) मिली जुली गेंदबाजी करने की आवश्यकता है।

हांगकांग सिक्सेस में पाकिस्तान से हारा भारत

हांगकांग। भारत गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण शुक्रवार को यहां हांगकांग सिक्सेस क्रिकेट टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से छह विकेट से हार गया। भरत चिपली ने रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटने से पहले 16 गेंद में 53 रन की तूफानी पारी खेली जिससे भारत ने निर्धारित छह ओवर में 119 रन बनाए। भारतीय कप्तान रॉबिन उथप्पा ने भी आठ गेंदों पर 31 रन का योगदान दिया। लेकिन भारतीय गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। पाक के बल्लेबाजों ने शुरू से ही दबदबा बनाए रखा और एक ओवर शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर दिया।

मालविका और आयुष हाइलो ओपन बैडमिंटन के सेमीफाइनल में

सारब्रुकन (जर्मनी)। भारत की उदीयमान खिलाड़ी मालविका बंसोड़ ने शुक्रवार को यहां वियतनाम की अपने से अधिक रैंकिंग वाली खिलाड़ी थेड यू लिन्ह गुयेन को हराकर हाइलो ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। महिलाओं के एकल वर्ग में छठी वरीयता प्राप्त मालविका ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अपनी चौथी वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंद्वी को 21-15, 21-17 से हराया। सेफा में मालविका का मुकाबला डेनमार्क की आठवीं वरीयता प्राप्त जूली डावल जैकबसेन से होगा। इस बीच आयुष शेट्टी ने फिनलैंड के कैले कोलजोएन को 21-18, 21-18 से हराकर पुरुष एकल सेफा में प्रवेश किया।

प्रणवी रियाद में संयुक्त 29वें स्थान पर

रियाद। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने बोगीरहित दो अंडर 70 का स्कोर करके आरामको टीम सीरिज गोल्फ के पहले दौर के बाद संयुक्त 29वां स्थान हासिल कर लिया। प्रणवी पिछले सप्ताह महिला इंडियन ओपन में संयुक्त 15वें स्थान पर रही थी। दीक्षा डागर एक ओवर 73 के स्कोर के साथ संयुक्त 67वें स्थान पर हैं। चार्ली हुल, पिया बाबनिक और लुना सोबरोन सात अंडर पार के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं।

स्पिनर्स छाए, जडेजा ने 5 और सुंदर ने 4 विकेट चटकाए

तीसरे टेस्ट के पहले दिन भारत ने न्यूजीलैंड को 235 रन पर समेटा

▶▶ टेस्ट मैचों में 14वीं बार 5 विकेट लेते ही जडेजा ने जहीर और ईशांत को पीछे छोड़ा

▶▶ भारत की बल्लेबाजी कमजोर पड़ी, आठ गेंद में तीन विकेट खोए

दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 86 रन पर 4 विकेट गंवाए

भाषा ▶▶ मुंबई

भारत ने रविंद्र जडेजा (पांच विकेट) और वाशिंगटन सुंदर (चार विकेट) की बदौलत शुक्रवार को तीसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन न्यूजीलैंड को 235 रन पर समेटकर अच्छी शुरूआत की लेकिन टीम के बल्लेबाजों ने 20 मिनट में ही लय गंवा दी जिससे स्टंप तक पहली पारी में उसका स्कोर चार विकेट पर 86 रन हो गया। बायें हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा ने 65 रन देकर पांच विकेट लिये जबकि आफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर ने 81 रन देकर चार विकेट चटकाये। लेकिन भारत की बल्लेबाजी कमजोर कड़ी बनी रही और टीम ने आठ गेंद के अंदर अपने तीन विकेट गंवा दिए, जिसकी शुरुआत यशस्वी जायसवाल (30) के अजीबोगरीब रिवर्स स्लॉग स्वीप शॉट से हुई।

टेस्ट मैचों में 14वीं बार पांच विकेट लेने के साथ ही जडेजा अपने पूर्व साथी तेज गेंदबाज जहीर खान और ईशांत शर्मा से आगे निकल गए तथा इस प्रारूप में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गए। जडेजा अब तक 314 विकेट के साथ सर्वकालिक सूची में हरभजन सिंह (417 विकेट) से पीछे हैं। बेंगलुरु में आठ विकेट और पुणे में 113 रन से हारने वाली भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए बेताब है लेकिन यह मुकाबला हाथ से फिसलता हुआ दिख रहा है। विराट कोहली (04) पहले दिन के खेल के अंतिम चरण में रन आउट हो गए जिससे भारत को गहरा झटका लगा।बल्लेबाजों के इस तरह जल्दी जल्दी आउट होता देख साफ दिख रहा है कि उनका आत्मविश्वास कम हो रहा है और रोहित शर्मा (18) भी उपयोगी पारी खेले बिना आउट हो गए। टीम के मजबूत बल्लेबाजी स्तंभ के आउट होने के दौरान जायसवाल और शुभमन गिल (31 रन बनाकर खेल रहे हैं) ने दूसरे विकेट के लिए 53 रन की साझेदारी निभाई। लेकिन जायसवाल के आउट होते ही यह टूट गई। वानखेड़े स्टेडियम में अपने घरेलू मैदान पर दूसरा ही टेस्ट खेल रहे रोहित ने कुछ आकर्षक शॉट लगाकर तेज शुरूआत की, लेकिन जीवनदान का पूरा फायदा नहीं उठा पाए जब विलियम ओरोरके ने फाइन लेग पर हेनरी की गेंद पर उन्हें आउट करने का मौका गंवा दिया। सातवें ओवर में रोहित गेंद की उछाल से हैरान दिखे और गेंद दूसरी स्लिप में खेल टॉम लैथम के पास चली गई। रोहित के आउट होने के बाद गिल क्रीज पर उतरे और उन्होंने जायसवाल के साथ मिलकर पारी को संभालने की कोशिश की। लेकिन जायसवाल आउट हो गये। इससे पहले भारतीय स्पिनरों ने दबदबा बनाया।

क्रिकेट

सुदर्शन और पड्डिकल ने भारत ए की स्थिति संभाली

भाषा ▶▶ मैके (आस्ट्रेलिया)

■ आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ टेस्ट के दूसरे दिन 120 रन की बढ़त बनाई

तेज गेंदबाज मुकेश कुमार के छह विकेट के बाद युवा साइ सुदर्शन और देवदत्त पड्डिकल के अर्धशतकों की मदद से भारत ए ने आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ अनधिकृत टेस्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को 120 रन की बढत बना ली। मुकेश ने 46 रन देकर छह विकेट लिये जिससे भारत ए ने आस्ट्रेलिया ए को पहली पारी में 195 रन पर रोक दिया।

भारत ए को पहली पारी में 107 रन पर आउट करने के बाद आस्ट्रेलिया ए को 88 रन की बढत मिल गई थी। भारत ए की शुरूआत दूसरी पारी में भी खराब रही जब कप्तान रूतुराज गायकवाड़ पांच रन बनाकर और सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन 12 रन बनाकर आउट हो गए।

भारत ने दो विकेट 8.5 ओवर में 30 रन पर गंवा दिये। इसके बाद पड्डिकल और सुदर्शन ने टीम को दो विकेट पर 208 रन तक पहुंचाया। पहली पारी में खाता भी नहीं खोल सके गायकवाड़ ने फर्गुस ओ नील की गेंद पर दूसरी स्लिप में कैमरन बेनक्राफ्ट को कैच थमाया। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार चार शतक जमाकर कप्तान रोहित शर्मा के कवर के तौर पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में सीनियर टीम में जगह पाने वाले ईश्वरन रन आउट हो गए।

इसके बाद सुदर्शन और पड्डिकल ने 178 रन की अटूट साझेदारी की। सुदर्शन ने 185 गेंद में 96 रन बनाये जबकि पड्डिकल 167 गेंद में 80 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत ए के पास अब 120 रन की बढत है जबकि मैच के दो दिन बाकी हैं। दूसरा और आखिरी अनधिकृत टेस्ट मेलबर्न में सात नवंबर से खेला जायेगा। इससे पहले चार विकेट पर 99 रन से आगे खेलते हुए आस्ट्रेलिया के नाथन मैकस्वीनी (39) और कूपर कोनोली (37) ने पांचवें विकेट के लिये 51 रन जोड़े।

वेस्टइंडीज ने वर्षाबाधित पहले वनडे में इंग्लैंड को आठ विकेट से दी करारी मात

एजेंसी ▶▶ नॉर्थ साउंट (एंटीगा)

■ एविन लुईस ने 94 रन की शानदार पारी खेली

■ वेस्टइंडीज को डकवर्थ लुईस के आधार पर 157 रन का लक्ष्य मिला

एविन लुईस के 94 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने वर्षाबाधित पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया। पहली बार कप्तानी कर रहे लियाम लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड के लिये सर्वाधिक 48 रन बनाये। इंग्लैंड की टीम 45.1 ओवर में 209 रन पर आउट हो गई। जवाब में वेस्टइंडीज के लिये लुईस ने 69 गेंद में आठ छक्कों की मदद से 94 रन बनाये। वेस्टइंडीज को डकवर्थ लुईस प्रधाली के आधार पर 157 रन का संशोधित लक्ष्य मिला था और टीम 13 रन दूर थी जब लुईस आउट हो गए। लुईस ने अपना अर्धशतक 46 गेंद में पूरा किया और बारिश आने के समय वेस्टइंडीज का स्कोर बिना किसी नुकसान के 81 रन था। वह डकवर्थ लुईस प्रणाली से 48 रन आगे थी। इसके बाद हालांकि

20 ओवर का खेल और हुआ। लुईस और ब्रेंडन किंग ने पहले विकेट के लिये 118 रन जोड़े जिसमें किंग का योगदान 30 रन का था।

पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए शीघ्र वीजा जारी करने का आश्वासन दिया

भाषा ▶▶ लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष और केंद्र सरकार में मंत्री मोहसिन नकवी ने अगले साल होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के मैच देखने के लिए उनके देश आने के इच्छुक भारतीय प्रशंसकों के लिए त्वरित वीजा जारी करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने अमेरिका के सिख तीर्थयात्रियों के एक समूह के साथ बैठक के दौरान यह आश्वासन दिया। नकवी ने कहा कि पीसीबी को उम्मीद है कि चैंपियंस ट्रॉफी के मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में भारत के क्रिकेट प्रेमी पाकिस्तान के दौरे पर आएंगे। वह चाहते हैं कि भारतीय प्रशंसक पाकिस्तान आकर लाहौर में इन दोनों देशों के बीच होने वाले मैच को देखें। एक अखबार ने नकवी के हवाले से कहा, ''हम भारतीय प्रशंसकों के लिए टिकटों का एक विशेष कोटा रखेंगे और हम जल्द से जल्द वीजा जारी करने के लिए उपयुक्त कदम उठाएंगे।'' पाकिस्तान अगले साल फरवरी मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अब तक इसका कार्यक्रम जारी नहीं किया है क्योंकि वह इस बात की पुष्टि चाहता है कि भारत सरकार इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अपनी टीम को पाकिस्तान की यात्रा करने की अनुमति देगी या नहीं।

आईपीएल नीलामी: अय्यर, अर्शदीप, वाशिंगटन, सिराज और शमी भी पूल में होंगे

पंत के लिए लगेगी बोली, राहुल-अय्यर भी दावेदार

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के कई मालिक ऋषभ पंत और केएल राहुल जैसे सितारों को खरीदने के लिए आगामी खिलाड़ियों की नीलामी का बेसब्री से इंतजार कर रहे होंगे और पूल में उपलब्ध भारतीय प्रतिभाओं को देखते हुए इस नीलामी में रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है। पंत और राहुल के अलावा श्रेयस अय्यर, अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी भी नीलामी पूल में होंगे। इन सभी की मौजूदगी से बोली के लिए टीम मालिकों के बीच जंग शुरू हो

सकती है, लेकिन दिसंबर के तीसरे हफ्ते में होने वाली दो दिन की नीलामी में पंत सभी के आकर्षण का केंद्र होंगे। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों पर 75 करोड़ रुपये के 'रिटेंशन कैप' और 'राइट टू मैच' कार्ड से यह नीलामी निश्चित रूप से दिलचस्प होगी क्योंकि अपना 'रिटेंशन' कोटा खत्म करने वाली कुछ टीमों को अब कम राशि में ही कम से कम 15 और खिलाड़ियों को शामिल करना होगा। लेकिन पंजाब किंग्स (110.5 करोड़ रुपये) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (83 करोड़ रुपये) जैसी कुछ अन्य टीमें कुछ अच्छी कीमत की बोली लगा सकती हैं।

इससे पहले कभी भी किसी भी नीलामी में तीन आईपीएल कप्तान पूल में नहीं दिखे जिसमें दिल्ली कैपिटल्स के पंत, गत विजेता कोलकाता नाइट राइडर्स के अय्यर और लखनऊ सुपर जायंट्स के केएल राहुल शामिल हैं। वेतन को छोड़ दें तो पंत अपने सह-मालिक जीएमआर द्वारा अंकुश लगाने से खुश नहीं थे। यह भी पता चला है कि वह हेमंग बदानी को मुख्य कोच और वाई वेणुगोपाल राव को टीम निदेशक के रूप में नियुक्त करने से भी खुश नहीं थे। वहीं अय्यर को लगा कि आईपीएल विजेता कप्तान के रूप में उनका 12.25 करोड़ रुपये का मौजूदा वेतन कम हैं और वह इससे ज्यादा के हकदार हैं। पर केकेआर के मालिक ऐसा नहीं मानते। राहुल के लिए का टी20 क्रिकेट के प्रति रवैया लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिकों की उम्मीदों से मेल नहीं खाता था। तीनों के लिए निश्चित रूप से अच्छी कीमत की बोली लगेगी लेकिन पंत आईपीएल के सबसे ज्यादा भुगतान पाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं।

देशभर में धूमधाम से मनाया गया दीपावली का त्योहार

मोदी ने 11वीं बार जवानों के बीच मनाई दिवाली

इस साल गुजरात के कच्छ गए, सबसे ज्यादा 4 बार जम्मू-कश्मीर

कच्छ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 11वीं बार जवानों के साथ दिवाली मनाई। पीएम गुजरात के कच्छ पहुंचे। यहां उन्होंने बीएसएफ, आर्मी, नेवी और एयरफोर्स के जवानों को मिठाई खिलाई। पीएम 11 साल में सबसे ज्यादा 4 बार जम्मू-कश्मीर में जवानों के बीच पहुंचे। इससे पहले मोदी सरदार वल्लभभाई पटेल की 149वीं जयंती और एकता दिवस के मौके पर गुजरात के केवड़िया पहुंचे थे। पीएम ने कहा कि आज कोई अगर कोई कहता है कि एक हैं तो सेफ हैं तो कुछ लोग इसे गलत बताने लगते हैं। इन लोगों को देश की एकता अखर रही है। हमें ऐसी प्रवृत्ति से पहले से भी ज्यादा सावधान रहने की जरूरत है।

देश भर में त्योहार की खुशियां दिखाती तस्वीरें

खबर संक्षेप

पाक के बलूचिस्तान प्रांत में विस्फोट, नौ की मौत

इस्लामाबाद/कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में शुक्रवार को एक पुलिस वाहन को निशाना बनाकर किए गए बम विस्फोट में स्कूली बच्चों को ले जा रहे एक ऑटोरिक्शा में पांच बच्चों समेत कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। विस्फोट सुबह आठ बजकर 35 मिनट पर प्रांत के मस्तुंग जिले के सिविल अस्पताल चौक स्थित एक कन्या माध्यमिक स्कूल के पास हुआ। मस्तुंग के उपायुक्त बाज मुहम्मद ने कहा कि मृतकों की संख्या नौ हो गई है। "मृतकों में पांच लड़कियां, एक लड़का, एक पुलिस अधिकारी और दो अन्य व्यक्ति हैं।

स्पेन में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 205 हुई

चिवा (स्पेन)। स्पेन के शहरों में अचानक आई भीषण बाढ़ के तीन दिन बाद शुक्रवार को मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 205 हो गई जिनमें से 202 लोग केवल वालेंसिया के हैं। स्पेन के आपातकालीन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इस आपदा के बाद जहां लोगों में गुस्सा और निराशा दिखी, वहीं लोगो में एकजुटता भी देखने को मिली। स्पेन के पूर्वी हिस्से में अचानक आई भीषण बाढ़ के तीन दिन बाद बचावकर्मी शुक्रवार को भी फंसी कारों और इमारतों में शवों की तलाश कर रहे थे। कई लोग अब भी लापता हैं।

एंजेलिना जोली को गोथम अवाड्र्स में 'परफॉर्मर ट्रिब्यूट' से किया सम्मानित

लॉस एंजिलिस (भाषा)। हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली को न्यूयॉर्क

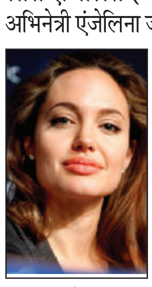

शहर में आयोजित किए जा रहे 34वें गोथम पुरस्कार समारोह में 'परफॉर्मर ट्रिब्यूट' से सम्मानित किया जाएगा। गोथम फिल्म एंड मीडिया इंस्टीट्यूट ने एक बयान में यह जानकारी दी। गोथम फिल्म एंड मीडिया इंस्टीट्यूट ने बयान में बताया कि ऑस्कर विजेता अभिनेत्री को फिल्म निर्माता पाब्लो लारैन की फिल्म 'मारिया' में उनकी भूमिका के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार समारोह दो दिसंबर को न्यूयॉर्क शहर के सिप्रियानी वॉल स्ट्रीट में आयोजित किया जाएगा।

अमेरिका में अगले सप्ताह राष्ट्रपति चुनाव, प्रतिद्वंद्वी साध रहे निशाना

डोनाल्ड ट्रंप अस्थिर, बदले और जलन की भावना से भरे हुए हैं : कमला हैरिस

भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक नेता हैरिस ने जनसभा को किया संबोधित

एजेंसी ▶▶ फिलाडेल्फिया

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने देश में अगले सप्ताह होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव से पहले अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी पर निशाना साधते हुए शुक्रवार को कहा कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तेजी से संतुलन खोते जा रहे हैं, उनमें बदला लेने की भावना है और वह बेलगाम सत्ता चाहते हैं। भारतीय मूल की डेमोक्रेटिक नेता हैरिस ने लास वेगास में एक रैली के दौरान कहा कि ट्रंप केवल ''घृणा'' और विभाजन के बारे में सोचते हैं। उन्होंने कहा कि यदि ट्रंप चुनाव जीत जाते हैं तो वह 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में 'दुश्मनों की सूची' लेकर आएंगे, जबकि यदि वह चुनाव जीतती हैं तो वह ''किए जाने वाले कार्यों की सूची'' लेकर आएंगी। गायिका जेनिफर लोपेज भी रैली में डेमोक्रेटिक नेता के साथ शामिल हुईं। हैरिस ने रैली में कहा, ''हम सभी जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप कौन हैं। वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो आपके जीवन को बेहतर बनाने के बारे में सोचते हैं।

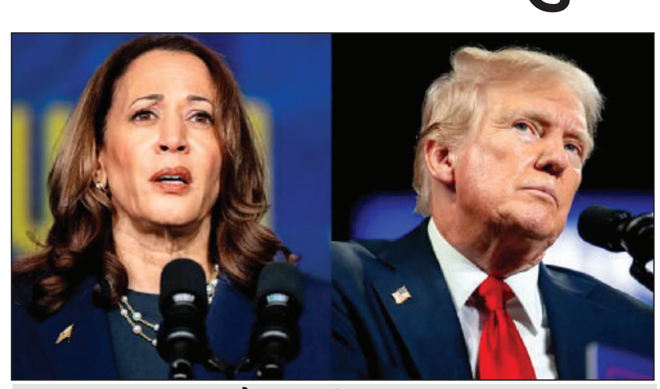

उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज हिंदू मंदिर में दिवाली के समारोह में हुए शामिल

फिलाडेल्फिया (अमेरिका) (भाषा)। अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज ने पेंसिल्वेनिया के एक प्रमुख हिंदू मंदिर में आयोजित दिवाली समारोह में भाग लिया और भारतीय-अमेरिकी समुदाय की ''बढ़ती'' राजनीतिक आवाज की सराहना की। अमेरिका में इस महीने आम चुनाव होंगे और इस दौरान डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस राष्ट्रपति पद और वाल्ज उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार हैं। डेमोक्रेटिक नेता ने मोंटगोमरी काउंटी के मंदिर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान अमेरिका में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की ₹बढ़ती₹ राजनीतिक आवाज पर प्रकाश डाला और उनसे अगले सप्ताह होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में कमला हैरिस की ''जीत'' का ''जश्न'' मनाने के लिए ऊर्जा बचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''सभी को दिवाली की शुभकामनाएं। इस विशेष दिन पर आप सभी के साथ होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।' मिनिसोटा के गवर्नर ने कहा, ''भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदाय हमारे राज्य और हमारी पहचान का अभिन्न अंग हैं।'' इस मौके पर वाल्ज ने दीया जलाने के अलावा सेल्फी खिंचवाई, 'नमस्ते' कहकर भारतीयों का अभिवादन किया और उनसे हाथ मिलाया। वाल्ज ने कहा, ''विविधता इस देश (अमेरिका) की ताकत है और इसीलिए हम इसे एक ऐसा स्थान बनाना चाहते हैं जहां लोग आना चाहें। इस स्थान को ऐसा ही बने रहना चाहिए।'

हिंदू अमेरिकी समूहों ने हिंदुओं के अधिकारों की रक्षा के वादे के लिए ट्रंप की प्रशंसा की

वाशिंगटन (भाषा)। हिंदू अमेरिकी समूहों ने रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका और बांग्लादेश सहित दुनिया भर में हिंदुओं के मानवाधिकारों की रक्षा करने तथा उन्हें ''कट्टरपंथी वामपंथ के धर्म-विरोधी एजेंडे'' से बचाने के वादे को लेकर पूर्व राष्ट्रपति की सराहना की है। बृहस्पतिवार को दिवाली की शुभकामनाओं में ट्रंप ने ''बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा की''। उन्होंने कहा कि वहां ''पूरी तरह अराजकता की स्थिति'' बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''मेरे निगरानी में ऐसा कभी नहीं होता। कमला हैरिस और जो बाइडन ने दुनिया भर में तथा अमेरिका में हिंदुओं की अनदेखी की है। वे इजराइल से लेकर यूक्रेन और हमारी अपनी दक्षिणी सीमा तक तबाही मचा चुके हैं, लेकिन हम अमेरिका को फिर से मजबूत बनाएंगे और पूरी ताकत से शांति को वापस लाएंगे।'' ट्रंप ने कहा, ''हम कट्टरपंथी वामपंथियों के धर्म-विरोधी एजेंडे से भी हिंदू अमेरिकियों की रक्षा करेंगे। हम आपकी आजादी के लिए लड़ेंगे। मेरे प्रशासन के तहत, हम भारत और मेरे अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी के साथ अपनी महान साझेदारी को भी मजबूत करेंगे।'' 'हिंदूज फॉर अमेरिका फर्स्ट' के संस्थापक और अध्यक्ष उत्सव संदूजा ने पीटीआई-भाषा को दिए साक्षात्कार में कहा कि वे पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप के बहुत आभारी हैं। संदूजा ने कहा, ''मैं पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप का बहुत आभारी हूं, हमेशा आभारी रहूंगा और हमेशा सराहना करूंगा। यह निराशाजनक है कि कमला हैरिस ने इस मुद्दे पर कुछ नहीं कहा। मुझे लगता है कि इससे इस चुनाव में बड़ा बदलाव आने वाला है।'' 'हिंदूएक्शन' ने भी ट्रंप के बयान के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

रक्षा सहयोग पर चर्चा

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और जेक सुलिवन ने फोन पर की बात

क्षेत्रीय सुरक्षा घटनाक्रम, रक्षा सहयोग सहित द्विपक्षीय मुद्दों पर की विस्तार से बातचीत

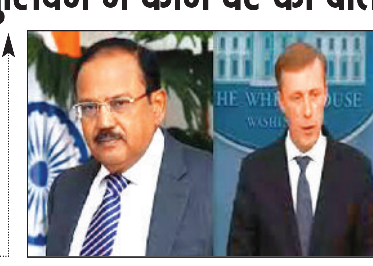

भाषा ▶▶ वाशिंगटन

भारत द्वारा सिख अलगाववादियों को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के मध्य तनाव के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने अपने भारतीय समकक्ष अजीत डोभाल से फोन पर बात की और इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा घटनाक्रम, रक्षा सहयोग सहित द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय और आधिकारिक आवास 'व्हाइट हाउस' ने डोभाल और सुलिवन के बीच हुई बातचीत की बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक स्तर पर स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की। इसमें बताया गया, ''उन्होंने आगामी महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकी पहल (आईसीईटी) अंतर-सत्रीय और हिंद महासागर वार्ता सहित द्विपक्षीय साझेदारी का स्वागत किया। उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं और रक्षा सहयोग सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के लिए आगे के अवसरों पर भी चर्चा की।'' दोनों देशों के राष्ट्रीय सलाहकारों ने बुधवार को फोन पर बात की। 'व्हाइट हाउस' ने कहा, ''उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला और रक्षा सहयोग सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के लिए अवसरों पर चर्चा की।

शाह पर लगाए आरोपों पर किया समर्थन

अमेरिका ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि कनाडा द्वारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लगाए गए आरोप 'चिंताजनक' हैं। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था, ''कनाडा सरकार द्वारा लगाए गए आरोप चिंताजनक हैं और हम उन आरोपों के बारे में कनाडा सरकार के साथ परामर्श करना जारी रखेंगे।'' कनाडा के उप विदेश मंत्री डेविड मॉरिसन ने 'वाशिंगटन पोस्ट' की एक खबर की 'पुष्टि' की थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादियों को निशाना बनाने के अभियान के पीछे शाह का हाथ था।

मृतकों में पांच बच्चे शामिल

गाजा में इजराइली हमलों के बाद शव मिले, मृतक संख्या हुई 25

एजेंसी ▶▶ दीर अल-बलाह

मध्य गाजा पट्टी में इजराइली हमलों के बाद और शव बरामद होने के साथ ही मृतकों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि मृतकों में पांच बच्चे शामिल हैं। बृहस्पतिवार को मध्य नुसीरत शरणार्थी शिविर पर हुए दो हमलों में शुरुआत में 16 लोगों की मौत की खबर मिली थी, लेकिन अल-अकसा अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि अब भी शव लाए जा रहे हैं। अस्पताल ने बताया कि हमले में मारे गए कुल 21 लोगों के शव अस्पताल लाए गए हैं। अकसा अस्पताल में एक परिवार ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के पत्रकारों

को बताया कि एक हमले में 18 महीने के बच्चे तथा उसकी 10 साल की बहन की मौत हो गई जबकि बच्चों की मां शुक्रवार से लापता है और पिता की चार महीने पहले इजराइली हवाई हमले में मौत हो चुकी है। जिसके साथ ही मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई। इज़राइली सेना ने हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। लेकिन कहा कि उसने बृहस्पतिवार को मध्य और दक्षिणी गाजा में सशस्त्र आतंकवादियों को मार गिराया।

शक्ति गारंटी पर पुनर्विचार सबंधी शिवकुमार के बयान पर घेरा

कांग्रेस की चुनावी घोषणाएं से लोगों के साथ धोखा : भाजपा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने कहा है कि कांग्रेस की चुनावी घोषणाएं जनता को मूर्ख बनाने के लिए होती हैं और चुनाव जीतने के बाद कांग्रेसी सरकारें अपनी गांरटियों को भूल जाती हैं। कर्नाटक में महिलाओं की फ्री यात्रा से जुड़ी शक्ति गारंटी को लेकर राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की आपत्ति के बाद भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर करारा हमला बोला। वरिष्ठ भाजपा नेता तथा सांसद रविशंकर प्रसाद ने खरगे की टिप्पणी का हवाला देते हुए शुक्रवार कहा कि कांग्रेस को घेरा।

कांग्रेस ने तेलंगाना, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश की जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम किया, हरियाणा के लोग यह समझ गए : प्रसाद

कांग्रेस ने माना कि उसकी घोषणाएं आंखों में धूल झोंकने के लिए

पहली बार स्वीकार किया है कि उसकी चुनावी घोषणाएं, जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए होती हैं। प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को जनता को मूर्ख बनाकर वोट लेने के लिए माफी भी मांगनी चाहिए. साथ ही राहुल गांधी को भी इस मामले पर माफी मांगनी चाहिए। कर्नाटक के अलावा तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की ओर से घोषित चुनावी गारंटियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि घोषणा करके... शुद्ध भाषा में जनता को मूर्ख बनाकर वोट लेना भर है।

कांग्रेस का ऐसा पुराना इतिहास रहा

प्रसाद ने कहा कि बाद में योजना को जमीन पर नहीं उतरना, योजना का कागज पर ही रहना यह कांग्रेस की नीयत बताता है। । उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस का आज का इतिहास नहीं है। गरीबी हटाओ की घोषणा 1971 में हुई। गरीबी हटी क्या? घोषणा करो, कोई पूछने वाला नहीं है। भाजपा ने कर्नाटक में शक्ति गारंटी की समीक्षा किए जाने से जुड़े बयान पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की खिंचाई किए जाने को लेकर उस पर निशाना साधा। गौरतलब है कि कांग्रेस के कद्दावर नेता शिवकुमार ने पिछले दिनों कहा था कि राज्य सरकार अपनी शक्ति योजना पर फिर से विचार करेगी क्योंकि कुछ महिलाओं की ओर से सरकारी बसों में यात्रा के लिए पेमेंट करने की इच्छा जताई गई है। खरगे ने शिवकुमार के इस बयान पर निराशा जाहिर करते हुए कहा था 'आपने राज्य के लोगों को कुछ गारंटी दी हैं। उन्हें देखने के बाद मैंने भी महाराष्ट्र में कहा था कि कर्नाटक में 5 गारंटी हैं। अब आपने (शिवकुमार) कह दिया कि आप एक गारंटी छोड़ देंगे।' कांग्रेस सरकार शक्ति योजना के तहत महिलाओं को कर्नाटक में फ्री में बस यात्रा की सुविधा प्रदान की जाती है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने यह भी कहा था कि शिवकुमार ने जो कुछ भी कहा है, उससे मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा को मौका (कांग्रेस को घेरने का) मिल गया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109